हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 12.06.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 318 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह कांग्रेस से निष्कासित

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने बुधवार को राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्ष के लिए निलंबित कर दिया है। पार्टी की अनुशासनात्मक मामलों की समिति के महासचिव तारीक अनवर ने एक बयान में इसकी जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश से पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह को तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। ऐसा उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते किया गया है। कांग्रेस की ओर से इस बारे में जानकारी नहीं दी कि आखिर किन गतिविधियों के चलते उन्हें निष्काषित किया गया है लेकिन हाल के समय में उन्होंने कुछ ऐसे बयान दिए थे जिसने कांग्रेस आलाकमान को असहज कर दिया था। उन्होंने पार्टी नेतृत्व के अपरिपक्व होने की बात कही थी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद रॉबर्ट वाड्रा और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर यह टिप्पणी की थी।

सड़क दुर्घटना में शादी कर लौट रहे दूल्हा समेत तीन की मौत

जैसलमेर : जिले के बासनपीर गांव के पास मंगलवार की देर रात शादी के बाद दूल्हा व दुल्हन को लेकर लौट रही एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से कार सवार दूल्हा समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दुल्हन सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को जवाहिर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन गंभीर स्थिति को देखते हुए चारों को जोधपुर रेफर कर दिया गया। बताया गया कि मंगलवार को पोकरण में लीलाराम और बसंती की शादी हुई थी। दोनों की यह दूसरी शादी थी। शादी के बाद रात में सभी परिजन कार से जैसलमेर लौट रहे थे। कार दूल्हन का रिश्तेदार पुखराज चला रहा था। कार में दूल्हा लीलाराम की बहन भी सवार थी। जिले के बासनपीर गांव के पास उनकी कार को एक तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार हादसे में दूल्हा लीलाराम, उसकी बहन मूली देवी, पत्नी बाबूराम ओड और पुत्र की मौत हो गई।

कोडरमा-बरकाकाना रेलखंड का होगा दोहरीकरण, 133 किमी तक बिछेगी पटरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने झारखंड में कोडरमा-बरकाकाना और कर्नाटक में बेल्लारी-चिकजाजुर की करीब 318 किलोमीटर की रेलवे लाइनों के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी जिनकी कुल लागत 6,405 करोड़ रुपये आएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में इस आशय के निर्णय को मंजूरी दी गयी।

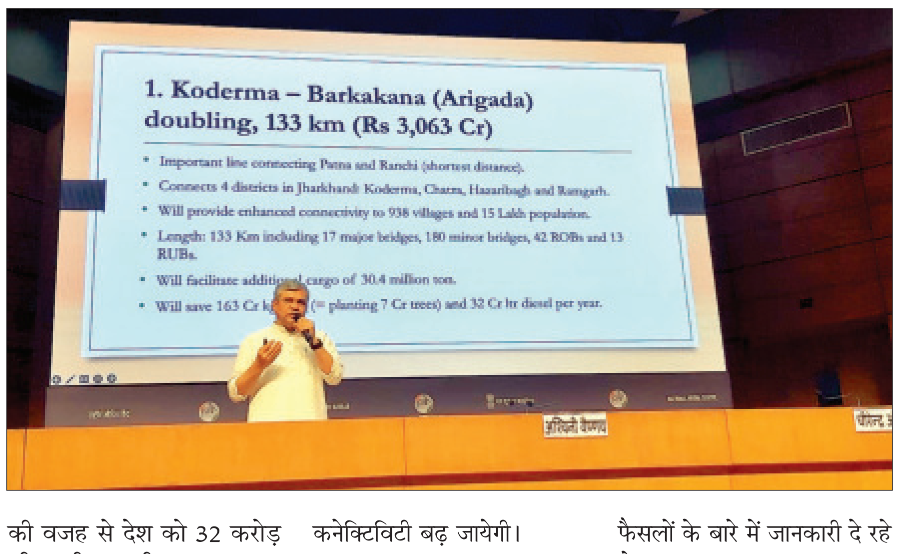

केंद्र सरकार ने झारखंड को एक बड़ी सौगात दी है। हालांकि, इस सौगात का फायदा देश को भी होगा। न केवल कार्बन उत्सर्जन कम होगा, बल्कि सालाना 32 करोड़ लीटर डीजल की बचत भी होगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे कोडरमा - बरकाकाना मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट की वजह से जो कार्बन डाई ऑक्साईड की बचत होगी, वह 7 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। इतना ही नहीं, इस परियोजना की वजह से देश को 32 करोड़ लीटर डीजल की सालाना बचत होगी।

कोडरमा-बरकाकाना मार्ग पर खर्च होंगे 3,063 करोड़

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 133 किलोमीटर लंबा कोडरमा-बरकाकाना (अरीगडा) डबलिंग प्रोजेक्ट एक बड़ी परियोजना है। इस परियोजना पर कुल 3,063 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह रांची और पटना के बीच सबसे छोटी लाइन है। इस परियोजना के पूरी हो जाने के बाद कोडरमा, चतरा, हजारीबाग और रामगढ़ जिलों की कनेक्टिविटी बढ़ जायेगी।

938 गांव की 15 लाख आबादी को होगा फायदा

वैष्णव ने कहा कि इस परियोजना से 938 गांवों की 15 लाख आबादी को फायदा होगा। इतना ही नहीं, इस मार्ग से अतिरिक्त 30.4 मिलियन टन माल की ढुलाई संभव हो जायेगी। इससे पर्यावरण को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि अगर इतने माल की ढुलाई सड़क मार्ग से की जाये, तो बड़ी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन होगा। अश्विनी वैष्णव केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्रिपरिषद में लिये गये फैसलों के बारे में जानकारी दे रहे थे।

6,405 करोड़ की 2 रेलवे ट्रैक दोहरीकरण परियोजनाओं को मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के 7 जिलों से होकर गुजरने वाली 2 रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनकी कुल लागत 6,405 करोड़ रुपये है। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) की बैठक में इन दोनों रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी। बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई।

133 किलोमीटर का है कोडरमा-बरकाकाना ट्रैक

स्वीकृत परियोजनाओं में से एक 133 किलोमीटर लंबे कोडरमा-बरकाकाना ट्रैक के दोहरीकरण से संबंधित है। यह ट्रैक न केवल झारखंड के एक प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्र से होकर गुजरता है, बल्कि पटना एवं रांची के बीच का सबसे छोटा और अधिक सक्षम रेल संपर्क मार्ग भी है। दूसरी परियोजना 185 किलोमीटर लंबे बेल्लारी-चिकजाजुर ट्रैक के दोहरीकरण की है। यह ट्रैक कर्नाटक के बेल्लारी एवं चित्रदुर्ग जिलों और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से होकर गुजरता है।

रेल मार्ग से कोयला समेत इन चीजों की होगी ढुलाई

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि ये रेल मार्ग कोयला, लौह अयस्क, तैयार इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, कृषि एवं पेट्रोलियम उत्पादों जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक हैं। इनकी क्षमता में वृद्धि से 4.9 करोड़ टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव रेलवे परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार किये गये हैं।

हेमन्त सोरेन से मिले जर्मनी के राजदूत विकास से जुड़े विषयों पर हुई विशेष चर्चा

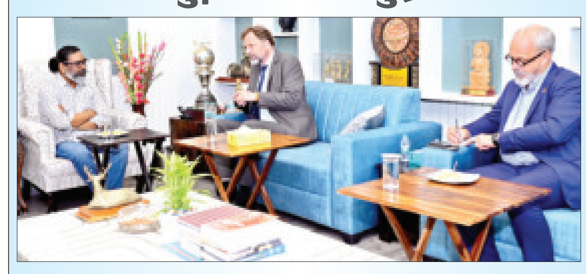

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन एवं इकोनॉमी काउंसलर ने भेंट की। इस अवसर पर उनके बीच विभिन्न क्षेत्रों में विकास से संबंधित विभिन्न विषयों एवं पहलुओं को लेकर चर्चा हुई। जर्मन राजदूत ने कहा कि विशेषकर कोयला खनन और उत्पादन को लेकर जर्मनी और झारखंड में काफी समानताएं हैं, ऐसे में कोल आधारित उद्योगों के विकास को लेकर झारखंड के साथ जर्मनी सहयोग बढ़ाने को लेकर इच्छुक है। मुख्यमंत्री ने झारखंड में औद्योगिक निवेश की संभावनाओं से जर्मनी के राजदूत को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस दिशा में राज्य सरकार देश- विदेश के औद्योगिक समूहों के साथ लगातार संपर्क स्थापित कर रही है और इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जर्मन राजदूत से कहा कि भारत में निवेश करने वाले जर्मन निवेशकों को सरकार पूरा सहयोग करेगी। जर्मन राजदूत ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को जर्मनी आगे का न्योता दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी मौजूद थे।

सिगरेट और तंबाकू प्रतिषेध विधेयक को राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में अब सार्वजनिक स्थलों पर तंबाकू उत्पाद बेचना, धूम्रपान करना और तंबाकू थूकना अब पांच गुना महंगा पड़ेगा। ऐसा करते पकड़े जाने वालों पर 1000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। ऐसे इसलिए क्योंकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण विनियमन) (झारखंड संशोधन विधेयक), 2021 पर अपनी स्वीकृति प्रदान की गई है। झारखंड विधानसभा की ओर से पारित यह संशोधन विधेयक राज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजा गया था। राष्ट्रपति की ओर से अनुमोदन के बाद विधेयक राज भवन को प्राप्त हो गया है। झारखंड राजभवन के मीडिया कोषांग ने बुधवार को जारी सूचना में बताया है कि झारखंड विधानसभा में पारित सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद विधेयक, 2021 पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।

भगवान जगन्नाथ का देव स्नान संपन्न, 15 दिन के एकांतवास में रहेंगे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मंदिर में बुधवार दोपहर भक्ति और आध्यात्मिकता की अनुपम धारा प्रवाहित हुई, जब भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों के प्रेममय जलाभिषेक से अभिभूत हुए। देवस्नान पूर्णिमा के पावन अवसर पर भगवान जगन्नाथ, उनके भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा का महा जलाभिषेक सम्पन्न हुआ।

इस पावन दृश्य के साक्षी बनने के लिए मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। जैसे ही स्नान अनुष्ठान पूरा हुआ, श्रद्धालु जय जगन्नाथ के जयघोष के साथ हाथ उठाकर मंदिर परिसर को भक्तिरस में डुबोने लगे।

इस दौरान भगवान के विग्रह का जलाभिषेक 108 पवित्र कलशों से किया गया, जिनमें गंगाजल, चंदन मिश्रित जल, पुष्पजल और औषधीय जल शामिल थे। भक्तों ने स्वयं अपने हाथों से जल अर्पण किया, जिसमें उनकी श्रद्धा, प्रेम और आस्था का भाव झलक रहा था। जलाभिषेक के पश्चात 3:30 बजे भगवान की विशेष महाआरती की गई। इस दौरान मंदिर परिसर शंख, घंटा, मृदंग और जयघोषों से गूंज उठा। भगवान को विशेष चंदन और वस्त्र अर्पित किए गए, जिससे वातावरण अत्यंत भावविभोर हो उठा।

शाम 4 बजे के उपरांत भगवान जगन्नाथ गर्भगृह में प्रवेश कर एकांतवास में चले गए। यह एक विशेष धार्मिक परंपरा है, जो रथयात्रा से पूर्व 15 दिनों तक चलती है। इसे भगवान के 'बीमार पड़ने की लीला' माना जाता है, जिसमें उन्हें औषधियां दी जाती हैं और उनके दर्शन बंद हो जाते हैं। पूजारी रामेश्वर पाढ़ी ने बताया कि यद्यपि भगवान दर्शनों से ओझल हो जाते हैं, परंतु उनकी कृपा सदैव भक्तों पर बनी रहती है। एकांतवास के इन दिनों को भजन, ध्यान और रथयात्रा की तैयारी का काल माना जाता है।

तलवार से 78 किलो का केक काट लालू यादव ने मनाया जन्मदिन, जश्न में डूबे राजद समर्थक

एजेंसी

पटना : राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का 78वां जन्मदिन मनाया जा रहा है। बुधवार की सुबह से ही उनके पटना स्थित आवास दस सर्कुलर रोड में शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा हुआ है। लालू यादव ने अपने समर्थकों के बीच तलवाल से लड्डू केक भी काटा है। इधर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, सांसदों, विधायकों, कार्यकर्ताओं और आम समर्थकों ने लालू यादव को जन्मदिन की बधाई दी है। जन्मदिन के अवसर पर राजद कार्यकर्ता पारंपरिक अंदाज में ढोल-नगाड़ों और मिठाइयों के साथ लालू आवास पहुंचे। मिठाइयों की टोकरी और ट्रे पर लालू यादव की फोटो लगी पैकिंग ने खास ध्यान खींचा।

कई कार्यकर्ता ट्रॉली पर मिठाई, खाजा, रसगुल्ले और लड्डू लेकर आए। कार्यकताओं ने लालू प्रसाद को 78 किलो का लड्डू केक भी भेंट किया। लालू प्रसाद यादव ने तलवार से यह लड्डू केक काटा। लालू प्रसाद यादव के जन्मदिन सेलिब्रेशन के दौरान वहां लालू के समर्थन में नारे भी लगाए गए। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने लालू आवास के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने दी बधाई

लालू यादव को जन्मदिन की बधाई देते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स पर लिखा, गरीबों, शोषितों और वंचितों के लिए हमेशा संघर्ष करने वाले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को जन्मदिन की ढेरों बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। मरांग बुरु आपको सदैव उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन प्रदान करें, यही कामना करता हूं।

नहीं नजर आए तेज प्रताप यादव

लालू प्रसाद यादव के जन्मदिन पर उनके बड़े बेटे तेज प्रताप यादव नजर नहीं आए। दरअसल हाल ही में पिता लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से छह साल के लिए निकाल दिया है। हालांकि, लालू प्रसाद यादव के जन्मदिन से एक दिन पहले तेज प्रताप यादव ने अपने पिता की एक तस्वीर अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट की थी। इस तस्वीर को शेयर करते हुए तेज प्रताप यादव ने लिखा था, 'अंधेरा जितना गहरा होगा, सुबह उतनी ही नजदीक होगी'। दरअसल तेज प्रताप यादव की कुछ दिनों पहले एक तस्वीर वायरल हुई थी जिसमें वो एक युवती अनुष्का यादव के साथ नजर आए थे। तेज प्रताप यादव ने बताया था कि वो अनुष्का यादव के साथ 12 साल से रिलेशनशिप में है।

भारत का तेजी से विस्तृत होता अवसंरचना नेटवर्क 'जीवन सुगमता' को बढ़ावा दे रहा : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि बुनियादी ढांचे में क्रांति के 11 साल हो गए हैं और भारत का तेजी से विस्तार ले रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क 'जीवन सुगमता' को बढ़ावा देने के साथ समृद्धि को बढ़ा रहा है। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, 'बुनियादी ढांचे में क्रांति के 11 साल हो गए। बेहतरीन अवसंरचना निर्माण के साथ भारत की विकास यात्रा आगे बढ़ी है।' उन्होंने कहा कि रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क 'जीवन सुगमता' को गति प्रदान कर रहा है और समृद्धि को बढ़ा रहा है। मोदी ने सरकार के

नागरिक सहभागिता मंच से एक 'थ्रेड' साझा किया, जिसमें पिछले 11 वर्षों में नए भारत के बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रकाश डाला गया। 'माईजीओवीइंडिया' पर एक पोस्ट में लिखा गया, स्मार्ट सिटी। सुरक्षित सड़कें। सुगम आवागमन- नए भारत के बुनियादी ढांचे का वादा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का बुनियादी ढांचा भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

इसमें लिखा गया है, यह एक ऐसी यात्रा है जिसमें इस्पात और आत्मा का संगम होता है, और प्रत्येक मील का पत्थर एक अरब लोगों की उम्मीदों को लेकर चलता है। राजमार्ग जो दूरियों को कम करते हैं, पुल जो समुदायों को जोड़ते हैं, और डिजिटल नेटवर्क जो नवाचार को बढ़ावा देते हैं। भारत बुनियादी ढांचे से कहीं अधिक का निर्माण कर रहा है। यह आत्मविश्वास, कनेक्टिविटी और हर भारतीय सपने के लिए एक सुंदर कैनवास का निर्माण कर रहा है। 'थ्रेड' में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि गति परिवर्तन केवल प्रगति के बारे में नहीं है - यह प्रत्येक नागरिक के उत्थान और भारत के भविष्य को बदलने के वादे के बारे में है।

भारत के बुनियादी ढांचे का विकास जीवन को आसान बना रहा है : मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पिछले 11 वर्षों में किए गए बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रकाश डालते हुए बुधवार को कहा कि रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क 'जीवन को आसान' बना रहा है और समृद्धि को बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपनी सरकार के 10 जून को अपने तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष, यानी कुल 11 वर्ष पूरे करने के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे में भारत की उत्कृष्ट प्रगति पर जोर दिया - रेलवे, राजमार्गों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक - जिससे बेहतर कनेक्टिविटी, आर्थिक विस्तार और नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और समृद्धि में वृद्धि हुई है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड के सभी 5 आरोपियों को 8 दिन की पुलिस हिरासत

एजेंसी

शिलांग : राजा रघुवंशी हत्याकांड के सभी 5 आरोपियों को कोर्ट ने 8 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने भी आरोपियों को बुधवार को कोर्ट में पेश किया था। राजा की पत्नी सोनम को मंगलवार देर रात पूर्वोत्तर राज्य लाया गया, जबकि चार अन्य को ट्रांजिट रिमांड पर बुधवार को यहां लाया गया।

मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की सनसनीखेज हत्या की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी ने पूछताछ के दौरान सीसीटीवी वीडियो और कुछ घटनास्थल के आसपास से बरामद की गई सामग्री को दिखाने के बाद अपना गुनाह कबूल कर लिया। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार, जब दिन में एसआईटी ने सोनम से पूछताछ की तो उसने हत्या की साजिश रचने की बात स्वीकार की। सूत्रों ने बताया कि मेघालय पुलिस के अधिकारियों के सामने उसका कबूलनामा औपचारिक रूप से दर्ज किया गया, जिससे अपराध में उसकी प्रत्यक्ष संलिप्तता की पुष्टि हुई।

पांचों आरोपियों में सोनम रघुवंशी, उसके कथित प्रेमी राज कुशवाहा, आनंद कुर्मी, आकाश राजपूत और विशाल सिंह चौहान को शिलांग लेकर पुलिस पहुंची है। पुलिस अधिकारियों ने खुलासा किया कि तीन कथित कॉन्ट्रैक्ट किलर- आकाश, आनंद और विकास - ध्यान आकर्षित करने से बचने के लिए अलग-अलग चरणों में इंदौर से शिलांग पहुंचे। सीसीटीवी फुटेज, ट्रेन टिकट बुकिंग और आधार कार्ड की फोटोकॉपी के जरिए उनकी गतिविधियों का पता लगाया गया, जिससे अधिकारियों को उनकी पहचान की पुष्टि करने और मेघालय तक उनके मार्ग का पता लगाने में मदद मिली।

बड़कागांव में बिजली नहीं रहने से बूंद-बूंद पानी को तड़प रहे हैं ग्रामीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में इन दिनों जबरदस्त गर्मी का कहर जारी है। गर्मी का आलम यह है कि ना लोगों को रात में चैन है और ना ही दिन में कार एसी प्रचंड गर्मी की बड़का गांव में लगभग 20 पंचायत में बिजली व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। बड़कागांव प्रखंड में 10 मिनट 15 मिनट कर कर मात्र 3 से 4 घंटा बिजली लोगों को मिल पा रही है। इनमें वोल्टेज भी ऐसा बस मोबाइल चार्ज हो रहा है पंखा सिर्फ हिल सकता है। यह बड़का गांव के लोगों की दुर्भाग्य हैं। जो बड़कागांव के कोयले से पूरे देश सहित दूसरे देश भी रोशन हो रहा है वहीं बड़कागांव के लोग अंधेरे में और गर्मी की तड़प का जीवन गुजार रहे हैं सरकार द्वारा संचालित नल जल योजना भी फेल हो चुका है प्रखंड में अधिकतर जल मीनार खराब है यह तो ऐसी स्थिति में है कि 1 घंटे में 5 लीटर पानी भी लोगों को घरों में नहीं पहुंच पाता है। बिजली विभाग के इस सौतेले व्यवहार के खिलाफ बड़का गांव के ग्रामीण में गुस्सा बढ़ता जा रहा है आम जनता का यह गुस्सा कभी भी विकराल रूप धारण कर सकता है। बड़कागांव क्षेत्र में कई बड़ी कंपनियों का उत्खनन का कारोबार करोड़ो, अरबों, कम रही है लेकिन बड़का गांव के लोगों के जीवन जस की तस बना हुआ है। बड़का गांव के लोग कोयला कंपनी के द्वारा झूठा सपना दिखाया गया यहां के भोली भाली जनता को छला गया। आज तक बड़का गांव में कोयल कंपनियों के द्वारा बिजली पानी जैसी मूल सुविधाओं भी नहीं दी गई बिजली नहीं रहने के कारण पानी का मोटर भी नहीं चल पा रहा है बड़का गांव के ग्रामीण पानी पानी के लिए तड़प गए हैं किसान खेतों में पानी नहीं दे पा रहे हैं सरकार भी राज्य में बदलती रही। बड़का गांव में विधायक भी बदल गया हजारीबाग सांसद भी बदल गए लेकिन नहीं बदली बड़का गांव की बिजली व्यवस्था हजारीबाग जिला प्रशासन के अधिकारी अब अपने आप को राज्य सरकार के मुख्यमंत्री से काम नहीं समझते हैं जिला प्रशासन के अधिकारी एसी कमरे में बैठकर सरकार के झूठे रिपोर्ट बनाकर भेज देते हैं कभी-कभी जिला प्रशासन के अधिकारी ने आज तक यह हिम्मत नहीं दिखाई की क्या सच में बड़का गांव के लोगों के साथ कोल कंपनी की न्याय किया। कभी धरातल पर जाकर लोगों के यह सब जाने की कोशिश तक नहीं की की कंपनी के द्वारा जो वादा किया गया था वह पूरा हुआ या नहीं बस बंद कमरे में टेबल पर बैठकर कंपनी के हित की रिपोर्ट बनाकर केंद्र और राज्य सरकार को भेज देते हैं जहां सरकार और हजारीबाग जिला प्रशासन को चाहिए की कंपनी की हुजूरी करना छोड़ कर कंपनी से सवाल किया जाए। 10 सालों में बड़का गांव में कॉल कंपनियों के द्वारा किया गया विकास क्या बड़का गांव की युवा भविष्य को बिजली जैसे मूल सुविधा भी नहीं मिल रही है। जिससे वह रोशनी में पढ़ाई कर सके धरातल पर आकर जिला प्रशासन का पदाधिकारी को जांच करना चाहिए और उपरांत कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि बड़का गांव के लोगों को न्याय और हक मिल सके मामले को लेकर बिजली विभाग से बात करने पर उन्होंने बताया कि डीवीसी के द्वारा बिजली काम दिया जा रहा है। जिस कारण बिजली का पूर्ति नहीं हो पा रही है। बड़कागांव हरली टंडवा केरेडारी इन चार सब स्टेशनों को चलाने में 420 एम्पियर चाहिए लेकिन डीवीसी के द्वारा 150 एम्पियर बिजली आपूर्ति हो रही है इसके कारण लोगों को बिजली आपूर्ति नहीं हो पा रही है। बिजली नहीं रहने के कारण गांव में भी बहुत बड़े समस्या उत्पन्न हो रहे हैं लोगों को नहाने धोने खाना बनाने के लिए नदी नाले का पानी का उपयोग करना पड़ रहा है । गांव के लोग भारी गर्मी पड़ने से नदी नाले में नहाने जाते हैं जहां पर सांप बिच्छू काटने का डर बना रहता है अधिक गर्मी के कारण गांव के लोग घर के बाहर सोते हैं इससे जंगली जानवर का डर भी लोगों में बना रहता है।

एक नजर

ब्लॉक परिसर में शौचालय बंद, लोगों को परेशानी

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड सहअंचल कार्यालय में पुरुष शौचालय बंद रहने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अपने कार्य के लिए अंचल कार्यालय आए वाहिद अली ने कहा कि मैं ग्राउंड फ्लोर में शौच के लिए शौचालय के लिए गया, तो देखा की दरवाजे में ताला बंद है, पिछले कई दिनों से शौचालय बंद है। जिसके कारण कामकाज के लिए ब्लॉक आए लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले को लेकर बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हो सकता है बिजली नहीं रहने के कारण टंकी में पानी नहीं चढ़ा होगा, जिसके कारण बंद होगा। बताते चलें कि कई बार देखने को मिला है कि पानी नहीं रहने के कारण लोग शौचालय को गंदा हीं छोड़ जाते हैं।

मुंडारी भाषा-संस्कृति को नष्ट करने की साजिश कर रहा है झामुमोः नीलकंठ

खूंटी : राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री और भाजपा कें वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा(जेटैट) नियमावली .2025 में जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं की सूची से मुंडारी भाषा को हटाए जाने के फैसले की कड़ी निंदा की है और इसमें अविलंब संशोधन की मांग की है। नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि आदिवासियों के नाम पर राजनीति करने वाला झामुमो मुंडारी भाषा और संस्कृति को नष्ट करने की साजिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के फैसले ने खूंटी के आदिवासी समाज में आक्रोश पैदा कर दिया है। हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत करते हुए खूंटी के पांच बार विधायक रहे नीलकंठ सिंह मुडा ने कहा कि मुंडारी सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान है। इस भाषा ने भगवान बिरसा मुंडा, जयपाल सिंह मुंडा, डॉ राम दयाल मुंडा जैसी विभूतियों को जन्म दिया। खासकर मुंडा बहुल क्षेत्र खूंटी में इसे समुदाय के अस्तित्व और अस्मिता से जोड़कर देखा जा रहा है। पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए राज्य सरकार को चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही मुंडारी भाषा को सूची में शामिल नहीं किया गया, तो खूंटी के मुंडा समुदाय को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले की 80 फीसदी जनजातीय समाज की मातृभाषा मुंडारी है। ऐसे में मुंडारी भाषा को सूची में शामिल न करना मुंडा समाज को अपमानित करने वाल है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खूंटी जिले के लिए जनजातीय भाषाओं में कुडूख और खड़िया तथा क्षेत्रीय भाषा में नागपुरी, पंचपरगनिया और कुरमाली को शामिल किया गया है और मुंडारी को छोड़ दिया गया है।

कर्रा प्रखंड के शिक्षकों को दिया गया प्रशस्त एप का प्रशिक्षण

खूंटी : स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की समावेशी शिक्षा कें तहत प्री प्राइमरी कक्षा से बारहवीं तक के सभी दिव्यांग छात्रों की स्क्रीनिंग कें लिए प्रखंड के सभी कोटि के विद्यालय प्रभारियों को प्लस टू उच्च विद्यालय कर्रा में बुधवार को प्रशस्त एप का प्रशिक्षण दिया गया। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनमोहन साहू ने बताया कि यह एप एनसीईआरटी की ओर से बनाया गया है, जिसमें कक्षा 1से 12वीं तक के दिव्यांग छात्रों की प्रारम्भिक जांच की जाती है। 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग होने पर उसका दिव्यांग है प्रमाण पत्र बनता है और उसे मासिक 400 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है। प्रशस्त एप के प्रखंड स्तरीय रिसोर्स शिक्षक कमला प्रभा तिग्गा, थेरेपिस्ट प्रेमलता कुमारी, प्रशिक्षक एरियल संजय कंडुलना, जितेंद्र पाठक ने शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।

एनटीपीसी ने केरेडारी ब्लॉक में खाली घड़ा रखा है प्यास बुझाने के लिए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

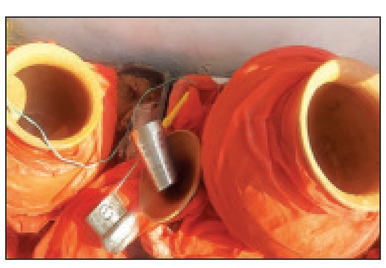

केरेडारी : केरेडारी प्रखण्ड एनटीपीसी केरेडारी कॉल खनन परियोजना के सौजन्य से प्याऊ की व्यवस्था किया गया है केरेडारी प्रखंड सह अंचल कार्यालय में सिर्फ एनटीपीसी अपना नाम कमाने के चक्कर में दो घड़ा प्याऊ के नाम पर रख दिया है। जिसमें घड़ा में एक भी पानी नहीं रहता है। जब केरेडारी प्रखंड में ग्रामीण के द्वारा अपने प्यास बुझाने के लिए ब्लॉक के गेट पास आते हैं तो घड़ा सिर्फ खाली नजर आता है और अपना बैनर एनटीपीसी केरेडारी कॉल परियोजना के नाम से लगा रखा है। सूत्रों के अनुसार बताया गया कि जब से एनटीपीसी दो घड़ा लाकर रखा सिर्फ दो दिन पानी मिला इसके बाद इस घड़ा में खाली ही खाली नजर आता है जो ठीकेदार पानी का टेंडर लिया है। उनका कोई आता पता नहीं रहता यह दोनों घड़ा खाली नजर आ रहा है। इस घड़ा में एक भी पानी नहीं रहता दोनों घड़ा सूखा हुआ है केरेडारी प्रखंड अंचल कार्यालय में हजारों ग्रामीण आते जाते हैं पर इस धूप का लहर इतनी तेजी है कि लोगों की पानी का जरूरत हर एक मिनट में पड़ता है। लेकिन पानी पीने के लिए ब्लॉक में नहीं कोई व्यवस्था किया गया है। सिर्फ ग्रामीणों को अंधा बनाने के लिए दो घड़ा रख दिया गया है। एनटीपीसी कॉल परियोजना के तहत जो भी ठिकेदार टेंडर लिया है उस पर कड़ी से कड़ी जांच होना चाहिए।

डीसी और एसपी ने गिरिडीह सेन्ट्रल जेल में की छापेमारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिरिडीह : गिरिडीह जिला प्रशासन के आला अधिकारियों की विशेष टीम ने मंगलवार देर रात में जिलाधिकारी रामनिवास यादव तथा गिरिडीह के पुलिस कप्तान डॉक्टर विमल कुमार की अगुवाई में सेंट्रल जेल में छापेमारी की। बताया गया कि लगभग दो घंटे तक पुरुषों के सभी पांच ब्लॉक के 20 वार्ड और महिला के वाडों को खंगाला गया। इस दौरान टीम में शामिल अधिकारी और कर्मी एक-एक कर पुरुष बंदी के सभी वार्डों में दाखिल हुए और पूरी तलाशी ली। दूसरी तरफ महिला अधिकारी और महिला जवान, महिला बंदी के वार्ड मे भी तलाशी ली गयी । पूरी तलाशी के दौरान खैनी के अलावा कुछ नही मिला। इस दौरान जिलाधिकारी रामनिवास यादव तथा एसपी विमल कुमार के साथ एसडीएम श्रीकांत विसपुते ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया । सीसीटीवी की व्यवस्था से लेकर संतरी की तैनाती की भी जानकारी ली। छापेमारी में डीसी - एसपी के अलावा सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्रीकांत, डीएसपी वन नीरज कुमार सिंह, डीएसपी टू कौशर अली, एसडीपीओ सदर जीत वाहन उरांव, साइबर डीएसपी आबिद खान, दोनों प्रशिक्षु डीएसपी के अलावा मुफ्फसिल थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर श्याम किशोर महतो, नगर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर शैलेश प्रसाद, बेंगाबाद इंस्पेक्टर ममता कुमारी, गांडेय और अहिल्यापुर थाना के पदाधिकारी मौजूद थे।

चोरी की बाइक लेकर घूम रहा था अपराधी, हुआ गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ शहर में चोरी की बाइक लेकर एक अपराधी घूम रहा था। पुलिस ने उस संदिग्ध अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। रामगढ़ थाना प्रभारी पीके सिंह ने बताया कि उस अपराधी को बुधवार को जेल भेजा गया है। मंगलवार की रात दामोदर नदी पुल के पास एक युवक संदिग्ध हरकतें कर रहा था। जब पुलिस जांच करने वहां पहुंची तो उसके पास एक बाइक भी मिला। जब पुलिस ने तहकीकात की तो पता चला कि उस बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट (जेएच 02 एम 7657) लगाकर उसका इस्तेमाल किया जा रहा था। उस युवक की पहचान बोकारो जिले के महुआटांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमराबेड़ा गांव निवासी जमील अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ कांड संख्या 153/25 दर्ज किया है।

12वीं में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को मुखिया ने किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सांढ़ पंचायत भवन में 12 वीं इंटर आर्ट्स साइंस कॉमर्स में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मुखिया सुलेखा कुमारी व संचालन गिनी वर्मा ने किया। 12वीं परीक्षा में पंचायत स्तरीय बेहतर परिणाम प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पूर्व मुखिया भीखन महतो के नेतृत्व में सम्मानित समारोह किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को 12वीं के बाद किस क्षेत्र में और किस यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त करना है इसके बारे में जानकारी दी गई। साथ ही साथ अलग - अलग क्षेत्र में कैसे अपने आप को प्लेसमेंट किया जा सकता है इसके बारे में पंचायत सचिव अलका कुमारी ने अपने संबोधन से जानकारी दी। इस दौरान जनप्रतिनिधियों शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति भारत बनाने के लिए शपथ लिए। शपथ लेते हुए लोगों ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवकों की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। मौके पर मुखिया सुलेखा कुमारी, पंचायत सचिव अलका कुमारी, रोजगार सेवक सुरेंद्र ठाकुर, टेकलाल कुमार, केंद्रीय कुशवाहा समाजसेवी सचिव गिन्नी वर्मा, पूर्व वार्ड सदस्य आनन्द कुमार पासवान, ओमकार कुमार, शिक्षक जितेंद्र कुमार, विकास प्रसाद दांगी, लीलावती सहित छात्र-छात्राओं मैं कुमारी अंशु प्रिया, श्वेता कुमारी, शशिकांत शर्मा, चंचल कुमारी, सृष्टि कुमारी, प्रतिभा कुमारी, जूही कुमारी उपस्थित थे।

पिट्स मॉडर्न स्कूल में राज्य लगोरी चैंपियन का किया गया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पिट्स मॉडर्न स्कूल, गोमिया ने अपने आठ उत्कृष्ट खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया, जिन्होंने राष्ट्रीय जूनियर लगोरी चैंपियनशिप 2025 में झारखंड का प्रतिनिधित्व किया। झारखंड अंडर-17 गर्ल्स लगोरी टीम का हिस्सा थे, जिसने 5 जून से 7 जून तक महाराष्ट्र के नासिक में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के टूनामेंट में प्रभावशाली तीसरा स्थान हासिल किया। यह उल्लेखनीय उपलब्धि अटूट समर्पण, कठोर प्रशिक्षण और स्कूल एवं मेंटरों के अथक सहयोग का परिणाम है। लड़कियों की टीम को खुशी सिंह ने प्रशिक्षित किया, जबकि कौशल कुमार ने लड़कों की टीम का मार्गदर्शन किया। उनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने राष्ट्रीय मंच पर टीम के सराहनीय प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सफलता के सम्मान में, स्कूल ने एक विशेष स्वागत समारोह का आयोजन किया, जहाँ खिलाड़ियों का स्वागत पिट्स मॉडर्न स्कूल के प्राचार्य बृजमोहन लाल दास ने फूलों के गुलदस्ते से किया। इस कार्यक्रम में स्कूल की समग्र विकास के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दशार्या गया, जिसमें शैक्षणिक उत्कृष्टता और खेल उपलब्धियों दोनों का संतुलन बनाया गया। पिट्स मॉडर्न स्कूल के चैंपियनः- साची कुमारी, धारा सिंह, स्मिता कुमारी,आयशा फातमा, लक्ष्मी कुमारी, अनन्या जायसवाल,कुमारी गुंजन एवं उत्कर्ष वीर। टीम में पिट्स मॉडर्न स्कूल की सात छात्रा और एक छात्र शामिल था, जो स्कूल द्वारा लैंगिक समावेशिता और खेल भावना पर दिए जा रहे जोर का उदाहरण है। पिट्स मॉडर्न स्कूल के प्राचार्य बृजमोहन लाल दास ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहाः यह जीत हमारे छात्र-छात्रों के समर्पण और हमारे कोचिंग स्टाफ के अटूट समर्थन का प्रमाण है। यह हमारे द्वारा बनाए गए मूल्यों को दशार्ता है - अनुशासन, दृढ़ता और हर क्षेत्र में उत्कृष्टता। साथ ही, उन्होंने कहा कि यह विद्यालय के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है कि उनकी आठ विद्यार्थियों ने झारखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। अभिषेक विश्वास महाप्रबंधक, आई ई पी एल ओरिका, गोमिया और गोमिया विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष अरिंदम दासगुप्ता ने बधाई देते हुए कहाः विद्यालय की युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच पर चमकते देखना गर्व की बात है। उनकी सफलता पूरे समुदाय के लिए गर्व का स्रोत है। हम इस तरह की पहल के लिए अपना समर्थन जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिट्स मॉडर्न स्कूल एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना जारी रखता है, जहां छात्रों को न केवल शिक्षा में बल्कि सह-पाठ्यचर्या और खेल गतिविधियों में भी उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। साथ ही, उन्होंने कहा कि लगोरी चैंपियनशिप की सफलता विद्यालय की शानदार यात्रा में एक और मील का पत्थर है।

संक्षिप्त खबरें

देवगढ़ विद्यालय में सम्मान सह विदाई समारोह का हुआ आयोजन

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र आंगों पंचायत अंतर्गत संचालित उत्क्रमित मध्य विद्यालय देवगढ़ में बुधवार को सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्रधानाध्यापक उमेश कुमार महतो एवं संचालन सहायक अध्यापक शमशेर आलम के द्वारा किया गया। इस विद्यालय का प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आठवीं बोर्ड का रिजल्ट सत प्रतिशत रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के सेवानिवृत रसोईया बीमला मिंज व मसोमात खुदनी सहित आठवीं बोर्ड पास कुल 16 विद्यार्थियों को फूल माला पहनकर एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय टॉपर राधिका कुमारी रही। मौके पर प्रधानाध्यापक उमेश कुमार महतो ने कहा कि बच्चे शिष्टाचार व अनुशासन को हमेशा ध्यान रखते हुए अपनी ऊंचाइयों पर सफलता हासिल करने के लिए निरंतर लगन और मेहनत से प्रयास करते रहें सफलता अवश्य मिलेगी। वही शमशेर आलम ने उनकी सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गॉड इन सभी विद्यार्थियों को ज्ञान और समझ से भर दे जिससे वह अपने जीवन में सफल हो सके और समाज को बेहतर बना सके। कार्यक्रम को मुख्य रूप से बारी-बारी से सहायक अध्यापक कपूर्री ठाकुर, अरविंद सिंह , सुधु गंझू, बिनेशवर प्रसाद विनायक सभी ने सफल विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और एक स्वर में कहा कि ज्ञान की ज्योति से आपका मार्ग हमेशा प्रकाशित रहे। तत्पश्चात सेवानिवृत रसोईया एवं सफल विद्यार्थियों को भवानी विदाई दी गई। एमौके पर मुख्य रूप से रसोईया शांति देवी, सुबासो देवी, जासो देवी, सरिता देवी, सानिया दैवी, आठवीं बोर्ड पास विद्यार्थी राधिका कुमारी, अंजली कुमारी, खुशबू कुमारी, लोकनाथ गंझू, रितेश कुमार, रंजीत कुमार, नागेंद्र गंझू, गुड़िया कुमारी, पूजा कुमारी, शांति कुमारी, सत्यम कुमार, सरिता कुमारी, प्रतिमा कुमारी, विकास कुमार एवं मुकेश कुमार सहित विद्यालय के दर्जनों छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

जिप सदस्य यासमीन निशा ने राज्य के थर्ड टॉपर को चेक देकर किया सम्मानित

बड़कागांव : बड़कागांव पूर्वी पंचायत के ग्राम बरवाडीह निवासी साईनाथ साव का 17 वर्षीय पुत्र किशोर कुमार ने झारखंड जैक इंटर साइंस परीक्षा 2025 में 474 अंक लाकर झारखंड राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त कर बड़कागांव का नाम रोशन किया है। इस सफलता पर बडकागांव पश्चिमी के जिला परिषद सदस्य यासमीन निशा ने किशोर कुमार सफलता पर बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की तथा उसके पिता को अंग वस्त्र देकर एवं चेक देकर सम्मानित किया। भविष्य में निरंतर हर संभव मदद करने की बात कही। जिला परिषद सदस्य यासमीन निशा ने सम्मानित करते हुए कहा की बड़कागांव शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे की ओर बढ़ रहा है,और यहां के लोग ऊंचे ऊंचे पदों पर की यासीन हो रहे हैं। इस मौके पर मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्राचार्य मोहम्मद इब्राहिम ने किशोर को अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। मौके पर प्लस टू हाई स्कूल के पूर्व अध्यक्ष संदीप कुमार सिंह शामिल थे।

27 को रथ पूजा एवं मेला का होगा आयोजन

बड़कागांव : बड़कागांव राम जानकी मंदिर में रथ यात्रा को लेकर बुधवार से तैयारी शुरू हो गई। भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को दूध दही मधु गंगाजल से स्नान ध्यान कराने तथा नए वस्त्र पहनाने तथा पूजा अर्चना के पश्चात उन्हें प्रसाद स्वरुप काजू किशमिश फल आदि पौष्टिक आहार से भोग लगाया गया। आज से 15 दिनों के लिए भगवान अज्ञातवास में चले गए हैं। मान्यता व परंपरा के अनुसार इस दौरान रोजाना चीरैता का जूस, अनार जूस अन्य फल का जूस पुजारी के द्वारा भगवान को अर्पित किया जाएगा ताकि भगवान का स्वास्थ्य बेहतर बना रहे। 26 जून को भगवान का अज्ञातवास हटेगा स्नान ध्यान कराया जाएगा और उन्हें 56 भोग लगाया जाएगा। 27 जून को रथ मेला का आयोजन होगा। बताते चलें कि बड़कागांव राम जानकी मंदिर में 1941 से प्रखंड का इकलौता रथ पूजा एवं मेला लगता आ रहा है। जहां श्रद्धालु हजारों की संख्या में शामिल होते हैं एवं पूजा अर्चना करते हैं। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से पुजारी चिंतामणि महतो, गायत्री देवी, सतीश मिश्रा ,पिंटू गुप्ता, कीर्तन महतो, बीना देवी, सुनीता देवी, प्रकाश महतो, अंतू महतो, बंधन महतो, पदुम महतो, रविंद्र लाल, हरिनाथ राम, कैलाश कुमार, आनंद कुमार अन्य कई श्रद्धालु उपस्थित थें।

बुंडू पंचायत में आधार कार्ड कैंप लगाया गया

केरेडारी : केरेडारी प्रखण्ड आज दिनांक 11 जून 2025 को प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार द्वारा केरेडारी प्रखंड अंतर्गत बूँडू पंचायत में बिरहोर टोला में जन्म प्रमाण पत्र वितरण तथा आधार कैंप लगाया गया। बिरहोर परिवार के कुल 30 सदस्यों को जन्म प्रमाण पत्र बनवाकर दिया गया, तथा आधार कैंप में कुल 06 आधार बनाया गया। साथ ही 10 बिरहोर परिवार के सदस्यों का आधार सुधार किया गया। उक्त कैंप में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रवि राजा, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी प्रशांत कुमार, स्थानीय पंचायत सचिव बृज किशोर महतो, स्थानीय मुखिया तुलसी तूरी, पंचायत समिति पश्चिमी रंजीत कुमार तुरी, पंचायत समिति पूर्वी मोहन महतो, भोला यादव, पंचायत सहायक, स्थानीय डीलर मिथिलेश कुमार, कृष्णकान्त कुमार, धर्मदेव कुमार, प्रखंड ओपरेटर मदन कुमार तथा जितेंद्र तथा एवं अन्य उपस्थित रहे।

एक नजर

चार्जिंग के दौरान इलेक्ट्रिक स्कूटी में शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

रांची: रांची के हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र स्थित तस्लीम महल गली में बुधवार सुबह एक घर में भीषण आग लग गई। आग लगने का कारण घर में चार्ज हो रही एक इलेक्ट्रिक स्कूटी में शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। आग की लपटें इतनी तेज थी कि देखते ही देखते घर का सारा सामान उसकी चपेट में आ गया। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग को बुझाया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि यहां योहन सुलेमान के घर में आग लगी। घटना में एक स्कूटी और टोटो वाहन सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है।

झारखंड के विभिन्न जिलों में 16 तक बारिश की संभावना

रांची : झारखंड के विभिन्न जिलों में 16 जून तक हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी है। विभाग के अनुसार उत्तरी छत्तीसगढ़ और आसपास के इलाकों में और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण झारखंड के विभिन्न इलाकों में बारिश होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पूर्वी सिंहभूम के चाकुलिया में 38.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान डालटेनगंज में 41.6 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री, जमशेदपुर में 35.5, डालटेनगंज में 41.4, बोकारो में 38.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

जेपीएससी मुख्य परीक्षा के मेरिट लिस्ट को हाई कोर्ट में चुनौती

रांची: ग्यारहवीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) सिविल सेवा (विज्ञापन 1/2024) की मुख्य परीक्षा के मेरिट लिस्ट को चुनौती देने वाली राजेश प्रसाद सहित अन्य की याचिका की सुनवाई हाई कोर्ट में बुधवार को हुई। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति दीपक रोशन की कोर्ट ने जेपीएससी को नोटिस जारी कर कई बिंदुओं पर उससे जवाब मांगा है। कोर्ट ने शपथ पत्र के माध्यम से जेपीएससी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी। दरअसल, प्रार्थियों की ओर से विज्ञापन या नियमों का हवाला देते हुए कहा गया कि उक्त सिविल सेवा परीक्षा में डिजिटल मूल्यांकन किया गया, जबकि इसका कोई प्रावधान नहीं है। इतना ही नहीं, थर्ड पार्टी एजेंसी के माध्यम से मूल्यांकन कराया गया, यह थर्ड पार्टी एजेंसी कौन है टेंडर कब हुआ इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी/ओपी), दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची-834003, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं, क्रमांक संख्या; निविदा सूचना संख्या; कार्य का नाम; निविदा मूल्य; बयाना राशि मूल्य: [1]; डीआरएमईएनजीजीओआरएनसी 39 2025; रांची मंडल में [illegible] का निर्माण [illegible] संख्या [illegible]-29, [illegible]-22, [illegible]-56 और [illegible]-1 को [illegible]। ₹ 34,38,41,585.98; ₹ 18,69,200.00; [2]; डीआरएमईएनजीजीओआरएनसी -40-2025; रांची मंडल में [illegible] प्रदान करके [illegible] का [illegible]। ₹ 65,02,486.35; 1,30,000.00; निविदा बंद करने की तिथि और समय: 30.06.2025 को 15.00 बजे। निविदाकार ऑनलाइन निविदा के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। (PR-257)

पूरे देश में बेहतरीन होगी झारखंड की पेसा नियमावली : के राजू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में पेसा नियमावली पर कार्यशाला का आयोजन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में बुधवार को गीतांजलि बैंक्वेट हॉल, चिरौंदी में हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू उपस्थित हुए। कार्यशाला में प्रभारी के राजू ने कहा कि पेसा कानून बनने के 30 वर्ष बाद हम इस पर चर्चा कर रहे हैं। इसलिए झारखंड का पेसा नियमावली पूरे देश में सबसे बेहतरीन नियमावली होगी। पेसा ड्राफ्ट पर सभी के सुझाव आए हैं। 20 जून तक पेसा ड्राफ्ट के विभिन्न अध्यायों के संबंध में यदि कोई सुझाव है तो लिखित रूप से दे सकते हैं। सभी सुझावों को संयोजित कर पूरी रूपरेखा तैयार की जाएगी। इसके बाद प्रदेश स्तर पर एक कमेटी बनाई जाएगी। झारखंड के गांव में जाकर आदिवासी समुदाय को इससे अवगत कराया जाएगा।

देश का मॉडल बनेगा झारखंड का पेसा कानून : कमलेश

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि झारखंड का पेसा कानून पूरे देश का मॉडल बनेगा। स्वशासन की झारखंड की परिकल्पना साकार होगी। परंपरागत अधिकार की रक्षा करते हुए पेसा कानून लागू करने पर विचार किया गया। सह प्रभारी सीरीबेला प्रसाद ने कहा कि आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा कांग्रेस की नीतियों में है। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि पेसा कानून पंचायती राज कानून का ही हिस्सा है। पेसा का तैयार ड्राफ्ट जिस दिन कानून का मूर्त रूप लेगी वह ग्राम सभा को मजबूती देगा,पेसा एक्ट की मूल भावनाएं, आदिवासियों की परंपराएं, रूढ़ियों और पहचान को बचाने के लिए मजबूती देगा।

जनजातीय समुदाय के अधिकारों की रक्षा

विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि पेसा कानून कांग्रेस की ओर से लाया गया जनजातीय समुदाय के अधिकारों की रक्षा,ग्राम सभा को सशक्त बनाने का माध्यम है। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि राज्य सरकार पेसा कानून को लागू करने के लिए गंभीर है। जनता की राय जानने के लिए,हमने जनता के समक्ष ड्राफ्ट को रखा है। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि कांग्रेस शुरू से ही मानती है कि गांव में रहने वाले लोगों को समुचित अधिकार मिले। सवाल यह है कि पेसा कानून जब झारखंड में लागू होगा तो 2066 अधिसूचित पंचायत में लोकतांत्रिक व्यवस्था बनी रहेगी या बदल जाएगी। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि भाजपा झूठ फैला रही है कि पेसा लागू होने से आदिवासियों की परंपरा को नुकसान है। मैंने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को चुनौती दी है कि पेसा कानून के मुद्दे पर बहस कर ले अगर उनके सुझाव सकारात्मक आएंगे तो हम उन्हें मानेंगे पर भाजपा पेसा पर चर्चा से दूर भागती है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि भाजपा आदिवासी विरोधी हैं। इसके राज्य में कई उदाहरण है।

झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन का सातवां महाधिवेशन 28 को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

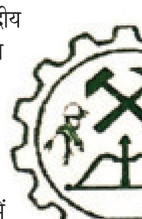

रांची : झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन केन्द्रीय समिति का छठा कार्यकाल समाप्ति के बाद आगामी 28 जून को रांची स्थित सीएमपीडीआई रविन्द्र भवन कांके में सातवां महाधिवेशन का आयोजन किया जाएगा। झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन केन्द्रीय कार्यसमिति की ओर से बुधवार को बरियातू में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक समाप्ति के बाद तत्कोल प्रभाव से आगामी कार्यकाल के सांगठनिक पुनर्गठन करने के लिए सभी शाखा, परियोजना, कोयलियरी और क्षेत्रीय समिति कार्यवाहक के रूप में कार्य किए जाने एवं संयोजक मंडली सीसीएल, बीसीसीएल, ईसीसीएल जोन के लिए संयोजक मंडली गठन किया गया। समिति के अध्यक्ष शिबू सोरेन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया कि यूनियन के आगामी केन्द्रीय महाधिवेशन की तैयारी करने के लिए मथुरा प्रसाद महतो, संजीव बेदिया, लखी सोरेन, फागू बेसरा, जय नारायण महतो, हराधन रजवार, विजय हांसदा, शैलेन्द्र मैथी को खास जिम्मेवारी दी गई। इसके साथ ही यूनियन की नियमावली में आवश्यक संशोधन करने के लिए एक संशोधन समिति गठित की गई। समिति में मथुरा प्रसाद महतो, फागू बेसरा, विनोद कुमार पांडेय और जय नारायण महतो को शामिल किया गया है।

राज्यपाल से पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के नेतृत्व में मिला प्रतिनिधिमंडल, सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल सह राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को प्रदेश के पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने भेंट की। राजभवन में हुई इस मुलाकात के दौरान शिष्टमंडल के सदस्यों ने राज्यपाल को विभिन्न विषयों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से शिष्टमंडल के सदस्यों ने राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों के अधीनस्थ अंगीभूत महाविद्यालयों में इंटरमीडिएट कक्षा में छात्र-छात्राओं के नामांकन पर पुनर्विचार का अनुरोध किया। राज्यपाल से जनजातीय समाज के शिक्षाविदों के साथ अलग से बैठक कर उच्च शिक्षा में सुधार संबंधी विषयों पर विचार-विमर्श करने के लिए आग्रह भी किया गया साथ ही राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपति पदों पर स्थानीय व्यक्तियों की नियुक्ति के लिए विचार करने का अनुरोध भी किया गया है। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने बताया कि राज्य में भूमि के अवैध हस्तांतरण की चिंताजनक रूप से बढ़ रही घटनाओं से भी राज्यपाल को अवगत कराया गया है। शिष्टमंडल की ओर से राज्यपाल को यह भी सुझाव दिया गया है कि इस विषय पर भी जनजातीय समाज के विशेषज्ञों के साथ संवाद कर आवश्यक कदम उठाए जाएं। बंधु तिर्की ने कहा कि राज्यपाल की ओर से राज्य में उच्च शिक्षा में सुधार के लिए किए जा रहे व्यापक संवाद और प्रयास सराहनीय हैं। इस अवसर पर पूर्व महापौर रमा खलखो सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण, मरीजों से जाना हाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने बुधवार को सदर अस्पताल रांची का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और उनके उपचार संबंधी अनुभवों की जानकारी ली। भजंत्री ने मौके पर मौजूद सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार और अन्य अधिकारियों को मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण सेवा देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी ने अस्पताल की डिस्पेंसरी का भी निरीक्षण कर जरूरी दवाओं की उपलब्धता की जांच की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी जरूरी दवाएं स्टॉक में रहनी चाहिए, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों के प्रति संवेदनशील और सक्रिय रहने का भी निर्देश दिया। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर बल देते हुए डीसी ने कहा कि मरीजों का विश्वास जीतना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए अस्पताल की स्वच्छता, उपकरणों की उपलब्धता, स्टाफ की उपस्थिति और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल जिले का प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है, जहां आने वाले प्रत्येक मरीज को उचित और समय पर इलाज मिलना चाहिए। इसके लिए सभी स्तरों पर सुधार और नियमित निगरानी की व्यवस्था की जाएगी। डीसी ने सभी से समन्वय बनाकर कार्य करने और सेवा भावना से मरीजों की मदद करने की भी अपील की। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जांच होने तक कुलपति की प्रशासनिक शक्तियां जब्त करे राजभवन : गौतम सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अबुआ अधिकार मंच ने राजभवन द्वारा रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) अजीत कुमार सिन्हा एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में अनुबंध शिक्षकों की नियुक्ति की प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर उच्च स्तरीय जांच के आदेश का स्वागत किया है। अबुआ अधिकार मंच का मानना है कि बीते कुछ वर्षों में विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, पारदर्शिता और एकेडमिक गरिमा को गहरा आघात पहुंचा है। दोनों विश्वविद्यालय में बीते कुछ वर्षों में मनमानी तरीके से काम करने, वित्तीय नियमों की अनदेखी करने, अनुबंध शिक्षकों की नियुक्ति में अनियमितता, ठेका प्रणाली में पारदर्शिता की कमी और विश्वविद्यालय की जमीन व संसाधनों के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। इन सभी विषयों को लेकर अबुआ अधिकार मंच ने लगातार आवाज उठाई है और विभिन्न स्तरों पर मुखर रही है। अबुआ अधिकार मंच के अध्यक्ष गौतम सिंह ने कहा कि यह निर्णय जनसरोकार और विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता के लिए बेहद जरूरी था। पिछले कई वर्षों से अबुआ अधिकार मंच ने दोनों कुलपतियों के तानाशाही रवैये, वित्तीय अनियमितताओं और मनमानी कार्यशैली को लेकर महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा जांच के आदेश दिए गए हैं, तो हमें न्याय की उम्मीद जगी है। अबुआ अधिकार मंच, महामहिम राज्यपाल महोदय से आग्रह करती हैं कि जब तक यह जांच प्रक्रिया पूरी नहीं होती, दोनों कुलपतियों की प्रशासनिक शक्तियां तत्काल प्रभाव से जब्त की जाएं।

जियो फेंसिंग से मतदान केंद्र और उसके क्षेत्रों की तय होंगी सीमाएं : के. रवि कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बुधवार को कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या 1200 के अंदर रहनी चाहिए, ताकि मतदान के समय क्यूमैनेजमेंट और वोटिंग की स्पीड बढ़ाई जा सके। मतदाताओं की सुविधा के लिए राज्य में विभिन्न मतदान केंद्रों की सीमाओं को जियो फेंसिंग के माध्यम से चिन्हित एवं ऑनलाइन किया जा रहा है। इससे बीएलओ को अपने क्षेत्र के मतदाताओं एवं उनके घरों तक पहुंचने में आसानी होगी। इस प्रक्रिया के सम्पन्न होने के बाद सभी बीएलओ के अपने-अपने क्षेत्र निर्धारित होंगे और ऑनलाइन ऐप के माध्यम से मतदाता अपने लोकेशन से ही अपने मतदान केंद्र, उसका लोकेशन एवं अपने बीएलओ को जान पाएंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बुधवार को राज्य के विभिन्न जिलों के मतदान से संबंधित अधिकारियों को मतदान केंद्रों के मैप एवं जियो फेंसिंग की ट्रेनिंग के दौरान संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 11 से 13 जून तक चलने वाले इस ट्रेनिंग सत्र में भाग ले रहे सभी प्रतिभागियों को मतदान केंद्रों के मैप एवं जियो फेंसिंग के बारे में पुडुचेरी, भारतीय जनगणना कार्यालय एवं आईटी के विशेषज्ञों के अनुभवों को संकलित कर बनाए गए प्रशिक्षण मॉड्यूल से विस्तृत रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को मतदान केंद्रों के मैप एवं जियो फेंसिंग के बारे में पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी जा रही है।धुर्वा सेक्टर के क्षेत्रों का भ्रमण कराते हुए नजरी-नक्शा तैयार करने एवं मैप के की-पॉइंट्स को अंकित करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद प्रतिभागियों के विभिन्न टीमों द्वारा इसे अलग-अलग प्रैक्टिकल के तौर पर तैयार कराया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतिभागियों का मूल्यांकन भी होगा, कम अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुनः ट्रेनिंग भी दी जाएगी। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी, विभिन्न जिलों से आए उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं संबंधित जिलों के कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल को गोष्ठी में शामिल होने का दिया आमंत्रण

रांची: हिंदी साहित्य के संवर्धन और प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से कार्यरत संस्था हिंदी साहित्य भारती, झारखंड प्रदेश के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरुण सज्जन ने किया। मुलाकात के दौरान जुलाई माह में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य गोष्ठी को लेकर राज्यपाल को आमंत्रण पत्र सौंपा और उन्हें इस साहित्यिक आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर हिंदी साहित्य भारती की ओर से राज्यपाल को साहित्यिक कृतियों की तीन चयनित पुस्तकें, पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रतिनिधिमंडल में डॉ अरुण सज्जन के साथ रांची जिला अध्यक्ष बलराम पाठक, संगठन महामंत्री अजय राय और उपाध्यक्ष संजय सर्राफ उपस्थित रहे।

मास्टरमाइंड देवब्रत नाथ शाहदेव को हाई कोर्ट से मिली अग्रिम जमानत

रांची : भारतीय जनता पार्टी के नेता अनिल टाइगर हत्याकांड के आरोपित देवब्रत नाथ शाहदेव को हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने उन्हें पचास-पचास हजार रुपये के दो निजी मुचलके पर अग्रिम जमानत की सुविधा प्रदान की है। हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की कोर्ट में देवब्रत नाथ शाहदेव की अग्रिम जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। उल्लेखनीय है कि भाजपा नेता अनिल टाइगर की हत्या इसी वर्ष मार्च महीने की 26 तारीख को गोली मारकर कर दी गयी थी। अनिल टाइगर की हत्या के बाद रांची में भाजपा ने उग्र प्रदर्शन और बंद भी करवाया था। लेकिन जांच के दौरान यह पता चला कि अनिल टाइगर की हत्या के पीछे की वजह जमीन विवाद थ। इसका मास्टरमाइंड देवब्रत नाथ शाहदेव है।

बालक बालिका मलखंभ प्रशिक्षण शिविर का समापन

रांची: समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट और जिला मलखंभ संघ की ओर से आयोजित 15 दिवसीय रांची जिला मलखंभ ग्रीष्मकालीन बालक बालिका मलखंभ प्रशिक्षण शिविर का समापन बुधवार को हुआ। धुर्वा के सेक्टर-दो स्थित बंगीय सांस्कृतिक परिषद् उच्च विद्यालय के प्रांगण में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, बीएसपी विद्यालय सचिव सजल बनर्जी, रांची जिला मलखंभ संघ के अध्यक्ष अजय झा, रांची जिला मलखंभ संघ के महासचिव आशुतोष द्विवेदी, समाजसेवी डॉ अनिल कुमार, संयुक्त रूप से सभी खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। जबकि मंच का संचालन मलखंभ के वरीय राष्ट्रीय खिलाड़ी दिव्या कुमारी ने किया। इस अवसर पर श्रीकांत महतो, शुभम सिंह, निखिल कुमार मंगरू उरांव सहित अन्य खेलप्रेमी उपस्थित थे। प्रशिक्षण शिविर में मुख्य रूप से पोल मलखंभ, रोप मलखंभ, हैंगिंग मलखंभ और पिरामिड का निर्माण खिलाड़ियों ने किया। शिविर में मुख्य प्रशिक्षक अजय झा, सहायक प्रशिक्षक विवेक कुमार, दिव्या कुमारी ने नए-नए कौशल से खिलाड़ियों को रू-ब-रू कराया। यह जानकारी रांची जिला संघ के महासचिव आशुतोष द्विवेदी ने दी।

मादक पदार्थों पर जागरूकता के लिए प्रचार वाहन रवाना

रांची: राजधानी में नशीली दवाओं और तंबाकू के सेवन के खिलाफ जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए रांची जिला प्रशासन की ओर बुधवार को विशेष अभियान की शुरूआत की गई। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार प्रसार के लिए तैयार जागरूकता रथ (माइकिंग वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौके पर डॉ प्रभात कुमार ने बताया कि जिले में चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसमें प्रत्येक प्रखंड से चार चिकित्सा पदाधिकारी और 10 स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। ये मास्टर ट्रेनर भविष्य में अपने-अपने क्षेत्र में लोगों को नशा मुक्ति और स्वास्थ्य जागरूकता का प्रशिक्षण देंगे। कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एस बास्की, डीपीएम प्रवीण कुमार सिंह, और टोबैको कंट्रोल सेल के जिला परामर्शी सुशांत कुमार समेत कई स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे। मौके पर अधिकारियों ने कहा कि नशीली दवाओं की लत विशेष रूप से युवाओं में बढ़ रही है। इससे परिवारों में संकट और समाज में अपराध बढ़ रहा है। इस अभियान का उद्देश्य न सिर्फ जागरूकता फैलाना है, बल्कि परामर्श, पुनर्वास और चिकित्सा के माध्यम से पीड़ितों को स्वस्थ जीवन की ओर वापस लाना भी है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, झारखंड में लगभग 38.9 प्रतिशत लोग तंबाकू और अन्य मादक पदार्थों का सेवन करते हैं, जो चिंताजनक है। हाल ही में जिले में 6,000 हेक्टेयर अफीम की फसल नष्ट की गई है।

इस्पात संयंत्र में रोजगार की मांग को लेकर आश्रित संघ का आंदोलन, ताला लगाने की दी चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मृत कर्मचारी आश्रित संघ की साप्ताहिक बैठक आज टू-टैंक गार्डेन में हु, जिसकी अध्यक्षता सनी देवल एवं संचालन सकील अहमद ने की। संघ के अध्यक्ष ने बैठक के दौरान सम्बोधित करते हुए कहा कि बोकारो स्टील प्लान्ट के कार्य में फर्नेस ऑपरेटर, क्रेन ऑपरेटर, कोक ओव बैटरी ऑपरेटर, लोको ऑपरेटर इत्यादि में बड़े पैमाने पर अनैतिक तरीके से कार्य कराया जा रहा है, जिसमें अधिकांशतः ऐसे कामगार है ना ही तो उनके पास कोई बीएसएल से प्राप्त एन सी वी टी सर्टिफिकेट है, ना ही सुरक्षा से संबंधित जानकारी जिससे आये दिन पिछले विगत महीनों में दुर्घटना हुई, जिसका खामियाजा श्रमिक के साथ ही प्लान्ट में कार्य बाधित होने के कारण क्षति हुई। परंतु वहीं सेल, बोकारो प्रबंधन के मृत कर्मी के आश्रितों को ट्रेड अप्रेन्टीस प्रशिक्षण अवधि 2 वर्ष एवं 3 वर्ष तक कराकर सभी प्रशिक्षु को ट्रेड के आधार पर एन सी वी टी सर्टिफिकेट परीक्षा लेकर जारी की गई। वैसे अप्रेन्टीस प्रशिक्षु को रोजगार के प्रशिक्षु में स्थानीय विस्थापित भी है। सभी सेल, बोकारो प्रबंधन के मानक के आधार पर कार्य करने में सक्षम है, जिससे औद्योगिक दुर्घटना में कमी एवं कार्यों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर इस्पात संयंत्र को नई ऊँचाई तक ले जाने की कुव्वत रखते हैं। वैसे अप्रेन्टीस प्रशिक्षु को रोजगार के लिये प्रशासनिक भवन के अधिकारियों से सिर्फ आश्वासन पर आश्वासन वार्ता के दौरान दिया जाता है। अब तक रोजगार की दिशा में ठोस पहल दिखती नजर नहीं आ रही है। आश्रित संघ मांग करती है कि अनैतिक ढंग से कार्य कराने की संदिग्ध भूमिका को स्वतः संज्ञान में लेते हुए फैक्ट्री इंस्पेक्टर, सेल, बोकारो प्रबंधन, श्रम मंत्रालय, राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार को कमिटी बनाकर जाँच करानी चाहिए। संघ के 04 सूत्री माँग के तहत सभी ट्रेड अप्रन्टीस प्रशिक्षु को उनका अधिकार एवं बोकारो इस्पात संयंत्र में रोजगार मिल सके। इसके विरोध में आगामी 20 जून, शुक्रवार को प्रशासनिक भवन में पैदल मार्च किया जाएगा। और आने वाले समय में आश्रित संघ के द्वारा अनिश्चितकाल के लिए गेटपास सेक्शन में ताला लगाने का काम किया जाएगा। इसकी क्षतिपूर्ति की जिम्मेवारी सेल, बोकारो प्रबंधन की होगी एवं आश्रितों के जान-माल की सुरक्षा सेल, बोकारो प्रबंधन पर होगी।

एक नजर

चिपुदाग निवासी खैटा कुमार को कुल्हाड़ी एवं रड से मार कर किया घायल

बोकारो : पेटरवार थाना क्षेत्र उलगड्डा पंचायत अंतर्गत चिपुदाग निवासी खैटा कमार को कुल्हाड़ी एवं रड से मार कर घायल करने का एक मामला सामने आया। बताया जाता है कि खैटा कमार दिन रविवार को अपने घर का छत ढलाई कर के पानी पटाया वहीं पानी बहकर कजरू कमार के जमीन के तरफ चला गया ।खैटा कमार जब नहाने के लिए अपना कुआं तरफ गया उसी समय कजरू कमार ,भगडु कुमार एवं लाखों देवी तीनों गाली गलौज करने लगे और जान से मारने के नियत से कजरू कमार एवं लाखों देवी ने खैटा कमार को कुल्हाड़ी और रड से मार कर घायल कर कुआं में फेंक दिया। देर होने के बाद खैटा कमार की पत्नी भुखली देवी ने कुआं के तरफ देखने गई तो कजरू कमार एवं लाखों देवी ने मारने के लिए दौड़ने लगा और साड़ी पकड़ ली तो मैं किसी तरह छुड़ाकर रोड की तरफ भाग कर चिल्लाने लगे तब ग्रामीणों के सहयोग से अपने पति को कुआं से बाहर निकाला। कुआं से बाहर निकालने के बाद पति खैटा कमार को लेकर थाना पहुंचा। जहां गंभीर अवस्था को देखते हुए पेटरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां बेहतर इलाज के लिए बोकारो सदर रेफर कर दिया गया।

भगवान जगन्नाथ का हुआ महास्नान

बोकारो: जगन्नाथ मंदिर में ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के शुभ अवसर पर महास्नान का अनुष्ठान बुधवार को हुआ। उत्कल सेवा समिति की ओर से जगन्नाथ मंदिर में विशेष तैयारी की गई थी। इसी दिन भगवान जगन्नाथ ,बहन सुभद्रा, व भैया बलभद्र के सारे विग्रहो को 108 बर्तनों में रखे सुगंधित जल व पंचामृत से शुभ मुहुर्त में सुबह 10 बजे मंदिर परिसर में पूरे विधि विधान से महास्नान कराया गया। मंदिर के पुजारी हिमांशु दास के अनुसार महास्नान के बाद भगवान जगन्नाथ बीमार हो जाएंगे व इस कारण वे एकांतवास में चले जाएंगे। महास्नान के बाद भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व भैया बलभद्र को फूल मालाओं से सजाकर हाल में भक्तों के दर्शन के लिए रखा गया। उसके बाद सुबह 10 बजे से ही श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर सके।

श्याम सुंदर जैन के निधन पर जैन मिलन ने शोक व्यक्त किया

बोकारो : जैन मिलन के पूर्व सचिव एवं दिगंबर जैन समाज के सचिव तथा अन्य कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े श्याम सुन्दर जैन का अंतिम संस्कार आज गरगा घाट पर कर दिया गया। बेहद धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक व्यक्तित्व के स्वामी श्याम जैन का निधन इलाज के क्रम में कोलकाता में हो गया था। उनके निधन का समाचार से जैन समाज में शोक की लहर दौड़ गई। अपनी लगनशीलता, कर्मठता, ईमानदारी, व्यवहार कुशलता से श्याम सुंदर जैन बोकारो के सफलतम व्यवसायियों में शुमार थे। वे नीलकमल होटल का सफल रूप से संचालन कर रहे थे। जैन मिलन के अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि श्याम सुंदर जैन का निधन समाज के लिए अपूर्णिय क्षति है। जैन मिलन के सचिव आलोक जैन ने कहा समाज में उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। सेक्टर-2 स्थित जैन मंदिर के निर्माण में श्याम सुंदर जैन का अहम योगदान रहा। श्याम जैन के पुत्र पीयूष जैन ने मुखाग्नि दी ।

पर्यावरण संतुलन और भविष्य की पीढ़ियों के लिए वृक्षारोपण आवश्यक : बिनोद चोपड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रोटरी क्लब चास द्वारा चास स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय आसनसोल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया। अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक नहीं है, बल्कि हमारे जीवन, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी अनिवार्य है। स्कूल के प्राचार्य राम मूर्ति ठाकुर ने कहा कि जितने अधिक हम पेड़ लगाएंगे उतना ही अधिक हम धरती को सुरक्षित और समृद्ध बना सकेंगे। श्री ठाकुर ने रोटरी क्लब द्वारा किए गए वृक्षारोपण कार्यक्रम की प्रशंसा की। संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि विकास के इस युग में हम शहरीकरण के लिए जंगल काट रहे हैं परन्तु भविष्य में आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए पेड़ लगाने आवश्यक है। रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि रोटरी ने अपने सामाजिक दायित्व के तहत विद्यालय में वृक्षारोपण किया। मुकेश ने बताया की फलदार पौधे लगाए गए हैं। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षकों और बच्चों ने भी पौधे लगाए। कार्यक्रम को सफल बनाने में डिंपल कौर, मंजीत सिंह, श्वेता रस्तोगी,ललिता चोपड़ा, बिनोद चोपड़ा, मुकेश अग्रवाल, संजय बैद का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक सुधीर कुमार वर्मा, मीणा कुमारी, श्वेता कुमारी भी उपस्थित थे।

गर्मी में रक्त संकट को देखते हुए रकवीर परिवार द्वारा रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास स्थित विमला कंप्लेक्स में आज बोकारो रक्तवीर परिवार की ओर से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन श्री नागेश्वर शर्मा जी के द्वारा किया गया।इस शिविर का उद्देश्य गर्मी के मौसम में ब्लड बैंक में उत्पन्न होने वाली रक्त की कमी को दूर करना था। बोकारो रक्तवीर परिवार का संस्थापक अध्यक्ष संजय शर्मा का कहना है कि गर्मी के समय लोग रक्तदान करने से कतराते हैं, जिससे ब्लड बैंक की स्थिति अत्यंत नाजुक हो जाती है। ऐसे में संस्था की ओर से यह एक छोटी-सी पहल है, ताकि जरूरतमंदों की समय पर मदद की जा सके। शिविर में कुल 19 लोगों ने रक्तदान किया। संस्थापक संजय शर्मा ने बताया कि आज बोकारो रकवीर परिवार को स्थापित हुए पाँच वर्ष हो चुके हैं, लेकिन संस्था के सदस्य पिछले 14 वर्षों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। संस्था के पास इस समय लगभग 600 सक्रिय सदस्य हैं, जबकि इनके अतिरिक्त भी सैकड़ों लोग रिश्तेदार, दोस्त और शुभचिंतक हैं जो समय-समय पर रक्तदान करते हैं। संजय शर्मा ने कहा, हमारी संस्था हर जरूरत के समय आगे खड़ी रहती है, ताकि किसी की जान बचाई जा सके। लोगों में रक्तदान को लेकर कई भ्रांतियाँ हैं, जैसे कि रक्तदान करने से शरीर कमजोर हो जाता है या शरीर में रक्त नहीं बनता। इस पर संजय शर्मा ने कहा, यह पूरी तरह मिथक है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में पाँच से छह लीटर खून होता है, जबकि रक्तदान में केवल 350 मिलीलीटर रक्त लिया जाता है। शरीर इस रक्त की पूर्ति महज 24 घंटे में कर देता है।

तोपचांची के 2 मजदूरों की छत्तीसगढ़ में ट्रेन से कटकर मौत, 2 घायल, 5 लापता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद जिले के तोपचांची के 2 प्रवासी मजदूरों की सोमवार रात छत्तीसगढ़ में ट्रेन से कटकर मौत हो गयी। 2 मजदूर बुरी तरह घायल हो गये। घटना छत्तीसगढ़ के बालोद जिला के दल्लीराजहरा दुर्ग रेल मार्ग पर कुसुमकसा रेलवे स्टेशन के समीप हुई। मृतकों में तोपचांची थाना क्षेत्र की नेरो पंचायत के लक्ष्मणपुर गांव निवासी कृष्णा राय व डीलू राय शामिल है। अजय राय व विकास हेम्ब्रम घायल हैं। उनका इलाज बालोद के अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद अन्य 5 मजदूर गायब हैं। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों ने बताया कि लक्ष्मणपुर से 10 तथा अन्य गांव के 2 युवक मजदूरी करने 10 मई को छत्तीसगढ़ गये थे। परिजनों ने कंपनी मालिक, सुपरवाइजर व ठेकेदार पर लगाया हत्या का आरोप। मृतक कृष्णा राय और डीलू राय के परिजन एवं ग्रामीण मंगलवार को तोपचांची थाना पहुंचे। परिजनों ने कंपनी के मालिक, सुपरवाइजर व ठेकेदार के खिलाफ मारपीट कर हत्या करने तथा अन्य 5 मजदूरों को गायब करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को तोपचांची थाने में शिकायत की है। पुलिस को दिये आवेदन में कहा है कि लक्ष्मणपुर से 10 मई को कृष्णा राय, डीलू राय, अजय राय, विकास हेम्ब्रम, सूरज हेम्ब्रम, सामू हेम्ब्रम, सूरज राय, बाबूलाल राय, महेंद्र राय, संतोष मरांडी तथा बोकारो जिले के सुरही गांव के मदन सिंह के पुत्र कमल सिंह तथा महुदा निवासी मोहम्मद शाकिब को ठेकेदार हर्षित सिंह मजदूरी करवाने छत्तीसगढ़ की डायनासोर नामक कंपनी ले गया था। ग्रामीणों के साथ पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव सिंह भी थाने पहुंचे थे। उन्होंने इस संबंध में सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और तोपचांची थानेदार डोमन रजक से मिलकर मामले की जानकारी दी और न्याय की गुहार लगायी।

विधायक ने किया वीणा फीलिंग्स स्टेशन का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चन्दनकियारी प्रखंड के मामरकुदर-दूबेकाटा रोड स्थित बोदुआ में इंडियन ऑयल के नए पेट्रोल पंप वीणा फीलिंग्स स्टेशन का उद्घाटन पूर्व मंत्री सह विधायक उमाकांत रजक ने फीता काटकर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि चन्दनकियारी अब नए व्यवसायिक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। नए स्थापित पेट्रोल पंप का लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा। इस ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को प्रतिदिन तेल खरीदने के लिए 10 से 12 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था। जिससे सभी को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था, वही इस पेट्रोल पम्प के खुल जाने से इलाके के सभी किसानों से लेकर वाहन चालकों तक को अब दिक्कतों का सामना नहीं करना होगा। विधायक ने कहा कि इस तरह सुदूरवर्ती इलाके में पेट्रोल पंप के खुलने से आसपास के वाहन चालकों को सुविधा होगी। उन्होंने इसके लिए पेट्रोल पंप के संस्थापक दिलीप सिंह चौधरी एवम संजीव सिंह चौधरी को शुभकामनाएं दी। संस्थापक ने कहा कि पेट्रोल पंप में उच्च गुणवत्ता के पेट्रोल, डीजल एवं अन्य पेट्रोलियम उत्पाद उपलब्ध होंगे। किसी भी ग्राहक के साथ गुणवत्ता को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मौके पर भारतीय जनता पार्टी केन्द्रीय सदस्य रमेश कुमार राही, चंदनक्यारी प्रमुख निवारण सिंह, अंबुज सिंह चौधरी इत्यादि गण्यमान लोग उपस्थित थे।

गर्ल्स चाइल्ड ट्रैफिकिंग के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बुधवार को बोकारो जिला अंतर्गत नावाडीह प्रखंड के प्लस टू हाई स्कूल गुंजरडीह में सहयोगिनी द्वारा सुरक्षित गांव कार्यक्रम के तहत गर्ल्स चाइल्ड ट्रैफिकिंग के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापक भुनेश्वर महतो ने बताया कि कोई भी आपके गांव में अनचाहे व्यक्ति आते हैं और आपको यह कहते हैं कि आपको शहर में नौकरी मिलेगा। तो तुरंत आप कॉमिक बुक में दिए हुए टोल फ्री नंबर में कॉल करें । तुरंत कार्रवाई की जाएगी । इस दौरान बाल विवाह के खिलाफ जानकारी दिया गया, कि बाल विवाह कानूनन अपराध है।18 साल से नीचे लड़की तथा 21 साल से नीचे लड़के का शादी हो रहा है ।इस स्थिति 1098 में कॉल कर सकते हैं। सहयोगिनी के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि सुरक्षित गांव कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हैं ,कि कोई भी बच्ची या बच्चा तस्करी का शिकार ना हो। अगर इस तरह का मामला आते हैं तो तुरंत टोल फ्री नंबर पर कॉल करें । जिससे आरोपी पकड़ा जा सके। स्कूल की छात्रा नीतू कुमारी, नीता कुमारी, अनमोल सिंह, लक्ष्मी कुमारी, संगीता कुमारी ने इस दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल तस्करी रोकने का मैसेज दिया। स्कूल की संयोजिका मीना देवी ने कहा कि पंचायत तथा गांव स्तर पर बाल तस्करी को लेकर के सघन रूप से जागरूकता का कार्यक्रम चलाने की जरूरत है। सहयोगिनी की कार्यक्रम समन्वयक रवि कुमार राय ने कहा कि इस तरह का जागरूकता कार्यक्रम हम सभी को मिलकर करना है। तभी हम मानव तस्करी, बाल विवाह, बाल मजदूरी को रोक सकते हैं। उन्होंने बताया कि अगर कोई बच्चा स्कूल छोड़कर कोई होटल, प्रतिष्ठान , खदान, गैरेज आदि में मजदूरी करता है तो तुरंत भारत सरकार के टोल फ्री नबर 1098 में कॉल कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में प्लस टू हाई स्कूल गुंजरडीह के शिक्षक राजकिशोर कुमार, रामेश्वर रजक, ललिता देवी, राजेंद्र प्रसाद, मिथिलेश महतो आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

झामुमो युवा नेता ने नवपदस्थापित उपायुक्त से की शिष्टाचार मुलाकात

धनबाद: झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा नेता दिनेश कुमार महतो ने धनबाद के नवपदस्थापित उपायुक्त आदित्य रंजन से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने उपायुक्त को बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। मुलाकात के दौरान दिनेश महतो ने जिले की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर चर्चा की और उनके समाधान की दिशा में ठोस पहल करने का अनुरोध किया। उन्होंने विशेष रूप से युवा, शिक्षा, रोजगार, और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं पर ध्यान आकर्षित किया। उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि प्रशासन जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता से लेते हुए समुचित कार्रवाई करे।

न्यू गोविंदपुर अंबेडकर नगर में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का 77वां जन्मदिन मनाया

धनबाद : कतरास के अंबेडकर नगर न्यू गोविंदपुर के अंबेडकर मध्य विद्यालय प्रांगण में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के 77 वा जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। जन्मदिन के मौके पर निर्दलीय प्रत्याशी सह समाजसेवी रोहित यादव सहित सैकड़ों लोगों ने केक काटकर मनाया,रोहित यादव ने कहा कि लालू प्रसाद यादव जी ने दबे कुचले गरीबो के मशीहा है, उनके द्वारा किये गये कार्य ने गरीबो को सर उठाकर जीने का हक अधिकार दिलाया। मौके पर अशोक कुमार भुईंया, पप्पू दुबे, बजरंगी कुमार, अशोक कुमार पासवान, कैलाश कुमार, उमेश धारी, मुकेश कुमार, उदय कुमार भारती, मास्टर, राजेश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

स्टेशन दक्षिण छोर में रेलवे प्रबंधन ने टोटो के लिए स्थाई रूप से पार्किंग मुहैया कराया

धनबाद : बुधवार को झारखंड ई-रिक्शा टोटो संघ के संरक्षक दिलीप सिंह प्रदेश प्रवक्ता संतोष कुशवाहा के द्वारा आज टोटो के पार्किंग के संदर्भ में धनबाद रेल्वे स्टेशन दक्षिण छोर का दौरा किया गया। जिसमें स्टेशन मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह एवम मंडल के पदाधिकारी और टोटो चालक उपस्थित रहे। प्रदेश प्रवक्ता संतोष कुशवाहा ने कहा की पार्किंग की मांग वर्षो से संघ जिला प्रशासन, रेल प्रबंधक से कर रही थी,जो स्थाई रूप से पार्किंग मुहैया कराई गई। इस मुहिम में संघ के संरक्षक दिलीप सिंह का बहुत बड़ा योगदान है। चुंकि निरन्तर रेल प्रबंधक से भेंट कर मांग कर रहे थे। स्थाई पार्किंग को लेकर संघ अपने संरक्षक को इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद, अभिनन्दन और बधाई देता है। स्थाई पार्किंग होने से रेल्वे राजस्व की उगाही होगी। अवैध पार्किंग की खात्मा हुआ। पार्किंग के देखरेख में टोटो वाहन का परिचालन होगा। जो रेल्वे प्रबंधक से निधारित शुल्क होगा वही लेगे पार्किंग संचालन करने वाले भेन्डर अगर गलत शुल्क लेते है तो संघ आन्दोलन करने के लिए विवश हो जाएगा। पार्किंग स्थल में कोई भी टोटो चालक से मारपीट या कोई असमाजिक तत्व के द्वारा कोई भी घटनाक्रम होता है तो जो पार्किंग लिए है भेन्डर उनका काम है की उसे लेकर प्रशासनिक और कानूनी कार्यवाई करे। 24 घंटा पार्किंग चला रहे भेन्डर अपना व्यक्ती को जिम्मेवारी सौपे इसे लेकर। पार्किंग स्थल का पास जो गन्दगी और कचडा फैला हुआ है उसे लेकर साफ-सफाई करवाए। पार्किंग स्थल पर सीसीटी कैमरा लगवाने का काम करे पार्किंग संचालक। साथ ही निधारित शुल्क का रसीद प्रदान करे चलने वाले गाड़ी नंबर के साथ। संघ ने यह भी स्पष्ट किया।

चलाया सघन जांच अभियान, 2 ट्रैक्टर किया जब्त

बोकारो : उपायुक्त अजय नाथ झा के निदेर्शानुसार बोकारो जिला के विभिन्न स्थानों पर सघन जांच अभियान चलाया गया। जिसमें चंद्रपुरा थाना अन्तर्गत राजबेड़ा के समीप अवैध रूप से बालू खनिज का उत्खनन कर प्रेषण करते हुए 01 ट्रैक्टर को पकड़ा गया। जिसे विधिवत जप्त कर चंद्रपुरा थाना को सुपुर्द करते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। इसी क्रम में बेरमो थानांतर्गत फुसरो बाजार के समीप अवैध रूप से स्टोन चिप्स का प्रेषण करते हुए 1 ट्रैक्टर को पकड़ा गया,जिसे बेरमो थाना को सुपुर्द किया गया। उक्त अभियान में खान निरीक्षक सीताराम टुडू एवं पुलिस बल आदि मौजूद थे।

कबीर दास जी के बताए रास्ते पर हम सभी को आगे बढ़ाना जरूरी : अमल दास

बोकारो : महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर एवं शिक्षा,स्वास्थ की दिशा में लगातार कार्य कर रही सामाजिक संस्था सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट कमेटी के प्रधान कार्यालय कुंवर सिंह कॉलोनी चास में संत कवि समाज सुधारक कबीर दास जी जन्म जयंती उनके छाया चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित संस्था के संस्थापक सह सचिव अमल दास जी एवं वंचित समाज के प्रदेश रामाशीष चौहान जी ओर के संस्था के साथी ने मिल कर मनाया गया। अमल दास जी ने सभी को बताया कि कबीर जी महान लेखक थे उन्होंने बहुत ही सारी दोहे लिखे है ताकि समाज के अंदर जो कुरीतियां को खत्म कर सके। तत्पश्चात संस्था की ओर से सात गरीब लड़कियों की शादी में सहयोग हेतु संस्था की ओर से पांच पांच हजार रूपए के चेक भी वितरण किया गया। नई दिल्ली के संस्था सर्वत्र शिक्षा समिति के द्वारा चलाए जा रहे संस्कार पाठशाला में नियुक्ति किए गए शिक्षक शिक्षिका के बीच प्रमाण पत्र भी बाटा गया। वहा उपस्थित सभी गाव वालो को बताते हुए प्रभारी ने कहा कि संस्था 2019 से चंदनकियारी के एक सुदूर गांव पोलकिरी से शुरू करते हुए आज संस्था झारखंड के लगभग सभी जिला में कार्य कर रही।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में जिले में उपलब्ध चिकित्सीय संसाधनों, सुविधाओं और स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और हर व्यक्ति तक इन सेवाओं का लाभ पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, रोग नियंत्रण, परिवार नियोजन, संस्थागत प्रसव, पूर्ण टीकाकरण, कुपोषण उपचार, मेंटल हेल्थ प्रोग्राम, नॉन कम्यूनिकेबल डिजिज, ई-हॉस्पिटल, डेंगू रोकथाम, एमडीए, नेशनल वेक्टर बोर्न डिजिज प्रोग्राम, लेप्रोसी, टीबी

उपचार सहित अन्य की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रत्येक पंचायत में दो-दो ममता वाहन टैग किए जाएं ताकि आपात स्थिति में त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि नवजात शिशु के जन्म के समय डिस्चार्ज शीट में मातृत्व योजनाओं (मातृ वंदना योजना, जेएसएसवाई, जेएसएसके) और जन्म प्रमाण पत्र का उल्लेख अनिवार्य रूप से हो। अस्पतालों में मातृ वंदना योजना का फॉर्म भी उपलब्ध रहे ताकि जरूरत पड़ने पर माताओं को दिया जा सके।डेंगू रोकथाम के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में फॉगिंग, सफाई और व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर विशेष बल दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि गठित टीमों को कार्ययोजना के अनुरूप सक्रिय रहकर कार्य करना होगा। फैमिली प्लानिंग के स्थायी और अस्थायी उपायों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि लाभुकों तक सेवाएं प्रभावी ढंग से पहुंचें और फॉलो-अप प्रणाली मजबूत की जाए ताकि जनसंख्या स्थिरीकरण कार्यक्रम सुचारू रूप से लागू हो सके। मेंटल हेल्थ, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के उपचार की समीक्षा करते हुए उपायुक?त ने कहा कि पीएचसी और सीएचसी स्तर पर सेवाओं को और बेहतर किया जाए। ई-हॉस्पिटल सिस्टम और एनक्यूएएस (नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड) के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी अस्पतालों में ई-हॉस्पिटल सिस्टम का समुचित उपयोग करने का निर्देश दिया। ताकि पारदर्शिता और सुगमता बनी रहे। बैठक में सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल, एससीएमओ डॉ जोगेश्वर प्रसाद, डीआरसीएचओ डॉ रंजीत पांडा, डॉ ए मित्रा, डॉ मृत्युंजय धावड़िया सहित जिले के एमओआईसी सहित अन्य पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे।

एक नजर

पशुओं की तस्करी कर ले जा रहा ट्रक जब्त, दो हिरासत में

कोडरमा : कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह को सूचना मिली कि कोडरमा थाना क्षेत्र के रास्ते अवैध रूप से एक ट्रक में पशुओं की तस्करी कर भेजा जा रहा है। इसके सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार को दी गई। एसपी के निर्देश पर मंगलवार की रात थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना अन्तर्गत बाघीटाड चेकनाका के पास एक ट्रक में लदे छह गायों जब्त किया गया और दो आरोपितों सुरेश यादव, ग्राम कंदाजोर जमुमा गिरिडीह और चालक सुरेंद्र शार्म ग्राम पंडेडीह को गिरफ्तार किया गया। ट्रक सख्या (जेएच-02एके-55 89) में बिहार के छपरा से पशु लाद कर कोडरमा सलेडीह की तरफ जा रहे थे। इस संबंध में थाने मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। दोनों को बुधवार को जेल भेज दिया गया है।

क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट शुरू, तकनीकी रूप से दक्ष बनेंगे जवान

पलामू : जिले में 11 से 13 जून तक आयोजित तीन दिवसीय क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारंभ बुधवार को पलामू एसपी कार्यालय के सभा कक्ष में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पलामू प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक नौशाद आलम और पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम में रांची से विभिन्न विशेषज्ञ अधिकारी विशेष रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर डीआईजी ने एफएसएल टीम का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह की तकनीकी प्रशिक्षण गतिविधियां पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनाती हैं। ड्यूटी मीट में पुलिसकर्मियों को फॉरेंसिक, क्राइम इन्वेस्टिगेशन, साइबर विश्लेषण, फिंगरप्रिंट, फोटोग्राफी और डॉग स्क्वॉड संचालन जैसे विषयों पर वास्तविक केस आधारित प्रशिक्षण और प्रतियोगिताएं दी जा रही हैं।

आबकारी सिपाही भर्ती में 12 मौतों पर एनएचआरसी ने लिया संज्ञान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर में आबकारी सिपाही भर्ती के दौरान हुई 12 मौतों के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने संज्ञान लिया है। जमशेदपुर के पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता दीपक कुमार की शिकायत पर एनएचआरसी ने झारखंड सरकार के गृह विभाग के विशेष सचिव को चार सप्ताह के अंदर जवाब देने का निर्देश बुधवार को दिया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 के अगस्त और सितंबर माह में झारखंड के सात केंद्रों पर आयोजित आबकारी सिपाही भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान छह केंद्रों पर 12 प्रतिभागियों की मौत हो गई थी, जबकि करीब 400 प्रतिभागियों की हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सूत्रों के मुताबिक, करीब एक लाख 27

हजार 572 प्रतिभागियों ने इस दौड़ में हिस्सा लिया था। इस घटना को गंभीर मानते हुए दीपक कुमार ने एनएचआरसी को शिकायत भेजी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कोरोना के बाद पहली बार हुई पुलिस भर्ती की दौड़ में इतनी बड़ी संख्या में मौतें राज्य के युवाओं के सपनों पर कुठाराघात है। उन्होंने सवाल उठाया कि 10 किलोमीटर की दौड़ जैसे कड़े मापदंड को चयन का आधार बनाना मौत का कारण बना, जबकि दौड़ से पहले प्रतिभागियों का हार्ट और प्रेशर सहित का परीक्षण किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद सरकार ने शारीरिक परीक्षा के पैटर्न पर तुरंत पुनर्विचार क्यों नहीं किया। एनएचआरसी के सहायक रजिस्ट्रार (विधि) अतुल कुमार के हस्ताक्षर से जारी पत्र में कहा गया है कि झारखंड सरकार को इस मामले में चार जुलाई तक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। एनएचआरस ने पूछा है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सरकार ने क्या योजना बनाई है। दीपक कुमार ने कहा कि युवाओं को नौकरी के लिए अपनी जान गंवानी पड़े, इससे शर्मनाक कोई घटना नहीं हो सकती।

आम तोड़ने के दौरान हाई वोल्टेज तार की चपेट में आया युवक, मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : कुडू थाना क्षेत्र के कुडू बटम टोली निवासी असलम अंसारी के पुत्र प्रवेज अंसारी की मौत करंट लगने से बुधवार को हो गई। बताया जाता है कि बटम टोली निवासी असलम अंसारी का पुत्र प्रवेज अंसारी मजदूरी करने का काम करता था। काम नहीं मिलने के बाद कुडू - लोहरदगा मुख्य पथ पर थाना क्षेत्र के जीमा पेट्रोल पंप के समीप आम पेड पर आम तोड़ने गया था। आम तोड़ने के दौरान आम पेड़ की एक डाली पेड़ के बगल से गुजरे 11 हजार वोल्ट तार के संपर्क में आ गया इससे परवेज को तेज झटका लगा तथा डाली से हाथ छुटकर वह बिजली तार के संपर्क में आ गया। करंट का झटका इतना तेज था कि परवेज बिजली तार के संपर्क में आते ही तेज आवाज के साथ पेड़ से नीचे सड़क पर गिर गया। सड़क पर गिरकर

गंभीर रूप से घायल हो गया तत्काल ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिए कुडू सीएचसी पहुंचाया गया, जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की सूचना के बाद भारी संख्या में लोग सीएचसी पहुंचे। मौके पर परिजन भी पहुंचे। परिजनों के चित्कार से माहौल गमगीन हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मुआवजा की मांग की है। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रखंड परिसर में चला सफाई अभियान

पटमदा : बुधवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पटमदा प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में ग्राम प्रधान संघ के द्वारा सफाई अभियान चलाया गया। बात दे कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी ग्राम प्रधानो ने परिसर को स्वच्छ करने का संकल्प लिया था। अभियान में पटमदा अंचलाधिकारी डॉ राजेंद्र कुमार दास, ग्राम संघ अध्यक्ष बृंदावन दास, सचिव मृत्युंजय महतो, फूलचंद महतो, सभी चौकीदार सहित 84 गांवों के ग्राम प्रधान उपस्थित थे। जानकारी देते हुए अंचलाधिकारी डॉ राजेंद्र कुमार दास ने बताया कि सफाई अभियान चलाया गया। ताकि सभी पंचायत और गांव के लोग इस अभियान से प्रभावित होकर अपने आस पास के क्षेत्र की सफाई रखे। जिससे गंदगी से होने वाले संक्रमण से बचाव हो सके।

फॉर्म में बन रहे कृषि खाद के दुर्गंध से ग्रामीण परेशान

पटमदा : पटमदा प्रखंड के माचा गांव में संचालित फॉर्म में वर्तमान में कृषि खाद का निर्माण संचालक द्वारा किया जा रहा हैं। संचालक ने उस फॉर्म में पुआल मशरूम उत्पादन करने का प्रोजेक्ट शुरू करने की जानकारी दी।

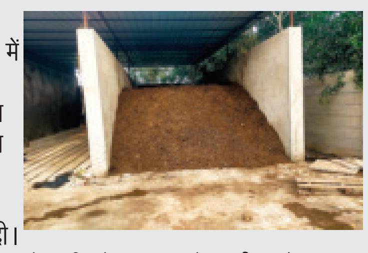

इस फॉर्म में बन रहे कृषि खाद के दुर्गंध से आसपास के ग्रामीण ओर राहगीरों ने परेशानी होने की शिकायत जाहिर करते हुए विरोध जताते हुए पटमदा थाना में ग्रामीणों ने मौखिक शिकायत की। इस संबंध में उप मुखिया गोपाल गोराई ने बताया कि मामला ग्रामीणों के द्वारा मुझे सूचना मिली है। फॉर्म का निरीक्षण किया गया जहां से एक अजीब दुर्गंध मिली। ग्रामीणों के साथ गुरुवार को बीडीओ को भी इस मामले से अवगत करवाया जाएगा। वही फॉर्म के संचालक का कहना हैं कि इस कृषि खाद के निर्माण कार्य महीने में दो दिन होता है। जिस दिन खाद निर्माण के लिए अपशिष्ट का मिश्रण किया जाता हैं। उस दिन एक दुर्गंध कुछ देर के लिए उत्पन्न होती हैं। जिसको नियंत्रित करने के लिए इस विभाग के वरीय जानकारों से सलाह लेकर नियंत्रित करने का प्रयास किया जाएगा। ताकि खाद से निकलने वाले दुर्गंध से किसी भी ग्रामीण को कोई समस्या न हो। वही ग्रामीणों से भी इस दुर्गंध से निजात के लिए समाधान करने की सलाह ली जाएगी। ताकि कैसे बेहतर ढंग से इस फॉर्म का संचालन किया जा सके।

बोकारो जिला राजद कार्यालय में मना लालू प्रसाद यादव का जन्म दिवस

बोकारो : भारत के महान समाजवादी नेता गरीबों दलितों असलियत तो तथा सभी वर्ग व समाज के गरीबों का नेता राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परम आदरणीय लालू प्रसाद यादव जी का 78वां जन्मदिन आज बोकारो जिला राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय सेक्टर 9 में जिला अध्यक्ष बुद्ध नारायण यादव के नेतृत्व में मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव घनश्याम चौधरी एवं जिला अध्यक्ष बुद्ध नारायण यादव ने संयुक्त रूप से कहा कि भारतीय राजनीति के इतिहास में देश के इतने बड़े नेता तथा करोड़ों दलितों अकलियतो के हक के लिए जीवन भर लड़ने वाले आदरणीय लालू यादव को बीमारी की अवस्था में भी इस तरह से भाजपा द्वारा सताया और परेशान किया जा रहा है वह इजरायल द्वारा गरीब फिलिस्तीनों पर ढाए जा रहे जुलुम से कम नहीं लेकिन भाजपा को यह पता नहीं है कि लालू यादव एक इंसान नहीं बल्कि एक विचारधारा बन गए हैं ।

एलआरडीसी और अंचल कार्यालय पहुंची एसी, नहीं मिले बिचौलिए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ एलआरडीसी और अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि ने बुधवार को किया। डीसी फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर उन्होंने दोनों कार्यालयों में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों से बात की। डीसी को यह सूचना मिली थी कि इन दोनों कार्यालयों में बिचौलियों के जरिये कार्य किया जा रहा है। इससे आम लोगों को परेशानी हो रही है। बुधवार को अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि ने बताया कि पहले अनुमंडल परिसर में स्थित एलआरडीसी दीप्ति प्रियंका कुजूर के कार्यालय में पहुंची । हालांकि जिस समय वह पहुंची उस वक्त एलआरडीसी अपने कार्यालय नहीं पहुंची थी। उनकी अनुपस्थिति में ही उपसमाहर्ता ने कार्यालय के कर्मचारियों से पूरी रिपोर्ट ली। इस दौरान ना तो वहां कोई बिचौलिया मिला और ना ही कोई ऐसी स्थिति बनती हुई दिखाई दी। जांच के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि मामलों और फाइल के निष्पादन में भी ज्यादा विलंब नहीं हुआ है, जिससे बिचौलिए वाली बात पर विश्वास किया जा सके। इस दौरान अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि अंचल अधिकारी रामगढ़ सुदीप एक्का के कार्यालय में भी पहुंची। वहां सीईओ की मौजूदगी में उन्होंने कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान समय पर मामलों का निष्पादन करने का भी निर्देश दिया। इस दौरान वहां भी ना तो कोई बिचौलिया मिला और ना ही आम नागरिकों के अलावा कोई मौजूद था। एलआरडीसी दीप्ति प्रियंका कुजूर ने बताया कि उनके कार्यालय में बिचौलियों से काम नहीं लिया जाता है। इतने दिनों के कार्यकाल में उन्होंने सिर्फ आम नागरिकों का ही काम किया है। वाद का निष्पादन कि शीघ्र ही कर दिया जाता है। कार्यालय में बिचोलिए से काम कराने का अफवाह कैसे फैला, इसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि ने बताया कि दोनों कार्यालय का जांच किया गया है। इससे संबंधित प्रतिवेदन भी डीसी को सौंपा जाएगा। डीसी के की ओर से उन्हें जिन बिंदुओं पर जांच करने का निर्देश दिया गया था उन्होंने गंभीरता पूर्वक उसकी छानबीन की है।

हरिनाम संकीर्तन जागरण में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली बजार हाटबगान स्थित हरिमंदिर में आयोजित नौ दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन बुधवार को पूणार्हुति एवं राखाल भोग के साथ समापन हुआ। अंतिम दिन मंगलवार को हरिनाम संकीर्तन के जागरण में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सुदेश कुमार महतो एवं विधायक अमित कुमार महतो भी हरिमंदिर में आकर माथा टेका एवं प्रसाद ग्रहण कर क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की। पिछले सोमवार से शुरू इस कीर्तन में बंगाल के महिला किर्तन मंडली, सोड़ों, पुतीडीह, तोड़ांग आदि क्षेत्र के प्रसिद्ध कीर्तन मंडली द्वारा कीर्तन की प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध किया। वहीं पुरा वातावरण भक्ति में रहा। इस दौरान स्थानीय सिमेंट ट्रेंड्स एवं आयोजन समिति की ओर से श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। हरिनाम संकीर्तन के सफल आयोजन में समिति के संरक्षक राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव कांचन सोनार, संजीत सिंह देव, संदीप सिंह देव, रुद्राक्ष सिंह देव, मृणाल शेखर, सुधीर पोद्दार, कृष्णा गोस्वामी, रवि स्वर्णकार जितेन रक्षित, आयुष, अशमित, गौतम, नितिन समेत सभी सदस्यों एवं स्थानीय ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा।

सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान खुला, खिलाड़ियों में खुशी की लहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिम सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम (चाईबासा) सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान को लेकर जारी गतिरोध बुधवार को समाप्त हो गया, जब प्रशासन ने मैदान पर लगी सील को हटा लिया। मैदान खुलते ही वहां अभ्यास के लिए पहुंचे खिलाड़ियों में खुशी की लहर दौड़ गई और सभी ने राहत की सांस ली। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देश पर नेशनल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कोड ऑफ इंडिया 2011 के तहत मैदान की सभी मान्यताओं को तत्काल प्रभाव से समाप्त करते हुए उसे सील कर दिया था। यह कार्रवाई अनुमंडल पदाधिकारी संदीप अनुराग टोप्पो,

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टूटी, अंचल अधिकारी उपेंद्र कुमार एवं खेल पदाधिकारी हर्ष कुमार की मौजूदगी में की गई थी। बुधवार को जब खिलाड़ी रोज की तरह अभ्यास के लिए मैदान पहुंचे तो मैदान के गेट पर ताला और सील देख कर आक्रोशित हो उठे। खिलाड़ियों का कहना था कि पूरे शहर में उनके अभ्यास के लिए और कोई वैकल्पिक मैदान नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को एसोसिएशन कार्यालय को सील करना चाहिए था, न कि पूरे मैदान को। कई खिलाड़ियों ने चिंता जताई कि आगामी होमगार्ड बहाली की तैयारी भी वे इसी मैदान में कर रहे थे। यह मामला जैसे ही चर्चा में आया, सूत्रों के अनुसार इसकी जानकारी सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महासचिव एवं पूर्व विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर को दी गई। उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया। उन्होंने खिलाड़ियों की भावनाओं को समझते हुए तत्काल उपायुक्त से बात की और मैदान को खोलने का निर्देश दिया।

मैदान खोलने पर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री और उपायुक्त का जताया आभार

पश्चिम सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम (चाईबासा) जिला में खिलाड़ियों के हित में सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान को पुनः खोलने के फैसले पर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उपायुक्त चंदन कुमार का आभार जताया है। बुधवार को कांग्रेस जिला प्रवक्ता त्रिशानु राय ने बयान जारी कर कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्पित है। मंगलवार शाम को जिला प्रशासन ने मैदान को बंद कर दिया था। इससे खिलाड़ी बुधवार की सुबह अभ्यास करने पहुंचे तो बंद मैदान को देखकर हताश होकर लौट गए थे। लेकिन राज्य सरकार को मामले की जानकारी होते ही त्वरित संज्ञान लेकर जिला प्रशासन ने मैदान को पुनः खोलने का निर्देश दिया।

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
उद्यान निदेशालय, झारखण्ड कार्यालय जिला उद्यान पदाधिकारी, राँची

" प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग " योजना के लाभ हेतु
आम – सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (उद्यान प्रभाग) के स्वीकृत्यादेश संख्या– 17, दिनांक– 28.05.2025 द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में **राज्य उद्यान विकास** योजनान्तर्गत उपयोजना " **प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग** " के तहत शहरी इलाको एवं उससे सटे हुए आस–पास के निजी व्यक्तियों का Terrace Gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्तायुक्त विभिन्न प्रकार के सब्जियों, फूलों एवं फलों के उत्पादन किये जाने हेतु प्रमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग की योजना स्वीकृत है।

उपरोक्त योजनान्तर्गत Terrace Gardening के लिए इच्छुक लाभुकों के बीच उन्नत सब्जी, फल एवं फूलों के उत्पादन हेतु पौध सामग्री की आवश्यकता एवं मॉंग के अनुसार उपलब्ध कराया जायेगा। सिचॉंई की व्यवस्था लाभुक के द्वारा स्वयं किया जायेगा।

- इस योजना का कार्यान्वयन सरकारी परिसर में शतप्रतिशत अनुदान पर एवं निजी व्यक्तियों का Terrace Gardening एवं आवासीय परिसर में खाली पड़े भू–खण्डों पर 75 प्रतिशत अनुदान पर किया जायेगा।
- पूर्व के 03 वित्तीय वर्षो यथा– 2022–23, 2023–24 एवं 2024–25 की योजना का लाभ जिन्हें दिया गया है, उन्हें वर्तमान वित्तीय वर्ष में इस योजना का लाभ देय नहीं होगा।
- आवेदन जमा दिनांक **05.07.2025** तक कार्यालय अवधि में कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, राँची, संयुक्त कृषि कार्यालय भवन, कृषि भवन परिसर , कॉंके रोड, राँची में किया जा सकेगा।
- निजी व्यक्तियों को आवेदन के साथ आधार कार्ड, पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ, जमीन का मालगुजारी रसीद की छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है।
- लाभुक चयन में "पहले आओ पहले पाओ" को प्राथमिकता दी जायेगी।

विशेष जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

ह0/–
जिला उद्यान पदाधिकारी,
राँची

PR 354665 (Agriculture)25-26*D

झारखण्ड सरकार
कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा

अल्पकालीन तालाब बन्दोबस्ती वित्तीय वर्ष 2025–26 सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि को जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा के कार्यालय कक्ष में दिनांक– 26.06.2025 को पूर्वाह्न 11:30 बजे में कोलेबिरा/ठेठईटांगर/केरसई/बानो अंचल स्थित राजस्व जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती खुला डाक द्वारा किए जाने की सूचना दी जाती है। जिन राजस्व जलकरों की बन्दोबस्ती दिनांक– 26.06.2025 को नहीं हो पाएगी उन तालाबों की बंदोबस्ती दिनांक– 03.07.2025 को की जाएगी। बंदोबस्ती अवधि वित्तीय वर्ष 2025–26 से 2027–28 (1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2028) तक के लिए है।

1. डाक में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को डाक बोली के पूर्व सुरक्षित जमा राशि का 20 प्रतिशत, प्रतिभूति राशि के रूप में जमा करना होगा। डाक समाप्त होने पर उच्चतम डाक वक्ता को छोड़कर बाकी प्रतिभागियों की प्रतिभूति राशि वापस कर दी जाएगी एवं उच्चतम डाक वक्ता की प्रतिभूति राशि उच्चतम डाक की राशि में समायोजित की जाएगी तथा डाक वक्ता द्वारा प्रत्येक वर्श उक्त डाक राशि तीन वर्शों तक कार्यालय में भुगतान की जाएगी। डाक में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपना पहचान पत्र लाना अनिवार्य है।
2. डाक की स्वीकृति के पश्चात् उच्चतम डाक वक्ता को संबंधित एकरानामा करना अनिवार्य है एवं अद्योहस्ताक्षरी से परवाना प्राप्त किये बिना उक्त जलकर में उच्चतम डाक वक्ता कोई कार्य नही करेंगे। बंदोबस्त तालाब का निबंधन, निबंधन कार्यालय द्वारा निर्धारित राशि का स्टॉम्प शुल्क देकर निबंधन कराना अनिवार्य है। निबंधन के पश्चात् ही कार्यालय से परवाना निर्गत किया जाएगा।
3. अद्योहस्ताक्षरी को किसी भी समय किसी भी बोली को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

जलकरों की सूची:–

क्र0 सं0	जलकरों का नाम	ग्राम	पंचायत	प्रखण्ड	खाता सं0	प्लॉट सं0	रकबा सं0	जलक्षेत्र	सुरक्षित जमा राशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	15	16
1	मुण्डलटोली तालाब	मुण्डलटोली	बाघचट्टा	ठेठईटांगर	-	406	0.50	0.40	3000.00	
2	कोरोंजो तालाब	कारोंजो	दुमकी	ठेठईटांगर	-	1550	0.36	0.30	8000.00	
3	कोनबेगी तालाब	कोनबेगी	बाघचट्टा	ठेठईटांगर	43	1100	1.63	1.30	4000.00	
4	गोरारजोर तालाब	गेरारजोर	गेरारजोर	केरसई	132	601	0.20	0.18	3000.00	
5	गुडगुड तालाब	नवाटोली	नवाटोली	कोलेबिरा	129, 130	510, 511	0.76	0.50	2500.00	
6	कनजोगा तालाब	कनजोगा	कनजोगा	कोलेबिरा	200, 201	467, 468, 488, 489	1.00	0.70	5000.00	
7	शाहपुर कोन्डेकेरा तालाब	शाहपुर	शाहपुर	कोलेबिरा	246	2218	1.10	0.80	1500.00	
8	कुम्बाकेरा तालाब	कुम्बाकेरा	लचड़ागढ़	कोलेबिरा	1	2033	1.10	0.75	4000.00	
9	कोनसोदे तालाब 2	कोनसोदे	कोनसोदे	बानो	132	2295	0.51	0.40	4000.00	
10	हुरदा तालाब	हुरदा	हुरदा	बानो	80	645	0.82	0.60	2500.00	

जिला मत्स्य पदाधिकारी
सिमडेगा

PR 354750 Simdega(25-26)#D

नौपता के बाद झुलसता जीवन

मान्यता है कि भारत में नौपता के दिनों में सबसे अधिक गर्मी पड़ती है। यह बात अलग है कि इस बार नौतपा के नौ दिनों ने अधिक नहीं सताया। नौतपा खत्म होने के बाद पड़ रही गर्मी ने हाल-बेहाल कर दिया है। नौतपा पर कहावत है,"तपै नवतपा नव दिन जोय, तौ पुन बरखा पूरन होय"। इसका अर्थ है कि यदि नौतपा के नौ दिन खूब तपते हैं, तो बारिश अच्छी होगी। यह एक अवधि है मानी जाती है। अब तक का यह शाश्वत सत्य है कि जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है तो गर्मी अपने चरम पर होती है। यह कहावत नौतपा के गर्मी के प्रभाव और उसके मानसून पर पड़ने वाले प्रभाव के बीच सीधे संबंध को रेखांकित करती है। देश का किसान इस कहावत पर विश्वास करता है। उसका दृढ़ विश्वास होता है कि नौतपा के दौरान अगर अच्छी गर्मी हो तो मानसून के दौरान अच्छी बारिश होगी। नौतपा पर एक अन्य मारवाड़ी कहावत है, "दोए मूसा, दोए कातरा, दोए तिड्डी, दोए ताव। दोयां रा बादी जल हरै, दोए बिसर, दोए बाव।" अर्थात पहले दो दिन लू न चले तो चूहे अधिक होंगे । दूसरे दो दिन हवा न चले तो कातरे (फसलों को नष्ट करने वाले कीट) बहुत होंगे। तीसरे दो दिन हवा न चले तो टिड्डी दल के आने की आशंका रहती है। चौथे दिन हवा न चलने पर बुखार आदि रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है। पांचवें दो दिन हवा न चलने पर अल्प वर्षा होती है। छठे दो दिन लू न चले तो जहरीले जीव-जन्तुओं (सांप-बिच्छू आदि) की बहुतायत हो जाती है। सातवें दो दिन हवा न चले तो आंधी चलने की आशंका रहती। सरल अर्थ में सार यह है कि अधिक गर्मी पड़ने से चूहों, कीटों व अन्य जहरीले जीव-जन्तुओं के अंडे समाप्त हो जाते हैं, क्योंकि यह उनका प्रजनन काल होता है। इस समय लगभग सारा देश गर्मी से झुलस रहा है। कुछ राज्य बरसात होने से राहत महसूस कर रहे हैं। झुलसाती गर्मी रात को भी पीछा नहीं छोड़ रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के आज सुबह के पूवार्नुमान ने तो डरा ही दिया है। इसमें साफ कहा गया है कि अगले चार दिन तक उत्तर-पश्चिम भारत में बढ़ते अधिकतम तापमान से कोई राहत मिलने के आसार नहीं हैं। हालांकि उसके बाद धीरे-धीरे दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने से गर्मी से राहत मिल सकती है। इसके अलावा अगले दो से तीन दिन के दौरान मध्य और पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। इस समय देश की राजधानी दिल्ली भी भीषण गर्मी से कराह रही है। 10 जून को तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। आज अधिकतम तापमान के 44 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का पूवार्नुमान लगाया है। नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद जैसे पड़ोसी शहर भी गर्मी के प्रकोप से अछूते नहीं हैं। कल यानी 10 जून को तो पंजाब के भटिंडा में अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसके उलट महाराष्ट्र के नांदेड़ में न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 16 जून तक पश्चिमी राजस्थान के कई इलाकों में गर्म हवाएं चलने का पूवार्नुमान जारी किया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश भी तप रहा है। पंजाब, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश को 12 जून को भी झुलसाने वाली हवा से छुटकारा मिलने के आसार नहीं हैं। पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, पंजाब और हरियाणा में सूरज आग उगल रहा है। वैज्ञानिकों को मौसम में बदलाव 16 जून से शुरू होने की उम्मीद है। मगर कुछ जगह इससे पहले ही कुछ राहत मिल सकती है। मसलन उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में 12 जून से ही गरज के साथ बादल जमकर बरस सकते हैं। हालांकि देश के अलग-अलग हिस्सों में जारी चक्रवाती प्रसार व हवाओं के ट्रफ से आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश होने की आशंका जताई गई है। इन सभी राज्यों में 64.5 से 115.5 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है। असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ भारी बारिश के बीच आसमानी बिजली गिरने के आसार हैं।

सूडोकु नवताल- 7458

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7457 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

झारखंड के गांवों में बाल श्रम की भेंट चढ़ता बचपन

मिथलेश दास

झारखंड, जहाँ एक ओर खनिज और हरियाली की समृद्ध विरासत है, वहीं दूसरी ओर यह राज्य सामाजिक अन्याय और बाल अधिकारों के उल्लंघन का मूक साक्षी भी बनता जा रहा है। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस (12 जून) हर वर्ष हमें यह स्मरण कराता है कि बच्चों के हाथों में किताबें और खिलौने होने चाहिए, न कि औजार और ईंटें। किंतु झारखंड के सुदूर गाँवों में आज भी हजारों बच्चे अपने नन्हे कंधों पर गरीबी, शोषण और सामाजिक चुप्पी का बोझ ढो रहे हैं। ग्रामीण झारखंड में बाल श्रम की समस्या केवल आर्थिक नहीं है; यह सामाजिक असंवेदनशीलता, शिक्षा की उपेक्षा और प्रशासनिक उदासीनता का एक दुखद समुच्चय है। जिस उम्र में बच्चे स्कूल की घंटी सुनकर दौड़ लगाते हैं, उस उम्र में झारखंड का बच्चा सूरज निकलने से पहले जंगल से लकड़ी लाने या खेत जोतने निकल पड़ता है।

झारखंड के गाँवों में बाल श्रम की सबसे बड़ी जड़ गंभीर आर्थिक असुरक्षा है। अधिकांश ग्रामीण परिवारों की मासिक आय इतनी कम होती है कि जीवनयापन के लिए हर सदस्य को श्रमिक बनना पड़ता है- यहाँ तक कि बच्चे भी। मजदूरी, कृषि कार्य, पशुपालन या जंगल से लकड़ी और कोयला इकट्ठा करने जैसे कामों में बच्चे शामिल किए जाते हैं। कई बार माता-पिता स्वयं अपने बच्चों को मजदूरी के लिए भेजते हैं, क्योंकि उनके लिए यह जीवन और मृत्यु के बीच का संतुलन बन जाता है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम बच्चों को 6 से 14 वर्ष की उम्र तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार देता है, लेकिन झारखंड के ग्रामीण अंचलों में यह कानून मात्र कागजों तक सीमित रह गया है। स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी, अधूरी आधारभूत सुविधाएँ, विद्यालय की दूरी, और मिड-डे मील योजना का लचर क्रियान्वयन- ये सब बच्चों को स्कूल से दूर धकेलते हैं। ऐसे में जब शिक्षा न सुलभ हो, न आकर्षक, तो बालक श्रम को विकल्प नहीं, नियति मान लेते हैं। दूसरी ओर, झारखंड के कई क्षेत्रों में बाल श्रम को एक सामान्य सामाजिक प्रक्रिया माना जाता है। 'बचपन में काम सीखना जरूरी है' जैसी रूढ़ धारणाएँ अब भी गहराई से समाज में व्याप्त हैं। खेतों में हल चलाते, जंगल से लकड़ी लाते, या भट्टियों में काम करते बच्चों को देखना गाँव वालों के लिए असामान्य नहीं है। यह सामाजिक स्वीकृति ही सबसे बड़ा संकट है, क्योंकि जब अन्याय सामान्य लगता है, तब संघर्ष का रास्ता बंद हो जाता है। झारखंड की खनिज संपदा- कोयला, लोहा, बॉक्साइट- जितनी समृद्ध है, उतनी ही विनाशकारी भी हो गई है, विशेष रूप से बच्चों के लिए। खदानों के आसपास बसे गाँवों में बाल श्रम एक आम दृश्य है। कोयला खदानों, पत्थर तोड़ने वाले क्षेत्रों और ईंट भट्ठों में खुलेआम बच्चों से कठिन परिश्रम करवाया जाता है। वहाँ उन्हें विषैली गैसों, धूलभरे वातावरण और शारीरिक-मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। कई सरकारी व गैर-सरकारी सर्वेक्षण इस भयावह यथार्थ की पुष्टि करते हैं। झारखंड के गाँवों में बाल श्रम के विरुद्ध कोई संगठित प्रतिरोध दिखाई नहीं देता। पंचायतें, सामाजिक संगठन और नागरिक मंच इस विषय पर गंभीरता से चर्चा नहीं करते। ग्राम सभाओं में शायद ही कभी बाल अधिकारों, ड्रॉपआउट बच्चों, या शिक्षा की गुणवत्ता पर कोई विमर्श होता हो। जब तक गांव स्वयं यह नहीं स्वीकार करेगा कि बाल श्रम व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध है, तब तक कोई ठोस परिवर्तन संभव नहीं। ग्रामीण क्षेत्रों में जन-संवाद का अभाव एक बड़ा संकट बन चुका है। न तो बच्चों को उनके अधिकारों की जानकारी है, न ही उनके माता-पिता को। स्थानीय भाषाओं में बाल अधिकारों पर सामग्री या बाल सुरक्षा कानूनों की समझ भी अत्यंत सीमित है। झारखंड के पंचायत प्रतिनिधियों को बाल श्रम के विरुद्ध स्पष्ट और प्रभावी भूमिका निभानी होगी। ग्राम सभाओं में बाल श्रम उन्मूलन पर प्रस्ताव पारित करना, ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान, और अभिभावकों से संवाद जैसे कदम अनिवार्य हैं। सरकार द्वारा गठित 'बाल संरक्षण समितियाँ' अधिकांश गाँवों में निष्क्रिय हैं। इन्हें पुनः सक्रिय करना पंचायतों की ज़िम्मेदारी है। विद्यालय केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि बाल अधिकारों के प्रहरी बनने चाहिए। यदि शिक्षक सजग हों तो वे बाल श्रमिक बच्चों की पहचान कर उन्हें फिर से स्कूल से जोड़ सकते हैं। 'स्कूल चलो अभियान', 'बालसभा', और मिड-डे मील योजना जैसी पहलों को पुनः प्रभावी बनाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण, संसाधनों की उपलब्धता, और नियमित प्रशासनिक निगरानी आवश्यक है। साथ ही, गाँव के बुजुर्गों, महिला मंडलों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। जब समाज का नेतृत्व सामूहिक चेतना से उठता है, तो सरकारें भी सक्रिय होती हैं।

झारखंड के गाँवों में बाल श्रम की जड़ें जितनी गहरी हैं, उसका समाधान भी उतना ही समग्र और सामूहिक प्रयासों से संभव है। सबसे पहले आवश्यकता है स्थानीय स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाने की, जिससे समाज को यह समझाया जा सके कि बाल श्रम बच्चों के भविष्य के साथ-साथ पूरे समुदाय के विकास में भी बाधक है। नुक्कड़ नाटक, बाल पंचायतों और गाँव-स्तरीय कार्यशालाओं के माध्यम से यह संदेश प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुँचाया जा सकता है। साथ ही, ग्रामीण विद्यालयों को पुनर्जीवित करना अनिवार्य है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति, और बाल-मित्र वातावरण का निर्माण केवल शिक्षा को आकर्षक बनाएगा, बल्कि बच्चों को श्रम के बजाय सीखने के मार्ग पर भी अग्रसर करेगा। इस दिशा में 'बाल मित्र ग्राम' मॉडल अत्यंत उपयोगी हो सकता है, जिसमें पंचायत, स्कूल और समाज मिलकर यह सुनिश्चित करें कि गाँव का कोई भी बच्चा श्रमिक नहीं बनेगा, बल्कि शिक्षा से जुड़ेगा। इसके साथ ही, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं जैसे मनरेगा, राशन वितरण, और छात्रवृत्ति योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है, ताकि परिवारों की आर्थिक निर्भरता बच्चों की मजदूरी पर न रहे। जब परिवार आर्थिक रूप से सशक्त होंगे, तभी वे अपने बच्चों को काम पर भेजने के बजाय स्कूल भेजना चुनेंगे। अंततः, बाल सुरक्षा कानूनों का सख़्ती से पालन करना भी अत्यावश्यक है। बाल श्रम निषेध अधिनियम, 1986 (संशोधित 2016) के तहत स्थानीय प्रशासन को नियमित रूप से निरीक्षण करना चाहिए और उल्लंघनकताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। केवल कानून बनाने से नहीं, बल्कि उनके जमीनी क्रियान्वयन से ही झारखंड के गाँवों में बाल श्रम की जड़ें कमजोर की जा सकती हैं।

झारखंड के गाँवों में बाल श्रम कोई व्यक्तिगत दुर्घटना नहीं, बल्कि सामाजिक विफलता का दर्पण है। यह शर्मनाक है कि जिस राज्य की धरती के नीचे खनिजों का अकूत भंडार है, वहाँ की सतह पर बच्चे शिक्षा और सुरक्षा से वंचित हैं। पंचायतों की निष्क्रियता, स्कूलों की दुर्दशा, और समाज की चुप्पी ने बाल श्रम को स्वीकार्य बना दिया है। लेकिन परिवर्तन असंभव नहीं है। यदि पंचायतें जागरूक बनें, स्कूल जिम्मेदारी निभाएं, और समाज यह ठान ले कि अब कोई बच्चा मजदूरी नहीं करेगा- तो झारखंड का खोता हुआ बचपन फिर से मुस्कुरा सकता है। बाल श्रम कोई विकल्प नहीं, अपराध है। और इस अपराध के विरुद्ध सबसे सशक्त हथियार है - जागरूक समाज। अब समय आ गया है कि हर गाँव यह संकल्प ले- हमारा बचपन काम नहीं करेगा, सिर्फ सीखेगा, बढ़ेगा और मुस्कुराएगा।

धर्म का एक दशक : मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

गजेन्द्र सिंह शेखावत

जनवरी 2024 में, जब पावन नगरी अयोध्या में सूर्योदय हुआ। सदियों से लुप्त हो चुकी प्रार्थना अब आखिरकार गुंजायमान होने लगी थी। श्रीराम की अपने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महज एक धार्मिक उपलब्धि नहीं थी। यह सभ्यता के उद्धार का क्षण था। सदियों के आक्रमण, औपनिवेशिक विकृति और राजनीतिक देरी के बाद, मंत्रों से गूंजता हुआ और इतिहास के स्पंदन सहित, बलुआ पत्थर में उकेरा गया यह मंदिर शान से खड़ा था। यह सिर्फ वास्तुकला के बारे में नहीं था, यह एक घायल आत्मा के उपचार के बारे में था। श्री राम की अपनी जन्मभूमि पर वापसी ने उस राष्ट्र की आस्था को फिर से जागृत कर दिया, जिसने लंबे समय तक अपने दिल में निर्वासन की खामोशी को समेटे रखा था। कुछ महीने पहले, भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंगोल को स्थापित किया। यह एक पवित्र राजदंड है, जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से, इसे भुला दिया गया था, समुचित स्थान से वंचित किया गया, और एक प्रचलित राजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था। इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था - यह एक शक्तिशाली घोषणा थी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया। यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था, जिसे उपनिवेशवाद के बाद के क्रम में लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया था। इतना ही नहीं, इन क्षणों ने एक गहरे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत दिया। यह एक सभ्यतागत गतिविधि के तौर पर ग्यारह परिवर्तनकारी वर्षों में सामने आएगी।

2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। योग केवल एक स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या भर नहीं है, बल्कि यह पिछले कुछ वर्षों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक निर्यात भी बन गया है।

आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार को संस्थागत बल दिया गया। इसके परिणामस्वरूप आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर पहुंचने में मदद मिली। समानांतर रूप से, सरकार ने संस्कृत, तमिल, पाली और प्राकृत जैसी शास्त्रीय भाषाओं को संरक्षित करने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और उस्ताद एवं हमारी धरोहर जैसी योजनाओं के तहत लुप्तप्राय लोक कलाओं और शिल्पों का समर्थन करने के लिए मिशन शुरू किए।

भारत की ऐतिहासिकों इमारतों में भी नई जान आ गई। 2018 में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण केवल व्यापकता के बारे में नहीं था, बल्कि एक गाथा को पुनः प्रतिष्ठित करने जैसा था। सरदार वल्लभभाई पटेल लंबे समय से ओझल हो रहे थे। उनको राष्ट्रीय स्मृति में सबसे आगे रखा गया। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक था। यह औपनिवेशिक प्रतीकवाद से देशी जवाबदेही की ओर बदलाव का भी प्रतीक था।

तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच 2019 की अनौपचारिक शिखर वार्ता की तुलना में शायद कोई भी कूटनीतिक वार्ता इस बदलाव को बेहतर तरीके से नहीं दशार्ती है। दिल्ली के गलियारों से दूर, प्राचीन बंदरगाह का नगर, जो कभी पल्लव राजवंश और भारत-चीनी समुद्री संबंधों का एक संपन्न केंद्र होने के साथ-साथ दो सभ्यताओं के बीच वार्ता की पृष्ठभूमि बन गया। जब नेता चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों और पत्थर के रथों के बीच चले, तो भारत ने न केवल भूगोल, बल्कि इतिहास और न केवल प्रोटोकॉल, बल्कि विरासत को भी प्रस्तुत किया। यह अपने सबसे सूक्ष्म और सबसे मजबूत रूप में सॉफ्ट पावर था।

यह सांस्कृतिक लोकाचार अन्य तरीकों से भी भारत की वैश्विक कूटनीति में प्रवाहित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व के नेताओं को राजकीय उपहार के तौर पर पट्टचित्र पेंटिंग से लेकर बच्चों के लिए लाख के खिलौने भेंट किए गए, जो अपने साथ भारत के कारीगरों और कालातीत परंपराओं के संदेश लेकर गए। 2023 में जी-20 की अध्यक्षता एक और सांस्कृतिक उपलब्धि साबित हुई। दिल्ली के डिप्लोमेटिक हॉल तक सीमित न रहकर, यह शिखर सम्मेलन सांस्कृतिक पहचान का अखिल भारतीय उत्सव बन गया। आदिवासी कला प्रदर्शनों से लेकर शास्त्रीय प्रदर्शनों तक, भारत ने न केवल अपनी नीतिगत गहराई, बल्कि अपनी आत्मा का भी प्रदर्शन किया। हर प्रतिनिधिमंडल भारत के रंगों, व्यंजनों, शिल्प और चेतना में डूबा हुआ था। संदेश स्पष्ट थाः भारत भूतकाल की सभ्यता नहीं है - यह जीवंत, सशक्त और आत्मविश्वास से परिपूर्ण वैश्विक सभ्यता है।

इन वर्षों के दौरान, 600 से अधिक चोरी की गई कलाकृतियां विदेशी संग्रहालयों और संग्रहकर्ताओं से वापस लाई गईं, जिनमें मूर्तियां, शिलालेख और पांडुलिपियां शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक की वापसी न केवल कला की बल्कि सम्मान की बहाली थी। इसी तरह, गुरु गोविंद सिंह के वीर साहिबजादों की शहादत को याद करने के लिए वीर बाल दिवस की स्थापना की गई, जबकि जनजातीय गौरव दिवस ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रीय केन्द्र में लाया।

महामारी भी सांस्कृतिक लौ को मद्धिम नहीं कर पाई। वर्चुअल कॉन्सर्ट, डिजिटल म्यूजियम टूर और 'मन की बात' के माध्यम से, प्रधानमंत्री ने सुनिश्चित किया कि कला, कहानियां और सांस्कृतिक गौरव लॉकडाउन के एकांत में भी पुष्पित-पल्लवित होते रहें। 'विकास भी, विरासत भी' के नारे जैसे अभियान में ये सभी समाहित हो गए। यह एक आह्वान है जो आर्थिक विकास को सांस्कृतिक गौरव के साथ-साथ चलने पर जोर देता है। मोदी सरकार के तहत, यह नारा केवल बयानबाजी नहीं था। इसने एक नई दृष्टि को परिभाषित किया। एक दृष्टि, जिसमें जीडीपी वृद्धि, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा आधुनिकीकरण, मंदिर जीर्णोद्धार, आदिवासी गौरव और सभ्यता की गाथा समाहित थे।

भारत आज अपनी पहचान के इर्द-गिर्द नहीं घूमता। बिना किसी पछतावे और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर यह आगे बढ़ता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद प्रगति की बाध्यकारी शक्ति के रूप में उभरा है, जिसे कभी प्रतिगामी के रूप में खारिज कर दिया गया था। भाजपा के वैचारिक कम्पास में, संस्कृति केवल एक सहायक भर नहीं है, बल्कि धुरी है।

इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है, बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरू हुआ था, वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता था, वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं। राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे, लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है। भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा, जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फ एक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैं, बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं।

(लेखक,केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटनमंत्री हैं।)

धर्म के आवरण में दरिंदिगी : कुछ तो गड़बड़ है

निर्मल रानी

हमारे देश में जितना अधिक धर्म का ढिंढोरा पीटा जा रहा है अधर्म भी उतनी ही तेजी से बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। खासतौर से जब से आसाराम, स्वामी चिन्मयानंद, गुरमीत राम रहीम, स्वामी नित्यानंद, दाती महाराज, रामपाल, आसाराम के कुपुत्र नारायण साईं, भीमानंद महाराज उर्फ शिवमूरत द्विवेदी, राम शंकर तिवारी उर्फ स्वामी परमानंद व आशु भाई महाराज जैसे स्वयंभू संतों व डेरा संचालकों से जुड़े मामले सामने आये व इनमें से कई को बलात्कार व यौन शोषण के मामले में जेल जाना पड़ा तब से तो 'धर्म क्षेत्र' में इसतरह के कुकर्मों की गोया झड़ी सी लग गयी। देश में न जाने कितने साधु वेश धारी मंदिर के पुजारी या किसी न किसी रूप में धर्म क्षेत्र से जुड़े लोग यौन हिंसा के शर्मनाक मामलों में पकड़े जा चुके हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दीपक वर्मा नामक एक बलात्कारी को थाना आलमबाग के अंतर्गत पुलिस ने सूर्योदय से पूर्व ही सुबह सवेरे मुठभेड़ में मार गिराया ,यह व्यक्ति भी धर्म का चोला ओढ़े रहता था। स्वयं को माता का भक्त प्रदर्शित करने वाला यह कुकर्मी माता रानी के जागरण समारोहों में झांकियां सजाने व झांकियां निकालने का काम किया करता था। इस ने चंद्रनगर मेट्रो स्टेशन के नीचे से ढाई-तीन साल की बच्ची को, जो अपने पिता के साथ लेटी हुई थी,चुपके से उसका अपहरण कर उसे उठा लगाया। बाद में इस व्यक्ति ने उस बच्ची के साथ बड़ी ही बेरहमी के साथ दुष्कर्म किया था। मासूम बच्ची अभी भी गंभीर अवस्था में इलाज करा रही है। पुलिस ने माता भक्त इस आरोपी पर एक लाख का इनाम भी घोषित कर दिया था। उसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और गत वीरवार को देर रात थाना आलमबाग क्षेत्र के मवैया के निकट एनकाउंटर में ढेर कर दिया।

भारत जैसे धर्म प्रधान देश में में यौन शोषण के मामलों का तेजी से बढ़ना अत्यंत चिंता का विषय है। हालाँकि देश में यौन शोषण को लेकर काफी कड़े कानून भी बने हुये हैं फिर भी यह एक प्रमुख सामाजिक समस्या बनी हुई है। खासकर धर्म क्षेत्र में कुकर्मियों व अधर्मियों का प्रवेश कर जाना धार्मिक सीख व शिक्षाओं पर भी सवाल खड़े करता है। एक अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक 22 मिनट में एक बलात्कार का मामला दर्ज होता है। इसमें वह मामले शामिल नहीं हैं जो भयवश या लाज वाश अथवा सुलह सफाई के बाद या फिर सामाजिक कलंक या कमजोर कानूनी व्यवस्था के कारण दर्ज नहीं होते और वह सरकारी रिकार्ड में नहीं आ पाते। अन्यथा यह आंकड़े और भी चौंकाने वाले हो सकते हैं। वैसे तो दक्षिण अफ़्रीका, स्वीडन, संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड, मिस्र, फ़्रांस व इथियोपिया जैसे देश भी महिला शोषण व बलात्कार जैसे मामलों में बदनाम देशों की सूची में शामिल हैं। परन्तु इनमें से कोई भी देश धर्म का उस स्तर पर ढिंढोरा नहीं पीटता जितना भारत में देखने को मिलता है। स्वयं को धर्म प्रधान प्रदर्शित करने वाले भारत जैसे देश में बेशक यह एक अत्यंत गंभीर व संवेदनशील मुद्दा है।

कहीं आश्रमों, मंदिरों व चर्चों में यौन शोषण के मामले सामने आते हैं जहाँ महंत, पुजारी, पादरी जैसे धर्म के आवरण में छुपे लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगता है। जैसे कुछ समय पूर्व कानपुर में एक पीड़िता को पहले नशीला लड्डू खिलाया गया फिर उसका यौन शोषण कर घटना का वीडियो बनाकर उसे धमकाया गया। चार महीने बाद गोविंद नगर थाने में शिकायत तो दर्ज जरूर हुई, लेकिन परन्तु चूँकि महंत, पुजारी, और अन्य रेपिस्ट प्रभावशाली थे इस कारण उनके विरुद्ध पुलिस ने देर से कार्रवाई की। इसी तरह मई 2025 में आगरा के एक मंदिर में 5 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की घटना चर्चा में रही। इस मामले में पुलिस ने शुरू में आरोपी को छोड़ दिया था लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद उसे फिर से गिरफ़्तार किया गया। इसी तरह अप्रैल 2025 में सीतापुर में एक मंदिर के पुजारी पर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने और एक पत्रकार की हत्या का आरोप लगा था। ऐसे ही सतना के नादन थाना क्षेत्र में एक कथा वाचक नारायण स्वरूप त्रिपाठी ने तीन नाबालिग बहनों को काल सर्प दोष की पूजा करने के बहाने अपने कमरे में बुलाकर उनका बलात्कार किया। पीड़िता बहनों के परिजनों की शिकायत पर नादन थाना पुलिस ने उसे गिरफ़्तार किया। इसी तरह कुछ समय पूर्व दिल्ली के द्वारका में बाबा मसानी नामक एक 'राक्षस' को पुलिस ने गिरफ़्तार किया। इसने पहले तो एक महिला से पांच लाख रुपए मांगे। बाद में पैसे न मिलने से खिन्न इस दुष्ट ने उस महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर उससे बलात्कार किया। यह बाबा माता मसानी चौकी के नाम से अपना दरबार चलाता है। यह यू ट्यूबर भी है।

ऐसे ही केरल में कैथोलिक चर्च से जुड़े यौन शोषण के मामले चर्चा में रहे। एक नन ने जालंधर के रोमन कैथोलिक चर्च के बिशप पर 14 बार यौन शोषण का आरोप लगाया था। 2019 में तो पोप फ्रांसिस ने भी स्वीकार किया था कि भारत, लैटिन अमेरिका, इटली, और अफ्रीका में बिशप और प्रीस्ट द्वारा ननों का यौन शोषण हुआ है। पटना में 2017 में एक पादरी पर दो महिलाओं के साथ बलात्कार और धर्म परिवर्तन के नाम पर यौन शोषण का आरोप लगा।

दैनिक पंचांग

12 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

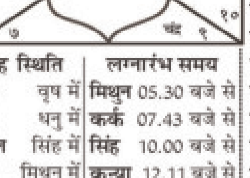

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.30 बजे से
चंद्र	धनु में	कर्क	07.43 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	10.00 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.11 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.22 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.37 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.53 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.58 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.44 बजे से
राहुकाल		मीन	00.17 बजे से
1.30 से 3.00		मेष	01.48 बजे से
बजे तक		वृष	03.28 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 163 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 14.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 21.57 बजे को समाप्त।
योग शुभ 14.05 बजे को समाप्त।
करण कौलव 14.28 बजे तदनन्तर तैतिल 02.57 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 15.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 09'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872373
जूलियन दिन 2460838.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 15

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

तीन वारंटी को भेजा गया जेल

रामगढ़ : रामगढ़ पुलिस ने बुधवार को थाना क्षेत्र में स्पेशल ड्राइव चलाया। इस दौरान पांच वर्षो से फरार तीन वारंटी को गिरफ्तार किया गया। रामगढ़ थाना क्षेत्र के बूढ़ाखुकरा गांव निवासी संजय मुंडा, बहादुर मुंडा और दिलीप मुंडा को पुलिस ने छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया है। बुधवार को उन तीनों को जेल भेज दिया गया। रामगढ़ थाना प्रभारी पीके सिंह ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

भाजपा के 11 साल बेमिसाल कार्यक्रम को लेकर प्रेस वार्ता आज

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 11 साल बेमिसालर कार्यक्रम को लेकर कल दिनांक 12 जून (गुरुवार) को दोपहर 3 बजे झुमरीतिलैया स्थित सूर्या वैकेंट हॉल में एक प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी। इस प्रेस वार्ता को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल तथा भाजपा झारखंड प्रदेश के मंत्री श्री गणेश मिश्रा संबोधित करेंगे। इस अवसर पर भाजपा कोडरमा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी सहित पार्टी के कई वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े सभी पत्रकारों को सादर आमंत्रित किया गया है। प्रेस वार्ता में समय पर पहुंचने की अपील की गई है। उक्त आशय की जानकारी जिला मीडिया प्रभारी, भाजपा, कोडरमा मनोज कुमार झुन्नू ने दी है।

फ्लाई ऐश की ढोलाई में अनियमितता पर जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई

कोडरमा : जिला प्रशासन को लगातार फ्लाई ऐश की ढोलाई में अनियमितता बरते जाने की सूचनाएँ प्राप्त हो रही थीं। अनियमित ढोलाई से वायु एवं जल प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है, जिससे पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। उक्त स्थिति को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त कोडरमा के निर्देशानुसार अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह के नेतृत्व में सघन वाहन जाँच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान फ्लाई ऐश लदी कुल नौ गाड़ियों को पकड़ा गया, जिनमें से कुछ ओवरलोड थीं और कुछ के कागजात में खामियाँ और वाहन पूरी तरह से कवर नहीं पाया गया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहनों पर आवश्यक दंडात्मक कार्यवाही की गई। जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी के द्वारा उचित जुमार्ना लगाया गया तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 152 एवं दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 133 के अंतर्गत वाहन मालिकों को नोटिस जारी किया गया। फ्लाई ऐश के व्यवसाय से जुड़े संबंधित लोगों को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए। इनमें प्रमुख रूप से निम्नलिखित निर्देश शामिल हैं :ढोलाई के दौरान वाहन को पूरी तरह से ढकना अनिवार्य होगा। किसी भी प्रकार के लीक या रिसाव को सख्ती से रोका जाए। वाहन में फ्लाई ऐश का परिवहन निर्धारित मानक वजन के अनुसार किया जाए। इस मौके पर परिवहन विभाग के अधिकारी एवं स्थानीय प्रशासन के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरण संरक्षण एवं जनस्वास्थ्य की दृष्टि से ऐसी अनियमितताओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और भविष्य में भी ऐसे अभियानों को नियमित रूप से चलाया जाएगा।

शहरी ट्रैफिक नियंत्रण, साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा मूलभूत सेवाओं को बेहतर बनायें : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झुमरी तिलैया नगर परिषद क्षेत्र में विधि व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण एवं साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी क्रम में उपायुक्त ऋतुराज ने नगर परिषद अंतर्गत सभी वार्डों का दौरा किया और नगर की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। दौरे के दौरान उपायुक्त ने नगर परिषद कार्यालय का निरीक्षण किया और वहां की कार्यप्रणाली को देखा। इसके पश्चात उन्होंने नगर प्रशासक तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर शहर के समुचित प्रबंधन हेतु एक रणनीति तैयार की। बैठक में विशेष रूप से शहरी ट्रैफिक नियंत्रण, साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा मूलभूत सेवाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही, शहर को हरित बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में नगर क्षेत्र की सड़कों के दोनों छोर पर वृक्षारोपण करने की योजना बनाई गई, जिससे शहरी नागरिकों को एक हरा-भरा और स्वच्छ वातावरण मिल सके। झुमरी तिलैया नगर परिषद क्षेत्र को सुव्यवस्थित और यातायात मुक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में उपायुक्त ऋतुराज ने शहर में बस स्टैंड और वेंडिंग जोन के लिए संभावित स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महतो आहार, गुमो सहित शहर के कई क्षेत्रों में खाली पड़ी सरकारी जमीन को चिन्हित किया गया है, जिनका उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं के लिए किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि अंतरराज्यीय बस स्टैंड की स्थापना का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, जिससे क्षेत्रीय यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके और ट्रैफिक की समस्या में भी सुधार हो। उपायुक्त ऋतुराज ने यह भी स्पष्ट किया कि शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत हटाए गए फुटपाथ दुकानदारों को पुनर्वासित करने के लिए वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे, ताकि उन्हें व्यवस्थित स्थान मिल सके और फिर से अव्यवस्था उत्पन्न न हो। इसके अतिरिक्त, चिन्हित खाली भूखंडों को ग्रीन जोन के रूप में विकसित करने की भी योजना है, जिससे शहरी क्षेत्र में हरियाली को बढ़ावा मिले और पर्यावरण संतुलन बना रहे। झुमरी तिलैया नगर परिषद क्षेत्र के समग्र विकास और शहर को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से उपायुक्त ऋतुराज द्वारा विभिन्न प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बस स्टैंड, वेंडिंग जोन, पार्क, मार्केट कॉम्प्लेक्स एवं अन्य सार्वजनिक संरचनाओं के लिए उपलब्ध सरकारी जमीन का भौतिक सत्यापन किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ऋतुराज द्वारा गुमो स्थित प्रस्तावित बस स्टैण्ड एवं नगर परिषद कार्यालय हेतु उपलब्ध जमीन, केन्द्रीय विद्यालय के करीब प्रस्तावित पार्क हेतु उपलब्ध जमीन,गाँधी स्कूल के पास प्रस्तावित वेडिंग हेतु उपलब्ध जमीन, पुराना नगर परिषद, झुमरी तिलैया की जमीन पर प्रस्तावित मार्केट कम्पलेक्स, पुराना बस स्टैण्ड स्थित प्रस्तावित प्रोपजल, मडुआटांड स्थित गोवर्धन तालाब के करीब सरकारी जमीन, बजरंग नगर डॉ नरेश पंडीत के अस्ताल के सामने उपलब्ध जमीन, गुमो सतपुलिया के पास स्थित जमीन समेत कई स्थलों का जायजा लिया।

विधायक ममता देवी ने विभिन्न योजनाओं का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ विधानसभा में विकास की गति तेज करने एवं आम जनता तक विकास की योजनाओं को पहुंचाने को लेकर ममता देवी के द्वारा रामगढ़ के नगरपरिषद क्षेत्र के कैथा में फैज इंटरप्राइजेज के सामने फाइबर ब्लॉक निर्माण, छतर मांडू चौंक में मंदिर के चहारदीवारी एवं गेट निर्माण का कार्य और कोठार 29 नम्बर वार्ड में भोगनाथ पाहन के घर से लेकर तालाब के समीप तक पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास विधायक ममता देवी के द्वारा नारियल फोड़कर किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष जोहर बाल मंच तारीक अनवर ,सूत्री उपाध्यक्ष दिनेश मुंडा, कार्यकारी जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी, सेवादल जिला अध्यक्ष रूपेंद्र महतो, कोठार वार्ड पार्षद जयंती देवी, रामगढ़ प्रखंड अध्यक्ष दिगंबर गुप्ता, समाजसेवी सुरेश महतो शामिल थे।

अशोक हेल्थ केयर एंड ट्रामा सेंटर में संचालक के लापरवाही से हुई एक महिला की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : ओ पी क्षेत्र अंतर्गत दिगवार वार्ड नंबर 4 में एक निजी अस्पताल अशोक हेल्थ केयर एंड ट्रामा सेंटर में आशा कुमारी उम्र 24 वर्ष कि मौत इलाज के दौरान हो गई । महिला की मौत के बाद परिजनों ने ट्रामा सेंटर परिसर में जमकर बवाल काटा और संचालक पर हत्या का आरोप लगाते हुए भादवि की धारा 302 के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है। मृतिका के पति त्रिवेणी गोप साकिन ग्राम अंगबाली थाना पेटरवार जिला बोकारो ने बताया कि मेरी पत्नी का मायका पोचरा है जिसके पिता सुखदेव यादव भाई विकास यादव है। मेरी पत्नी डेढ़ महीना पहले मायके आई थी। मायके में एक सप्ताह से खांसी हुआ था 10 जून को अचानक खांसी के कारण सांस लेने में दिक्कत होने लगी इसके बाद में आनन-फानन में ट्रामा सेन्टर में भर्ती कराया गया। इसके बाद तीन घंटा के बाद मरीज का स्थिति ठीक हो गई इसके बाद परिजनों के द्वारा अस्पताल संचालक से छुट्टी करने की बात कही गई। अस्पताल संचालक अशोक महतो के द्वारा कहा गया कि एक-दो दिन रखने के बाद छुट्टी दिया जाएगा। 11 जून सुबह परिजन इससे मिलने के लिए आया मिलने के बाद महिला खाना खाई और अपने बच्चों को दूध पिलाई कुछ देर बाद अस्पताल संचालक के द्वारा महिला को इंजेक्शन दिया गया इंजेक्शन देने के बाद महज 15 से 20 मिनट के अंदर महिला की स्थिति गंभीर हो गई। अस्पताल संचालक ने रेफर करने कोशिश कि इसके बाद महिला की मौत हो गई मौत की खबर सुनते ही आसपास के ग्रामीणों अस्पताल पहुँच कर हो हंगामा करने लगे उसके बाद कुजू पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर कुजू ओ पी थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह एवं सब इंस्पेक्टर आशीष गौतम दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे और आकर्षित लोगों को समझा बुझाकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं संचालक अशोक महतो को हिरासत में ले लिया गया है।

पुलिस ने पुजा भंडार के पास छात्रों से हुई लूट की घटना का किया उद्भेदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : सोमवार की रात्रि में तिलैया थाना क्षेत्रन्तर्गत कोडरमा रेलवे स्टेशन के पास रांची स्थित कॉलेज में नामांकन के लिए जा रहें दो छात्रों के साथ कुछ अज्ञात अपराधियों के द्वारा 10,000/- रू एवं मोबाइल लूटने की घटना को अंजाम दिया गया, इस संदर्भ में वादी प्रियांशू कुमार के द्वारा तिलैया थाना में लिखित आवेदन दिया गया, जिसके आधार पर तिलैया थाना कांड संख्या- 181/25, दिनांक-10.06.2025, धारा-309 (4) बी0एन0एस0 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। उक्त कांड के उद्भेदन एवं संलिप्त अपराधकर्मियो की गिरफ्तारी हेतुपुलिस अधीक्षक महोदय, कोडरमा के द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए स्टेशन परिसर का गहन निरीक्षण, सीसीटीवी फुटेज एवं तकनिकी साक्ष्यों के आधार पर कांड में संलिप्त तीनो (03) अपराधकर्मियो को उनके घर से विधिवत गिरफ्तार किया गया। उक्त तीनो गिरफ्तार अपराधकर्मियो से पुछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि घटना के दिन वादी के अलावे एक आइस्क्रीम बिक्रेता से मारपीट कर 3000/- रू नगद एवं 1100/- रू ऑनलाइन के माध्यम से ट्रॉंसफर कर लिए तथा साथ ही एक मोबइल फोन लुटने कि बात स्वीकार किये। गिरफ्तार उक्त तीनो अभियुक्तो के निशानदेही पर लूट के मोबाइल एवं नगद को बरामद किया गया। उसी रात्रि में कोडरमा स्टेशन परिसर से भी एक व्यक्ति से लूटे गया मोबइल को भी बरामद किया गया। इस संबंध में तिलैया थाना के द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

पुत्र के गायब होने पर पिता ने एसपी से लगाया मदद की गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र के कुशमई निवासी ने कोडरमा एसपी को आवेदन दिया है. उक्त आवेदन मे कहा गया है की मैं नवीन कुमार सिन्हा, उम्र करीब-48 वर्ष, पिता-सुरजकांत प्रसाद, ग्राम कुसमई, पोस्ट- नवलशाही, थाना- नवलशाही, जिला- कोडरमा का निवासी हूँ। आगे उन्होंने कहा की मेरा पुत्र विशाल कुमार सिन्हा उम्र करीब 21 वर्ष, पिता नवीन कृमार सिन्हा दिनाक-03.06.2025 से गायब है और उसका मोबाईल नं0-7717702730, 9199881451 दोनों बंद है। यह कि विशाल कुमार सिन्हा बीएसएस - माइक्रो फाइनेंस कंपनी में जो कि बगोदर में स्थित हरिहर धाम जिला- गिरिडीह कार्य स्थल से ही गायब हुआ है। हम अपने रिश्ते नाते परिवार हर जगह पर खोजबीन किये परंतु कहीं सुराग नहीं मिला। विशाल के पास अपनी मोटरसाईकिल रजिस्ट्रेशन नं0 जे एच 12 आर 2566 का भी कुछ आता - पता नहीं है। बहुत तलाश करने के बाद पता चला कि ग्राम-मोरियावां, थाना तिलैया निवासी दिलिप पंडित उर्फ (पिन्टु) एवं उसका साढू एवं साला वंशराज पंडित ग्राम- बड़की सरिया, थाना - सरिया, जिला- गिरिडीह के द्वारा मेरे पुत्र का अपहरण कर जान मारने एव रूपया के लालच में बन्धक बनाकर रखा गया है। दिलीप पंडित का मो0 नं० 627078035 है तथा उसके साला का नंबर 7979973267 है। मझे पूर्ण आशंका एवं विश्वास है कि उपरोक्त यही लोग इस घटना के मुख्य सुत्र धार है। मैने घटना की लिखित सूचना नवलशाही थाना प्रभारी को दिया लेकिन थाना प्रभारी के द्वारा न तो प्राथमिकी दर्ज की गई और न ही कोई कार्रवाई की गई।

झारखंड में संगठनात्मक विस्तार की ओर समाजवादी पार्टी, सुमन कुमार सिन्हा बने प्रदेश सचिव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : समाजवादी पार्टी झारखंड ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सुमन कुमार सिन्हा को प्रदेश सचिव, झारखंड के पद पर मनोनीत किया है। यह मनोनयन पार्टी की ओर से सच्ची निष्ठा, कर्मठता और जनसरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए किया गया है। सुमन कुमार सिन्हा, जो कि रामगढ़ जिले के पटेल नगर, भुरकुंडा के निवासी हैं, समाज सेवा और सामाजिक गतिविधियों में लंबे समय से सक्रिय हैं। उनके मनोनयन पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशवर यादव (रंजन यादव) ने शुभकामनाएँ देते हुए आशा जताई कि उनके नेतृत्व में समाजवादी पार्टी का विस्तार झारखंड में और तेजी से होगा। प्रदेश अध्यक्ष यादव ने कहा, समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए हम समर्पित साथियों को जिम्मेदारी दे रहे हैं। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह युवा नेता शिव कुमार यादव ने भी सुमन कुमार सिन्हा को बधाई देते हुए कहा, सुमन जी का समाजवादी आंदोलन में समर्पण और संगठनात्मक क्षमता उल्लेखनीय है। उनके आने से युवा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी। झारखंड में पार्टी को सशक्त बनाने की दिशा में यह एक निर्णायक कदम है। ज्ञात हो कि समाजवादी पार्टी झारखंड में तेजी से अपने पांव पसार रही है और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में आम जनता के मुद्दों को लेकर सक्रिय भूमिका निभा रही है। पार्टी सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर पूरी गंभीरता से काम कर रही है। सुमन कुमार सिन्हा ने मनोनयन पर आभार जताते हुए कहा, रमैं संगठन के प्रति पूरी निष्ठा से कार्य करूंगा और समाजवादी मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाने का हरसंभव प्रयास करूंगा। यह मेरे लिए जिम्मेदारी भी है और अवसर भी। समाजवादी पार्टी के इस कदम से स्पष्ट है कि वह झारखंड में नए नेतृत्व और नई ऊर्जा के साथ आगामी चुनावी चुनौतियों का सामना करने को तैयार है। बधाई देने वालो मे गोविंद बेदिया, रिंकु वर्णवाल, टीपू वर्णवाल, पवन कुमार, शनिचरा कुमार, मिंटू कुमार, रंजीत यादव, सहित सैकड़ो लोग शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

सौंदा बस्ती के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भुरकुंडा : भुरकुंडा पुलिस ने कंप्लेन केस संख्या 608/2015 के वांछित वारंटी लाला साव उर्फ रामप्रवेश साव गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लाला साव उर्फ रामप्रवेश साव पिता स्वङ्ग दशरथ साव , ग्राम सौंदा बस्ती, थाना पतरातू (भुरकुंडा), जिला रामगढ़ को बुधवार को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस की यह कार्रवाई आपराधिक मामलों में फरार चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर जारी अभियान का हिस्सा बताया गया।

यनगर में नशीले पदार्थो के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता अभियान का शुभारंभ

जयनगर : पंचायती राज विभाग, झारखंड द्वारा निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग के रोकथाम हेतु जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम-2025 के तहत प्रखंड सभागार, जयनगर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार ने की। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधि, पंचायत सचिव, पंचायत सहायक, ग्राम स्तरीय उद्यमी, आंगनबाड़ी सेविकाएं और स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया, ताकि वे आगामी दिनों में पंचायत स्तर पर जन-जागरूकता गतिविधियों का संचालन प्रभावी ढंग से कर सकें। बैठक में निर्देशित किया गया कि 10 जून से 26 जून 2025 तक सभी पंचायतों में निम्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएं : ग्राम एवं पंचायत स्तर पर नशा विरोधी चौपाल, विद्यालयों में प्रभात फेरी एवं पोस्टर प्रदर्शनी, युवा वर्ग, अभिभावकों एवं समुदाय के साथ संवाद कार्यक्रम। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने नशे के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए इससे होने वाले सामाजिक, मानसिक और शारीरिक नुकसान की जानकारी दी। बीडीओ गौतम कुमार ने कहा कि जन-जागरूकता ही नशे जैसी बुराई से मुक्ति दिला सकती है। हमें गांव-गांव जाकर लोगों को इससे दूर रहने हेतु प्रेरित करना होगा। कार्यक्रम का मुख्य संदेश नशे को ना जीवन को हाँ पूरे जिले में फैलाने हेतु सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया।

अधिक से अधिक दाखिल-खारिज तथा अन्य मामलों का निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे : ऋतुराज

कोडरमा : कोडरमा जिला अन्तर्गत विभिन्न अंचलों का दाखिल-खारिज का ऑनलाईन पोर्टल के अवलोकन में पाया गया कि 30 दिनो से अधिक अवधि के काफी मामले लंबित हैं, जो जनहित में नहीं हैं तथा सेवा गारन्टी अधिनियम 2005 का भी उल्लंघन है। इस मामले पर जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ऋतुराज ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी अंचलाधिकारी को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि जनहित में कोडरमा जिला अन्तर्गत सभी अंचलों में दाखिल-खारिज एवं राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित अन्य लंबित मामलों की स्थिति में सुधार हेतु दिनांक 19 .06 .2025 से 21.06 .2025 तक (03 दिन) सभी अंचल मुख्यालय में विशेष राजस्व कैम्प का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि 30 दिन से अधिक अवधि के आपत्ति सहित एवं आपत्ति रहित दाखिल-खारिज के मामलों के निष्पादन हेतु दिनांक 19 .06 .2025 से 21.06 .2025 तक (03 दिन) सभी अंचल मुख्यालय में विशेष राजस्व कैम्प का आयोजन किया जाएगा। उक्त कैम्प में प्राप्त होने वाले सभी मामलों पर अंचल अधिकारी द्वारा राजस्व दस्तावेजों का सत्यापन एवं सुनवाई करते हुए उचित निर्णय लिया जाएगा तथा दाखिल-खारिज के आपत्ति सहित मामलों में संबंधित रैयतों को विधिवत नोटिस निर्गत कर इसका खास तामिला कराते हुए सुनवाई कर वाद में उचित कार्रवाई करेंगे। उपायुक्त महोदय ने सभी अंचलाधिकारी को निर्देशित किया कि अधिक-से-अधिक दाखिल-खारिज तथा अन्य मामलो का निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि परिशोधन के तहत प्राप्त मामलों में राजस्व दस्तावेजों का सत्यापन एवं मिलान कर संतुष्ट होने पर उचित कार्रवाई करेंगे दाखिल-खारिज के वैसे मामले जिसे स्वीकृत किया गया हो परन्तु शुद्धि पत्र निर्गत नहीं हुआ हो वैसे मामलों में संबंधित रैयतों को शुद्धि पत्र हस्तगत करायेंगे। उन्होंने कहा कि ऑनलाईन लगान रसीद निर्गत करने हेतु अलग से एक काउन्टर लगवाऐंगे, जिसमें किसी प्रज्ञा केन्द्र को लगान रसीद निर्गत करने हेतु अंचल अधिकारी अपने स्तर से प्राधिकृत करेंगे। कैम्प के सफल संचालन हेतु अंचलवार पर्यवेक्षण पदाधिकारी नामित किये हैं। उपायुक्त महोदय ने सभी अंचल के पर्यवेक्षण पदाधिकारी अपने अंचल से समन्वय स्थापित करते हुए लंबित मामलों का ससमय समीक्षा कर कैम्प में तिथिवार सुनवाई किये जाने वाले मामलों की सूची तैयार करवाने का निर्देश दिये और कहा कि कैम्प का रूपरेखा तैयार करने हेतु अपने स्तर से संबंधित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। कैम्प का पूर्ण पर्यवेक्षण अपने स्तर से करेंगे। कैम्प के लिए अपर समाहर्त्ता को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है।

सुरेंद्रनाथ शर्मा मेमोरियल टी -20 प्रीमियर लीग आज से

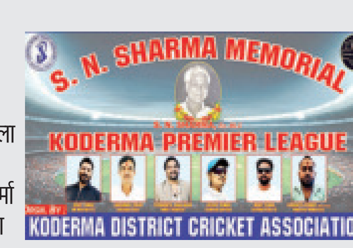

कोडरमा : कोडरमा में क्रिकेट प्रेमियों एवं खिलाड़ियों के लिए खुशखबरी। कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में सुरेंद्र नाथ शर्मा मेमोरियल ळ 20 कोडरमा प्रीमियर लीग का भव्य आयोजन सी एच हाई स्कूल मैदान में 12 जून दिन गुरुवार से 23 जून तक किया जाना है। कोडरमा प्रीमियर लीग का रंगारंग उद्घाटन 12 जून को 11 बजे सी एच स्कूल मैदान में किया जा रहा है। जिसके मुख्य अतिथि झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव जी, उपाध्यक्ष संजय पांडे जी सहित जिले के गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। उक्त टूर्नामेंट में जिले के 6 टीमों ने हिस्सा लिया है जबकि खिलाड़ियों का चयन आईपीएल के तर्ज पर नीलामी के माध्यम से किया गया है। उक्त आशय की जानकारी कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष मनोज सहाय पिंकू ने देते हुए बताया कि कोडरमा के कांग्रेसी बिहार विधानसभा में विधान पार्षद रहे स्वर्गीय सुरेंद्रनाथ शर्मा जी के याद में उनके पुत्र झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता एवं समाजसेवी ईश्वर आनंद ने यह टूर्नामेंट प्रायोजित किया है। जबकि कोडरमा प्रीमियर लीग के सफल आयोजन में कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, सचिव दिनेश सिंह सहित अनिल सिंह, कृष्ण ब्रह्मपुरिया, विनोद विश्वकर्मा, डॉ उपेंद्र भदानी, विवेकानंद चौधरी, उमेश सिंह आलोक पांडे, सोनू खान, धर्मेंद्र कौशिक, जय पांडे, सुरेंद्र कुमार, ओम प्रकाश, मुकेश प्रभाकर सहित केडीसीए के सदस्य शामिल हैं।

एक नजर

टेंपू ओर मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर, एक की मौत, एक घायल

साहिबगंज/बरहेट : थाना क्षेत्र अंतर्गत क्रांति अस्थल पचकठिया के समीप मोटरसाइकिल और टेंपू मे जोरदार भिड़ंत हो गई जिसमे दो लोग पूरी तरह से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बाबुधन मुर्मू तेगडा निवासी, 45 बर्ष विशेश्वर पंडित, पिता जगदीश पंडित बाबुपुर निवासी मिली जानकारी के अनुसार विशेश्वर पंडित अपने घर से चावल लेने रक्सी गांव जा रहे थे उसी क्रम मे एक टेंपू तेज रफ़्तार से आ कर जोरदार टक्कर मार दिया। वही आनन फानन मे ग्रामीणों के मदद से इलाज के लिए अस्पताल लाया। जहां डॉक्टर संतोष टुडू ने प्राथमिक उपचार किया। वही बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर चंदरगोड़ा रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार इलाज करवाने के दौरान विशेश्वर पंडित की मौत हो गई।

बोरियो प्रखंड के दो स्वास्थ्य केंद्रों में हुआ एएनएम का पदस्थापना

साहिबगंज/बोरियो : प्रखंड में डीसी के आदेश पर सिविल सर्जन प्रवीण कुमार संथालिया ने बोरियो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत कई माह से रिक्त रहे दो स्वास्थ्य केंद्रों देवपहाड़ एवं दुगाटीला में एएनएम की पदस्थापना कर दी। मिली जानकारी के अनुसार जिला समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में डीसी के आदेश पर सीएस ने सीएचसी बोरियो के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर देवपहाड़ में सदर अस्पताल साहिबगंज में प्रतिनियुक्ति एएनएम निशा टुडू एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर दुगाटीला में प्रेरणा भारती को पद स्थापित किया है।

गंगा नदी में नहाने के दौरान 7 वर्षीय बच्ची की डूबने से मौत

साहिबगंज : गंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत महाराजपुर मीना बाजार फूलचंद टोला गांव में गंगा में नहाने के दौरान अचानक 7 वर्षीय बच्ची गंगा नदी में डूब गई आसपास के लोगों के सहयोग से गंगा नदी से बाहर निकल गया। मिली जानकारी के अनुसार महाराजपुर मीना बाजार फूलचंद टोला गांव निवासी बड़ा महतो के 7 वर्षीय पुत्री मनीषा कुमारी अपने दोस्तों के साथ गंगा में स्नान करने गई थी और अचानक पानी के गहराई में चले जाने से डूब गई परिजनों ने बताया कि बुधवार को लगभग 2:00 बजे अपने दोस्तों के साथ सभी सखी गंगा में स्नान करने गई थी जब सारे दोस्त अपने अपने घर आ गया तो मां भी अपनी 7 वर्षीय बच्ची मनीषा कुमारी को खोज रही थी जब बच्ची घर पर नहीं मिली तो माँ बेचैन हो गई और फिर से गंगा नदी के तरफ गई। पता चला कि मेरी पुत्री गंगा नदी में नहाने के क्रम में डूब गई।

सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान खुला, खिलाड़ियों में खुशी की लहर

पश्चिम सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम (चाईबासा) सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान को लेकर जारी गतिरोध बुधवार को समाप्त हो गया, जब प्रशासन ने मैदान पर लगी सील को हटा लिया। मैदान खुलते ही वहां अभ्यास के लिए पहुंचे खिलाड़ियों में खुशी की लहर दौड़ गई और सभी ने राहत की सांस ली। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देश पर नेशनल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कोड ऑफ इंडिया 2011 के तहत मैदान की सभी मान्यताओं को तत्काल प्रभाव से समाप्त करते हुए उसे सील कर दिया था। यह कार्रवाई अनुमंडल पदाधिकारी संदीप अनुराग टोप्पो, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टूटी, अंचल अधिकारी उपेंद्र कुमार एवं खेल पदाधिकारी हर्ष कुमार की मौजूदगी में की गई थी।

आठ दिनों से बिजली ठप्प, आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया धरना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : तपतपाती गर्मी और चिलचिलाती धूप से जहाँ लोगों का जीना दुशवार है ऐसे में अगर बिजली व्यवस्था चरमराई तो सीधे लोगों के मौलिक अधिकारों पर प्रभाव पड़ता है। बरहरवा और पतना प्रखण्ड अंतर्गत संयुक्त गाँव झिकटिया में बीते आठ दिनों से बिजली पूर्ण रूप से ठप्प है,बीते दिनों आसमानी बिजली और तूफानी बारिश के कारण कुछ बिजली के तार एवं झिकटिया के बिजली उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति होने वाली ट्रांसफार्मर जल गए, जिसकी सूचना बिजली विभाग को दिए जाने के बाद भी आठ दिनों तक इसका समाधान नहीं निकला और लोग इस भीषण गर्मी में परेशान थे, मामले को लेकर स्थानीय ग्रामीणों

ने पाकुड़ विधानसभा विधायिका निसात आलम को लिखित शिकायत कर समस्या के समाधान को लेकर गुहार लगाई,जिसके बाद विधायिका द्वारा बरहरवा बिजली के पदधिकारियों को झिकटिया में नया 200 केवीए ट्रांसफार्मर लगाने को लेकर निर्देशित किया गया। तत्पश्चात बिजली विभाग द्वारा झिकटिया चौक में खुदाई और पोल गाड़ने का काम शुरू कर दिया गया,ग्रामीण भी उम्मीद लगाए बैठे थे कि बुधवार को ट्रांसफार्मर लगने के बाद बिजली आपूर्ति की जाएगी परंतु ऐसा नहीं हुआ।

आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर धरना प्रदर्शन

बिजली विभाग द्वारा बुधवार को नया ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वाशन दिया गया था लेकिन जब ट्रैक्टर में लोड होकर ट्रांसफर्मर झिकटिया पहुँची तो सभी चौक गए, नए ट्रांसफर्मर की जगह पुरानी और क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर भेजा गया था जिस ट्रांसफार्मर से तेल का स्त्राव हो रहा था या देखकर ग्रामीण पूरी तरह आकर्षित हो गए और बिजली विभाग के लापरवाही और सौतेला व्यवहार का नारा लगाते हुए झिकटिया चौक के चौराहे को जाम कर धरना प्रदर्शन करने लगे मामले को लेकर ग्रामीणों से पूछा गया तो ग्रामीणों ने बताया कि जिस वाहन से ट्रांसफार्मर यहाँ लगाने के लिए लाया जा रहा था उसके ड्राइवर को दबाव देने पर चालक ने बताया कि नया ट्रांसफार्मर कहीं और क्रेशर में भेज दिया गया है और पुराना ट्रांसफार्मर खोलकर यहां लाने को कहा गया है,इसी बात से नाराज होकर ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और मांग करने लगे जब तक 200 केवीए का नया ट्रांसफर्मर नहीं लगाया जाएगा तब तक सड़क यातायात पूरी तरह से बाधित रहेगी और महिला पुरुष सभी धरना पर बैठे रहेंगें। हालांकि बरहरवा थाना पुलिस मौके पर पहुँची और आक्रोशित ग्रामीणों को शांत करने का प्रयास कर रहे थे ताकि किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना न घटित हो। वहीं प्रदर्शन के दौरान बिजली विभाग के कोई भी पदधिकारी मौके पर नहीं पहुँचे थे,फोन के माध्यम से जानकारी दी गई कि नया ट्रांसफार्मर जल्द ही लगा कर बि जली आपूर्ति बहाल की जाएगी।

ट्रेक्टर और टेंपू की टक्कर में एक की मौत, सात घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट : थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार की रात्रि लालमाटी चौक के पास ट्रेक्टर और टेम्पो की टक्कर में टेम्पो सवार सात लोग घायल हो गए। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर बबलू कुमार ने किया। घायलों में पाडेरबथान गाँव निवासी 22 वर्षीय चंपई मुर्मू, 45 वर्षीय रयमत हेंब्रम, 26 वषीर्या दीबी मरांडी, तलबड़िया गाँव निवासी 30 वर्षीय ताजुद्दीन अंसारी को छोड़ कुसमा डाक बंगला निवासी 60 वर्षीय झगड़ा प्रसाद साह छोटा कदमा गांव निवासी 35 वर्षीय सलीम अंसारी एवं 70 वर्षीय विनोद स्वर्णकार को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार उपरोक्त सभी एक टेंपो पर सवार होकर बरहेट हाट से अपने-अपने घर के लिए जा रहा था। लालमाटी चौक के पास विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर से टेंपो में टक्कर लग गया जिससे टेम्पो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही बरहेट थाना पुलिस आवश्यक कार्यवाही में जुट गई। वहीं देर रात्रि ईलाज के लिए ले जाने के दौरान पाडेरबथान गाँव निवासी 22 वर्षीय चंपई मुर्मू की मौत हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार के सुबह साहिबगंज गोविंदपुर मुख्य सड़क को मुआवजा की मांग को लेकर पाडेरबथान के पास किया जाम।

भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र व बहन सुभद्रा को कराया गया शाही स्नान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भगवान श्री जगन्नाथ बलभद्र बहन सुभद्रा जी का स्नान रथ यात्रा बुधवार को ढोल नगाड़ा गाजे बाजे कीर्तन के साथ रानी सती मंदिर से विधिवत रूप से निकला। पूर्व विधायक अनंत ओझा ने नारियल फोड़कर रथ यात्रा शुरू किया। इससे पूर्व बोरियो इस्कॉन मंदिर के मुख्य पुरोहित चन्दन प्रभु ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से भगवान श्री जगन्नाथ भगवान बलभद्र बहन सुभद्रा का पूजन आरती किया, दोपहर में 56 भोग लगाया गया। उसके बाद भगवान को विधिवत रूप से रथ में विराजमान कराया और पूजा अर्चना किया। वही भक्तो ने जगत के पालनहार प्रभु श्री जगन्नाथ बलभद्र बहन सुभद्रा का जयकारा लगाते हुए

नगर भ्रमण कराया। नगर भ्रमण के दौरान जय जगन्नाथ, हरि बोल, के जयकारा लगा। स्नान रथ यात्रा शहर के पुरानी साहिबगंज, किदवई पथ, सकरूगढ़ पूर्वी फाटक, कॉलेज रोड, स्टेशन चौक, पटेल चौक, गांधी चौक होते हुए अमख पंचायत भवन बड़ी धर्मशाला पहुंचा। जगह जगह भगवान जगन्नाथ का पूजन किया गया, बाटा रोड में किन्नरों ने भी विधिवत रूप से पूजन किया। वही बड़ी धर्मशाला पहुंचने पर भगवान को विधिवत रूप से रथ से उतारकर पूजन स्थान ले जाया गया। जहां विधिवत रूप से स्नान पूजन कराया गया। जिसमें गंगा यमुना गंगोत्री, यमुनोत्री, हरिद्वार का जल से स्नान कराया गया। दूध, चन्दन, दही, मधु, ईख का रस, फल का रस, फूल, शुद्ध देशी घी, शंख का जल, सुगंधित तेल सहित अन्य से स्नान कराया गया। स्नान के बाद श्रृंगार करके पूजन आरती किया गया और भक्तों के बीच भगवान का प्रसाद वितरण किया गया।

शहर में सीसीटीवी निगरानी को लेकर डीसी ने की समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में गोपनीय कार्यालय में सीसीटीवी कैमरा निगरानी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की वर्तमान स्थिति, उनकी कार्यक्षमता एवं तकनीकी समस्याओं पर चर्चा की गई। डीसी ने विशेष रूप से खराब पड़े कैमरों की मरम्मति एवं उनकी प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए सीसीटीवी प्रणाली को सतत और सुचारू बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में बताया गया कि प्रायः विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों के वायर कटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे कैमरे बंद हो जा रहे हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए डीसी ने संबंधित एजेंसी को निर्देशित किया कि जिन स्थानों पर बार-बार वायर कटने की समस्या उत्पन्न हो रही है, वहां केबल को भूमिगत (अंडरग्राउंड) करने की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ की जाए ताकि भविष्य में ऐसे अवरोध उत्पन्न न हों। बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत, मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, जिला श्रम अधीक्षक धीरेन्द्र नाथ महतो, जिला विद्युत आपूर्ति पदाधिकारी शंभूनाथ चौधरी, सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की, नगर प्रशासक अभिषेक कुमार सिंह समेत कार्यकारी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के अंत में डीसी ने सभी पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर सीसीटीवी की मरम्मति कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का निर्देश दिया।

बिंदुवासिनी हॉल्ट पर ट्रेन ठहराव, मांगो को लेकर भव्य महा धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : बुधवार को बिंदुवासनी हॉल्ट पर भव्य महा धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस धरना प्रदर्शन में क्षेत्र के सैकड़ों स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।धरना का मुख्य उद्देश्य रेलवे प्रशासन का ध्यान स्थानीय लोगों की वर्षों पुरानी मांगों की ओर आकर्षित कराना था। धरना स्थल पर जनसमूह ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखी और सरकार से अपनी जायज मांगों को मानने की अपील की।

धरना में रखी गईं मुख्य मांगे

पहली मांग

53433/53434 आजिमगंज-बरहरवा पैसेंजर ट्रेन का बिंदुवासनी हॉल्ट पर ठहराव सुनिश्चित किया जाए। इस स्टेशन पर ठहराव न होने से स्थानीय यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यदि इस

ट्रेन का ठहराव किया जाता है तो क्षेत्र के विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को बहुत बड़ी सुविधा मिलेगी।

दूसरी मांग

53022 साहिबगंज-आज़िमगंज पैसेंजर ट्रेन का ठहराव भी बिंदुवासनी हॉल्ट पर किया जाए। यह ट्रेन भी सैकड़ों लोगों के दैनिक जीवन में बेहद उपयोगी साबित होगी। यदि इसका ठहराव सुनिश्चित किया जाता है तो लोगों को अपने कार्यस्थलों, विद्यालयों और अन्य जरूरी कामों के लिए सुगम आवागमन मिलेगा।

बाल आश्रय गृह के बच्चों के साथ उपायुक्त ने किया संवाद

आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का दिया आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार ने बाल देखभाल संस्थान-बाल आश्रय गृह, पाकुड़ में आवासित बच्चों एवं उनके अभिभावकों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने बाल देखभाल संस्थान के बच्चों एवं उनके अभिभावकों के साथ संवाद किया। इस दौरान उपायुक्त ने बच्चों से सीधे संवाद कर उनकी दिनचर्या, आवश्यकताओं और समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने बच्चों से आश्रय में दी जारी सुविधाओं के बारे में भी फीडबैक ली। इस दौरान अभिभावकों ने बारी-बारी से बच्चों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उपायुक्त ने बच्चों को दी जा रही सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया और उनके कल्याण के लिए काम

जारी रखने का निर्देश दिया। इस दौरान उपायुक्त ने उपस्थित अभिभावकों से भी बच्चों के अंदर विश्वास पैदा करने तथा अपनी क्षमता अनुसार उनके जीवन के विकास में योगदान करने को कहा। उपायुक्त ने कहा कि बच्चों की समय- समय पर काउंसलिंग की जाए और बच्चों को दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। यह बच्चे भविष्य में अपने पैरों पर खड़े हों, इस दिशा में इनकी शिक्षा पर विशेष फोकस किया जाए और साथ ही इनके अंदर स्किल को भी बढ़ावा दिया जाए। नियमित रूप से दिए जाने वाले भोजन के अलावा पौष्टिक आहार से भरपूर खाना भी दिया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं के दृष्टिगत समय- समय पर बच्चों का रुटीन चैकअप किया जाए। साथ ही उपायुक्त ने बाल देखभाल संस्थान में उपलब्ध संसाधन एवं उपलब्ध कराए जाने वाले विभिन्न संसाधन / सुविधाओं के संबंध में आश्रय गृह के संचालक से जानकारी प्राप्त किया एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। संवाद कार्यक्रम के तहत बाल आश्रय गृह के परिसर में उपायुक्त एवं विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों के द्वारा पौधारोपण किया गया। मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पाकुड़, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, पाकुड़, जिला बाल संरक्षण इकाई के सभी पदाधिकारी, बाल देखभाल संस्थान के संचालक, अधीक्षक समेत अन्य कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक की मौत, महिला सहित दो घायल

साहिबगंज : बोरियों थाना क्षेत्र अंतर्गत साहिबगंज-बोरियों मुख्य पथ के बांझी खेसड़िया पुल के पास में मंगलवार की रात हुई मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक ही परिवार के महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तीनो घायलों को इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक डॉ. केशव कृष्णा ने जांचोपरांत विशनपुर पंचायत बीरबल काधा निवासी बबलू हेंब्रम का 27 वर्षीय पुत्र तालु हेंब्रम को मृत घोषित कर दिया। जबकि उनकी 18 वषीर्या पत्नी मय ब्यूटी टुडू व 25 वर्षीय फुफेरा भाई लुकस हांसदा का इलाज प्रारंभ कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार दोनो गंभीर रूप से घायल है। घायल लुकस ने बताया कि हम तीन लोग मोटरसाइकिल से मृतक भाई की पत्नी के मायके बरबोना से बिशनपुर बांझी अपना घर जा रहे थे। इसी दौरान बांझी खेसड़िया पुल के पास खड़ी ट्रैक्टर के डाला से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल असंतुलित होने के कारण टकरा जाने से मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें हम तीनो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सदर अस्पताल आने के दौरान तालु हेंब्रम की मौत रास्ते में ही हो गया। जबकि पत्नी मय ब्यूटी टुडु व भाई लुकस गंभीर रूप से घायल है। बोरियो पुलिस मामले की जांच में जुटी है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

आग लगने से तीन दुकानें जलकर पूरी तरह राख

पाकुड़/अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड स्थित बस स्टैंड के सामने मंगलवार देर रात अचानक आग लगने की घटना में तीन दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं। इसमें लगभग पाँच लाख रुपये मूल्य की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार रात करीब 11:30 बजे सबसे पहले नाश्ते की दुकान से धुआं उठता देखा गया। देखते ही देखते आग ने बगल की फर्नीचर दुकान और एक अस्थायी दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। आसझ्रपास के ग्रामीणों ने सहयोग किया और सक्रिय रूप से आग बुझाने के लिए बाल्टियों में पानी भर कर आग पर डालते दिखें। वहीं खबर मिलने पर बीजीआर और डीबीएल कोल कंपनियों ने पानी टैंकरों को भेजा जिनकी सहायता से आग पर पूरी तरह से काबू पाया गया। अनुमान लगाया जा रहा है कि नाश्ता दुकान में अधजले कोयले से आग लगी होगी। गनीमत रही कि घटना में जानमाल की क्षति नहीं हुई, लेकिन सभी दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। आग लगने से फर्नीचर दुकान में रखे सभी लकड़ी के सामान जलकर स्वाहा हो गए। वहीं नाश्ता दुकान में बर्तन, राशन सामग्री और अन्य जरूरी सामान पूरी तरह से जलकर खाक हो गए।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर स्कूलों में छात्र-छात्राओं को योग प्रशिक्षण

साहिबगंज : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी को लेकर बुधवार को मध्य विद्यालय मिजाचौकी उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बड़तल्ला नयाटोला सहित प्रखंड के सभी स्कूलों में योग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा छात्र-छात्राओं को योग एवं सूर्य नमस्कार का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापिका कुमारी संगीता ने छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि हम सभी लोग योग करके निरोग रह सकते हैं। आज के परिवेश में मानव जीवन के लिए योग बहुत जरूरी है। योग कर हम लोग कई बीमारियों को दूर भगा सकते हैं। मौके पर शिक्षक स्वर्ण कुमारी, मध्य विद्यालय मिजाचौकी के प्रभारी प्रधानाध्यापक छबिलाल पासवान, मो अली अंसारी, अमरेश कुमार, चंदन वर्णवाल, रामनारायण चौधरी, योग शिक्षक सुनील किस्कू सहित कई छात्र-छात्र मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में एक युवक का मौत

साहिबगंज/तीनपहाड़ : थाना क्षेत्र अंतर्गत जस्कुटी मुख्य पथ के समीप बुधवार की दोपहर हाइवा (जेएच 01 बीजेड 4949) ने बाइक चालक लखीराम हांसदा 35 वर्ष को पीछे से टक्कर मारकर रौंद दिया जिससे युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृत युवक निश्चिंता गाँव का रहने वाला बताया जा रहा है। मृत युवक अपने घर से तीनपहाड़ बाजार करने जा रहा था कि उसी दरमियान हाइवा ने बाइक चालक को कुचल दिया और हाइवा के ड्राइवर मौके देख फरार हो गए। घटना के वक्त दोनो हाइवा पर ओवरलोडेड स्टोन चिप्स था। घटना होते ही गाँव के ग्रामीण घटना स्थल पर भीड़ जुट गई। वहीं गाँव के ग्रामीणों ने घटना की जानकारी तीनपहाड़ थाना पुलिस को दिया, जिसके बाद तीनपहाड़ थाना प्रभारी एमके पांडेय, तालझारी थाना प्रभारी व अन्य पुलिस बल घटना स्थल पर पहुँच गए। जिसके बाद तीनपहाड़ थाना प्रभारी ने उग्र ग्रामीणों को समझाने मे जुट गए। इधर घटना की जानकारी मिलते ही बोरियो विधानसभा के पूर्व विद्यायक लोबिन हेम्ब्रम घटना स्थल पहुँच मृतक के स्वजनों एवं ग्रामीणों से घंटो बातचीत किया। जिसके बाद ग्रामीणों ने अपनी मांग मे कहा ग्रामीण सड़क मे रोजाना ओवरलोडेड हाइवा स्पीड मे पार होता है जिससे हमलोग काफी परेशान है। कई बार आर के एस के हाइवा चालक को समझाया गया जिसके बाद भी आर के एस के ड्राइवर सुधरने का नाम नही ले रही है।

पटनावासियों को डबल डेक फ्लाईओवर की सौगात

सीएम नीतीश कुमार ने किया शुभारम्भ, उर्दू पुस्तकालय के नए भवन का उद्घाटन भी किया

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 422 करोड़ रुपये लागत से निर्मित अशोक राजपथ पर कारगिल चौक (गांधी मैदान) से साइंस कॉलेज भाया पी०एम०सी०एच० डबल डेक फ्लाईओवर का कारगिल चौक के पास आयोजित कार्यक्रम स्थल पर फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया।लोकार्पण के पश्चात मुख्यमंत्री ने कारगिल चौक से साइंस कॉलेज और साइंस कॉलेज से कारगिल चौक तक डबल डेक फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने डबल डेक फ्लाईओवर पर रूककर पी०एम०सी०एच० से इसके कनेक्टिविटी के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह डबल डेक फ्लाईओवर बहुत अच्छा बना है। इस पथ के निर्माण से अशोक राजपथ में जाम की समस्या से निजात मिलेगी और यातायात व्यवस्था सुगम होगी। ज्ञातव्य है कि डबल डेक फ्लाईओवर का कार्य प्रारम्भ जनवरी, 2022 में हुआ था, जिसका निर्माण पूर्ण हो गया है। इस पथ का निर्माण अशोक राजपथ के ऊपर दो लेयर (डेक) में किया गया है, जो गांधी मैदान के पास कारगिल चौक से प्रारम्भ होकर पी०एम०सी०एच० होते हुए साइंस कॉलेज तक जाता है। एलिवेटेड कॉरिडोर के ऊपरी डेक (टीयर-वन) की लम्बाई 2175.50 मीटर है जो गांधी मैदान से साइंस कॉलेज तक जाता है। ऊपरी डेक (टीयर-II) गांधी मैदान से साइंस कॉलेज की तरफ जानेवाले यातायात के लिए है। नीचे के डेक (टीयर-1) की लम्बाई 1449.30 मीटर है जो पटना कॉलेज से गांधी मैदान की तरफ बी०एन० कॉलेज मेन गेट तक आता है। नीचे के डेक (टीयर-1) पटना कॉलेज से गांधी मैदान की तरफ जाने वाले यातायात के लिए है। डबल डेक पथ से पी०एम०सी०एच० को संबद्धता प्रदान करने हेतु (टीयर-1) एवं (टीयर-II) दोनों तलों से प्रावधान किया गया है। इस पथ के डेक की चौड़ाई 8.5 मीटर है। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने 3 करोड़ 7 लाख 31 हजार रुपए की राशि से नवनिर्मित राजकीय उर्दू पुस्तकालय, पटना के नये भवन का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने नये भवन का निरीक्षण किया और वहां

की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां पठन-पाठन हेतु शान्त वातावरण एवं मूलभूत सुविधाएं मौजूद है, जिससे अध्ययनकर्ताओं को अध्ययन में सहजता महसूस होती है। पुस्तकालय के इस नये भवन के बन जाने से अब पाठकों एवं शोधकर्ताओं को और सहूलियत होगी। यहां सारी व्यवस्थायें ठीक रखें और भवन को मेंटेन रखें। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने मुख्यमंत्री को पुस्तक भेंटकर उनका स्वागत किया। ज्ञातव्य है कि राजकीय उर्दू पुस्तकालय, पटना का स्थापना वर्ष 1938 ई० में दो मंजिला भवन में हुई थी, जो अशोक राजपथ के खजांची रोड मोड़ के सामने अवस्थित है। इस पुस्तकालय में लगभग 50-60 पाठक एवं शोधकर्ता प्रतिदिन पठन एवं अध्ययन हेतु आते है। यहां उर्दू लिपि के अतिरिक्त हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, फारसी एवं अरबी भाषा में भी किताबें मौजूद हैं। इस पुस्तकालय में लगभग 40 हजार पुस्तकें उपलब्ध हैं। सामान्य प्रतियोगिता परीक्षा से संबंधित कई विषयों की पुस्तकें तथा वर्ग 3 से वर्ग 12 तक एन०सी०आर०टी० की पुस्तकें, पुस्तकालय विज्ञान, पत्रकारिता आदि की पुस्तकें भी उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त महत्त्वपूर्ण एवं प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु हिन्दी, अंग्रेजी तथा उर्दू की पत्रिकायें प्रत्येक माह आती हैं साथ ही इन भाषाओं की अखबार भी नियमित रूप से आती हैं। इस नवनिर्मित जी०+4 पुस्तकालय भवन में फर्नीचरों एवं उपस्करों की आवश्यकतानुसार व्यवस्था की गयी है। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, विधायक अरूण कुमार सिन्हा, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधान पार्षद नीरज कुमार, विधान पार्षद रविन्द्र प्रसाद सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव सह शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, पथ निर्माण विभाग के सचिव बी० कार्तिकेय धनजी, पटना प्रमंडल के आयुक्त डॉ० चन्द्रशेखर सिंह, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष शीर्षत कपिल अशोक, पटना के जिलाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस०एम०, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार, राजकीय उर्दू पुस्तकालय के चेयरमैन अरशद फिरोज, राज्य नागरिक परिषद् के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

पटना के थानों में पड़ी है 1.44 लाख लीटर शराब, नष्ट न किए जाने पर जिलाधिकारी नाराज

पटना। पटना जिले के थानों में 1,44,361 लीटर शराब विनष्टीकरण के रखी है। इसमें पुलिस विभाग के पास 1,26,714 लीटर तथा उत्पाद विभाग के पास 12,976 लीटर शराब है। जिलाधिकारी डा. त्यागराजन एसएम ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में मद्य-निषेध एवं उत्पाद से संबंधित मामलों की समीक्षा के दौरान यह आंकड़ा देखकर नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने शराब को तुरंत नष्ट करने का निर्देश दिया। सहायक आयुक्त (मद्यनिषेध) ने जिलाधिकारी को बताया कि फुलवारीशरीफ, बिहटा, दीदारगंज, दानापुर, फतुहा एवं अगमकुंआ थाना में प्रत्येक में पांच-पांच हजार लीटर से अधिक शराब जमा है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अच्छी स्थिति नहीं है। थानों में विनष्टीकरण के लिए लंबित शराब की मात्रा का भौतिक सत्यापन करते हुए इसका अभियान चलाकर अविलंब प्रक्रियानुसार विनष्टीकरण किया जाए। शराब माफियाओं के विरुद्ध विधि-सम्मत सख्त कार्रवाई करें। शराब की ज्यादा से ज्यादा जब्ती करें। चेकपोस्ट को क्रियाशील रखें तथा स्वयं वरीय पदाधिकारी इसकी निगरानी करें। उन्होंने कहा कि पूर्ण मद्य निषेध वाले राज्य में शराब से संबंधित किसी भी तरह की अनियमितता या मिलीभगत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषी व्यक्तियों, चाहे वे कोई भी हों, के विरुद्ध सख्त-से-सख्त कार्रवाई की जाएगी।जिलाधिकारी ने शराबबंदी अभियान के तहत वाहनों की नीलामी, अभियोग, जब्त शराब की विवरणी तथा विनष्टीकरण से संबंधित अद्यतन प्रतिवेदन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मद्य-निषेध अभियान का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहें। लंबित मामलों को उच्च प्राथमिकता के आधार पर अभियान चलाकर निष्पादित करें।

जीआरपी सब इंस्पेक्टर को निगरानी विभाग ने घूस लेते रंगेहाथ पकड़ा

सासाराम। रेलवे स्टेशन स्थित जीआरपी थाने में पदस्थापित एक एसआई को पटना से आई निगरानी विभाग की टीम ने बुधवार को घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सब इंस्पेक्टर विजय सिंह एक महिला से पांच हजार रुपये ले रहा था। तभी निगरानी विभाग की टीम ने विजय सिंह को रंगेहाथ दबोच लिया। घटना के बाद रेलवे स्टेशन पर हड़कंप मच गई।मामले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की वरीय डीएसपी कुमारी किरण पासवान ने बताया कि जीआरपी के सब इंस्पेक्टर विजय सिंह एक महिला से केस में मदद के नाम पर रिश्वत की मांग कर रहे थे। महिला बसंती देवी द्वारा निगरानी विभाग में दर्ज शिकायत का सत्यापन कर प्राथमिकी दर्ज की गई और इसी आलोक में आज निगरानी विभाग की टीम ने मामले के अभियुक्त विजय सिंह को रिश्वत की राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि जीआरपी के सब इंस्पेक्टर रेल थाना कांड संख्या 10/2025 में अनुसंधानकर्ता थे और केस में मदद के नाम पर बसंती देवी से रिश्वत की मांग कर रहे थे।एक के बाद एक हो रही निगरानी विभाग की कार्रवाई से जिले के अधिकारियों व कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है। बता दें कि बीते 25 मई को सासाराम अंचल में पदस्थापित एक डाटा ऑपरेटर आकाश कुमार को भी निगरानी विभाग की टीम ने रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार किया था। मात्र 15 दिन के अंतराल पर निगरानी विभाग की इस कार्रवाई से जिले के भ्रष्ट अधिकारियों में एक तरफ जहां खौफ है वहीं दूसरी ओर आम जनता राहत महसूस कर रही है।

पीएम मोदी के कार्यक्रम की सुरक्षा में जा रहे 17 पुलिसकर्मी घायल

छपरा। तेज रफ्तार ट्रक ने पुलिसकर्मियों की बस को टक्कर मार दी। हादसे में 17 पुलिसकर्मी घायल हो गए। इन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी के कार्यक्रम की सुरक्षा में तैनात किए गए यह सभी पुलिसकर्मी डेहरी ऑन सोन से सीवान जा रहे थे। छपरा में इनकी बस को तेज रफ्तार बस ने ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में बस चालक को गंभीर रूप से घायल हो गए। उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। बस चालक की पहचान छपरा के गौतम प्रसाद निवासी रमेश कुमार (35 वर्ष) के रूप में हुई है।वहीं हादसे में घायल सिपाहियों की पहचान अनीता कुमारी (20), प्रमिला कुमारी (22), पूजा कुमारी (22), कंचन कुमारी (20), अयूब प्रधान (40), रंजना कुमारी (24), सोनी कुमारी (24), अमृता कुमारी (25), अर्चना कुमारी (25), सुषमा कुमारी (24), शर्मिला कुमारी (25), सुनील कुमार राय (25), अनिरुद्ध कुमार पांडे (21), दिलीप कुमार (40), सुनील कुमार सिंह (42), वकील कुमार (53) के रूप में हुई है। यह सभी चोटिल हुए हैं।

राजद सांसद ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

पटना। राजद सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में बिहार में सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण के लिए 80 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए, लेकिन असर उल्टा हुआ। इस दौरान सिंचाई क्षमता 25% घट गई। बाढ़ पीड़ित क्षेत्र और बढ़ गए। वे मंगलवार को मीडिया से मुखातिब थे। उन्होंने इस काम में गोलमाल का आरोप लगाया। इसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग की। सांसद ने कहा कि 2005 में बिहार में 12.5 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की सुविधा थी। आज यह घटकर 9.5 लाख हेक्टेयर रह गई है। इसी तरह बाढ़ का दायरा पहले की तुलना में बहुत बढ़ा। यह स्थिति बताती है कि कैसे किसानों को लाभ नहीं मिला और बहुत बड़ी रकम जिम्मेदारों की जेब में गई। हर साल

4000 करोड़ रुपए से अधिक सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण में खर्च होते हैं। लेकिन इसका फायदा नहीं होता। सांसद ने कहा कि रोहिणी नक्षत्र में 15 मई से पहले नहरों में पानी छोड़ने की परंपरा थी, ताकि किसान समय पर बिचड़ा डाल सकें। अब ऐसा नहीं होता। इससे खाद्य सुरक्षा पर संकट खड़ा होगा। सोन नहर प्रणाली तबाह : सुधाकर के अनुसार, सोन नहर प्रणाली कई जिलों की जीवनरेखा है। यह तबाह सी है। इंद्रपुरी बराज में 9000 क्यूसेक पानी है। लेकिन 3000 क्यूसेक ही छोड़ा जा रहा।

पिता और पहली पत्नी ने पिलाया जहर

फिर हुई दूसरी पत्नी की एंट्री, तब उठा पूरे मामले से पर्दा

बगहा। लौकरिया थाना क्षेत्र के महादेवा गांव में मंगलवार की शाम महादेवा निवासी 29 वर्षीय चंदन कुमार को उसके ही पिता और पहली पत्नी ने मिलकर कथित रूप से जहर पिला दिया। गंभीर हालत में युवक का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में जारी है। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया है। पीड़ित चंदन ने आरोप लगाया कि उसके पिता लुटावन महतो ने उसे शाम करीब पांच बजे खेत में बुलाया। जब वह वहां पहुंचा तो वहां पहली पत्नी अनीता कुमारी भी मौजूद थी। दोनों ने मिलकर उसे जहर पिला दिया। जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। किसी तरह उसने अपनी दूसरी पत्नी विमला कुमारी (24 वर्ष) को फोन

कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही विमला मौके पर पहुंची और स्कूटर से चंदन को पीएचसी लेकर पहुंची, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे अनुमंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि, रेफर के बावजूद चंदन अभी भी अनुमंडलीय अस्पताल में ही भर्ती है। पीड़ित ने बताया कि उसके पिता और पहली पत्नी द्वारा दूसरी पत्नी को समाप्त करने की भी धमकी दी गई है। चंदन ने बताया कि अनीता से पहले उसकी शादी हुई थी। जो कुछ वर्ष पहले छोड़ दिया था। इसके बाद मैंने दूसरी शादी विमला से की। दोनों पत्नियों से दो-दो बच्चे हैं। अनिता द्वारा बाद में दूसरी पत्नी पर चंदन को छोड़ने का दबाव बनाया जाने लगा, लेकिन दोनों एक दूसरे को छोड़ने को तैयार नहीं थे। डॉ. विनय कुमार ने बताया कि खेत में डालने वाला जहर पिलाया गया है। इसका असर तीन दिनों तक रह सकता है। युवक की हालत को देखते हुए उसे जीएमसीएच रेफर किया गया है। फिलहाल पिता लुटवन महतो और पहली पत्नी अनीता कुमारी फरार हैं। थानाध्यक्ष अमन कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है, लेकिन कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के साथ ही कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में बिना सर्जिकल योग्यता के प्रसव करा रही बीएएमएस डॉक्टर

सीवान। शहर के चकिया रोड स्थित एक निजी अस्पताल का हैरान करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें बीएएमएस डिग्रीधारी डॉक्टर कंचन कुमारी वह प्रसव ऑपरेशन करती दिख रही हैं। वीडियो अस्पताल परिसर के ऑपरेशन थिएटर के अंदर रिकॉर्ड किया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि शूट करने वाला व्यक्ति खुद डॉक्टर का भांजा है, जो ऑपरेशन के बीचझबीच में कैमरा घुमाते हुए कहता सुनाई पड़ता है कि जब भी मेरी मामी ऑपरेशन करती हैं, बेटा ही होता है। वायरल वीडियो में डॉक्टर के हाथों में दस्ताने नहीं हैं, चेहरे पर मास्क नहीं है और न ही कोई एनेस्थेटिस्ट दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य मानकों की यह अनदेखी मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। वीडियो के वायरल होने के बाद

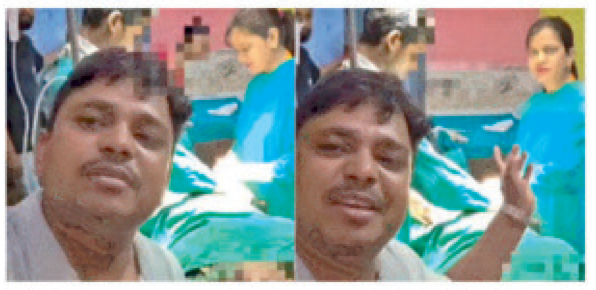

सीवान सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. अनूप दुबे ने स्पष्ट कहा कि बीएएमएस डिग्रीधारी चिकित्सकों को सर्जिकल डिलीवरी कराने की कानूनी अनुमति नहीं है। उन्होंने इसे चिकित्सा नियमों का खुला उल्लंघन बताते हुए कहा कि ऐसा कृत्य पहले भी कई बार सामने आया है। इससे प्रसूता तथा नवजात दोनों की जान जोखिम में पड़ सकती है। डॉ. दुबे का कहना है कि इस तरह का ऑपरेशन केवल पंजीकृत सर्जन ही कर सकता है।पूर्व सदर अस्पताल मैनेजर एसरारुल हक ने भी पुष्टि की कि किसी गैर सर्जन द्वारा ऑपरेशन थिएटर में शल्यक्रिया करना घोर लापरवाही है। उनका मानना है कि इस मामले में फौरी जांच और शीघ्र कार्रवाई जरूरी है ताकि अन्य निजी संस्थान स्वास्थ्य नियमों की धज्जियां उड़ा कर मरीजों की जान को खतरे में न डालें। मीडिया द्वारा संपर्क किए जाने पर सिविल सर्जन श्री निवास प्रसाद ने कहा कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है, पहले ऑफिस में आकर मिलिए। उनके इस टालू रवैये ने स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ा दी है। चिकित्सक संघ और सामाजिक कार्यकर्ता अब जिलाधिकारी और स्वास्थ्य विभाग से संज्ञान लेकर सघन जांच शुरू कराने की मांग कर रहे हैं। ऑपरेशन थिएटर में बाहरी व्यक्ति का निरंकुश आनाझजाना अस्पताल की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाता है। चिकित्सा मानदंडों के अनुसार, ऑपरेशन थिएटर एक नियंत्रित क्षेत्र होता है, जहां संक्रमण रोकथाम के कड़े नियम लागू रहते हैं। वीडियो में भांजे का कैमरा लिए घूमना इन नियमों का उल्लंघन है और इससे संक्रमण का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। इलाके के स्वास्थ्यकर्मियों का कहना है कि अगर किसी भी प्रसूता या नवजात को नुकसान पहुंचा है, तो भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, बिहार क्लिनिकल इस्टैब्लिशमेंट एक्ट और उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई हो सकती है।

पटना में दो युवकों पर अपराधियों ने बरसाई गोलियां, एक की मौत

पटना। अपराधियों ने दो युवकों की गोली दी। घटना पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के मैनपुरा गेट नंबर 44 के समीप पास हुई। मंगलवार मध्य रात्रि को बाइक सवार अपराधियों ने दो युवकों पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की। इसमें एक युवक ने अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं दूसरे युवक की गंभीर है। मृतक की पहचान राजा आलम के रूप में हुई। वहीं घायल जितेंद्र कुमार है। पाटलीपुत्र थाना के अध्यक्ष कुमार रौशन ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि बाइक पर सवार आए अपराधियों ने इस बड़ी घटना को अंजाम दिया। पुलिस को शक है कि महिला विवाद से जुड़ी कोई पुरानी दुश्मनी ही इस फायरिंग की वजह बनी। जिस तरह से दोनों को टारगेट कर गोली मारी गई, उससे यह साफ है कि यह हमला सुनियोजित था। हालांकि घटना के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पीड़ित परिवारों से जानकारी ली जा रही है।

मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। बताया जा रहा है कि हमलावर एक बाइक पर सवार होकर आए थे और दोनों युवकों को बेहद करीब से बैक टू बैक गोली मारी गई। मृत राजा के परिजनों ने बताया कि राजा चिकन खरीदने के लिए बाजार गया था। देर रात तक नहीं लौटा तो हमलोग चिंतित हो गए। कुछ देर बाद पता चला कि राजा को किसी ने गोली मार दी। अपराधियों ने उसके सिर और पीठ पर गोली मारी थी। परिजनों ने दावा किया कि राजा ने मरने से पहले किसी अमित नाम के युवक पर गोली मारने का आरोप लगाया था। परिजनों का कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और अरोपियों की गिरफ्तारी करे। इधर, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

17 साल की लड़की की हत्या

समस्तीपुर। करहे नदी किनारे दफन की गई किशोरी (17) का शव बरामद हुआ है। पुलिस ने मिट्टी खोद कर लाश को बाहर निकाला है। मामला ऑनर किलिंग से जुड़ा हुआ है। किशोरी के दादा-चाचा को पुलिस ने पकड़ा है। मामला जिले के सिंघिया थाना क्षेत्र का है। मृतका नरेश दास की बेटी प्रीती कुमारी है। बताया जा रहा है कि गांव के लड़के से उसका प्रेम प्रसंग था। इसे लेकर परिवार ने लड़की के साथ मारपीट की, फिर गला घोंटकर हत्या कर दी। मंगलवार की तड़के 2 बजे पुलिस की गश्ती गाड़ी ने ने 2 लोगों को नदी से नहाकर बाहर आते हुए देखा। पुलिस दोनों को पकड़कर थाने ले आई और नदी किनारी लाश को खोदकर बाहर निकाली। शव को पुलिस ने जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। रोसड़ा की ऊढ सोनल कुमार ने बताया कि 'शुरूआत में मामला ऑनर किलिंग

का लग रहा है। लड़की के पिता और मां फरार है।' 'जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। मंगलवार शाम फॉरेंसिक विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। अलग-अलग 12 स्थानों से सैंपल जब्त किए हैं। किशोरी की हत्या गला घोंटकर की गई है। परिवार के लोग फरार हैं।' किशोरी के शव को सोमवार रात करेह नदी किनारे दफनाया गया। इसके बाद परिवार के लोग रात 2 बजे नदी में नहाकर लौट रहे थे। इसी दौरान सिंघिया थाने की पेट्रोलिंग पुलिस की नजर पड़ी। आधी रात नदी की ओर से आ रहे उसके चाचा और दादा को पुलिस ने रोक कर पूछा, तो उन्होंने बताया कि वो नदी में स्नान कर घर लौट रहे हैं। सुबह के 2 बजे नदी में स्नान करने की बात पुलिस को हजम नहीं हो रही थी। जिस पर पुलिस दोनों को उठाकर थाने ले आई। जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो चाचा और दादा ने लड़की को दफनाए जाने की बात स्वीकार की। लड़की के दादा और चाचा दोनों ने पुलिस को बताया- 'उसका गांव के ही युवक से अवैध संबंध था। परिवार के लोगों ने आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। जिसके बाद परिवार के लोगों ने सोमवार को उसके साथ मारपीट की थी। जिससे नाराज किशोरी ने सोमवार रात फांसी लगा ली। परिवार के लोगों ने शव को लेकर जाकर नदी किनारे बिना किसी को बताए गाड़ दिया।' आसपास के लोगों का कहना है कि 'लड़की का एक लड़के से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसे घर वालों ने पकड़ लिया था। इससे नाराज होकर उन्होंने इसकी पिटाई की थी। जिसमें इसकी मौत हो गई है।

बिहार- पूर्व में उभरता नेतृत्व पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

पटना। स्थित चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान (सीआईएमपी) के परिसर में 10 जून 2025 को रामभाऊ म्हलगी प्रबोधिनी, सीआईएमपी, एसजीटी विश्वविद्यालय तथा सार्वजनिक नीति अनुसंधान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। बिहार लीड्स द राइजिंग ईस्ट शीर्षक वाले इस कार्यक्रम में नीतिझनिमार्ताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और शोधकताओं ने पूर्वी भारत, विशेषकर बिहार की विकासझयात्रा और नेतृत्वकारी संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। आरंभ में सीआईएमपी के निदेशक डॉ. प्रो. राणा सिंह ने अतिथियों का स्वागत कर कहा कि यह मंच राज्य की क्षमताओं और चुनौतियों को पहचानने के लिए अनूठा अवसर प्रदान करता है।रामभाऊ म्हलगी प्रबोधिनी के उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा के पूर्व

सदस्य डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने उद्घाटन वक्तव्य में कहा कि पिछले बीस वर्षों में एनडीए शासन के दौरान बिहार ने ह्यबीमारूह्न की छवि से निकल कर ह्यबेहतरीनह्न उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने प्रशासनिक सुधार, आधारभूत संरचना और जनझकल्याण की योजनाओं का उल्लेख कर बताया कि लगातार नीतिझसातत्य ने राज्य को स्थिर प्रगति की राह पर डाला है।एसजीटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हेमंत वर्मा ने तर्क दिया कि विश्वविद्यालयों को महज सैद्धांतिक ज्ञान से आगे बढ़कर व्यावहारिक कौशल पर केंद्रित पाठ्यक्रम तैयार करने होंगे, तभी समग्र विकास की बुनियाद मजबूत होगी।

बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने स्वास्थ्य, सड़कों, महिला सशक्तिकरण, मत्स्य पालन तथा अर्थव्यवस्था में हुए सुधार का विस्तृत डेटा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि राज्य अब आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में दृढ़ योगदान दे रहा है और जल्द ही देश के अग्रणी राज्यों में शुमार होगा। उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि गया में स्थापित इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर ने रोजगार के अवसरों को कई गुना बढ़ाया है। स्टार्ट-अप इकाइयों की संख्या 1,600 से दोगुनी होने की ओर बढ़ रही है, जिससे बिहार एक उभरते विनिर्माण केन्द्र के रूप में पहचान बना रहा है। वहीं, नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीवीआर सुब्रह्मण्यिम ने कहा कि भारत ने अत्यधिक गरीबी को घटाकर 5.3 प्रतिशत पर ला दिया है, किंतु पूर्वी भारत की तेज प्रगति राष्ट्रीय वृद्धि का अनिवार्य आधार है। उन्होंने बिहार को लगातार 10झ12 फीसदी जीडीपी वृद्धि हासिल करने सक्षम बताया और शिक्षा, स्वास्थ्य व कौशल विकास पर विशेष बल दिया। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार अब ह्यबिमारूह्न की परिभाषा से कोसों दूर है। उनके अनुसार सामूहिक प्रयासों द्वारा राज्य अपनी भूगोलिक स्थिति और युवा जनसंख्या का लाभ उठा कर आश्चर्यजनक विकास कर सकता है। समारोह के मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने अपने अनुभव बताते हुए कहा कि हाल के वर्षों में सड़क यातायात में आए परिवर्तन ने गांव-शहर की दूरी सचमुच पाट दी है, जहां पहले 50 किलोमीटर की यात्रा में तीन घंटे लगते थे, अब वही रास्ता 45 मिनट में पूरा हो जाता है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रगति की विशेष प्रशंसा की, जिसे उन्होंने कुछ पहलुओं में केरल से भी आगे माना। राज्यपाल ने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और पुलिस बल में अधिक प्रतिनिधित्व देने पर भी बल दिया।ग्रामीण कार्य मंत्री आशोक चौधरी, नीति आयोग के अतिरिक्त मिशन निदेशक आनंद शेखर, सीआईएमपी के प्रोफेसर सुनील कुमार, पूर्व डीजी एस के झा, पटना विश्वविद्यालय के डॉ. गुरु प्रकाश पासवान, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह तथा एसजीटी विश्वविद्यालय के ट्रस्टी अमोग राय ने भी शैक्षिक गुणवत्ता, प्रशासनिक सुधार और सामाजिक समावेशन पर अपने विचार रखे।

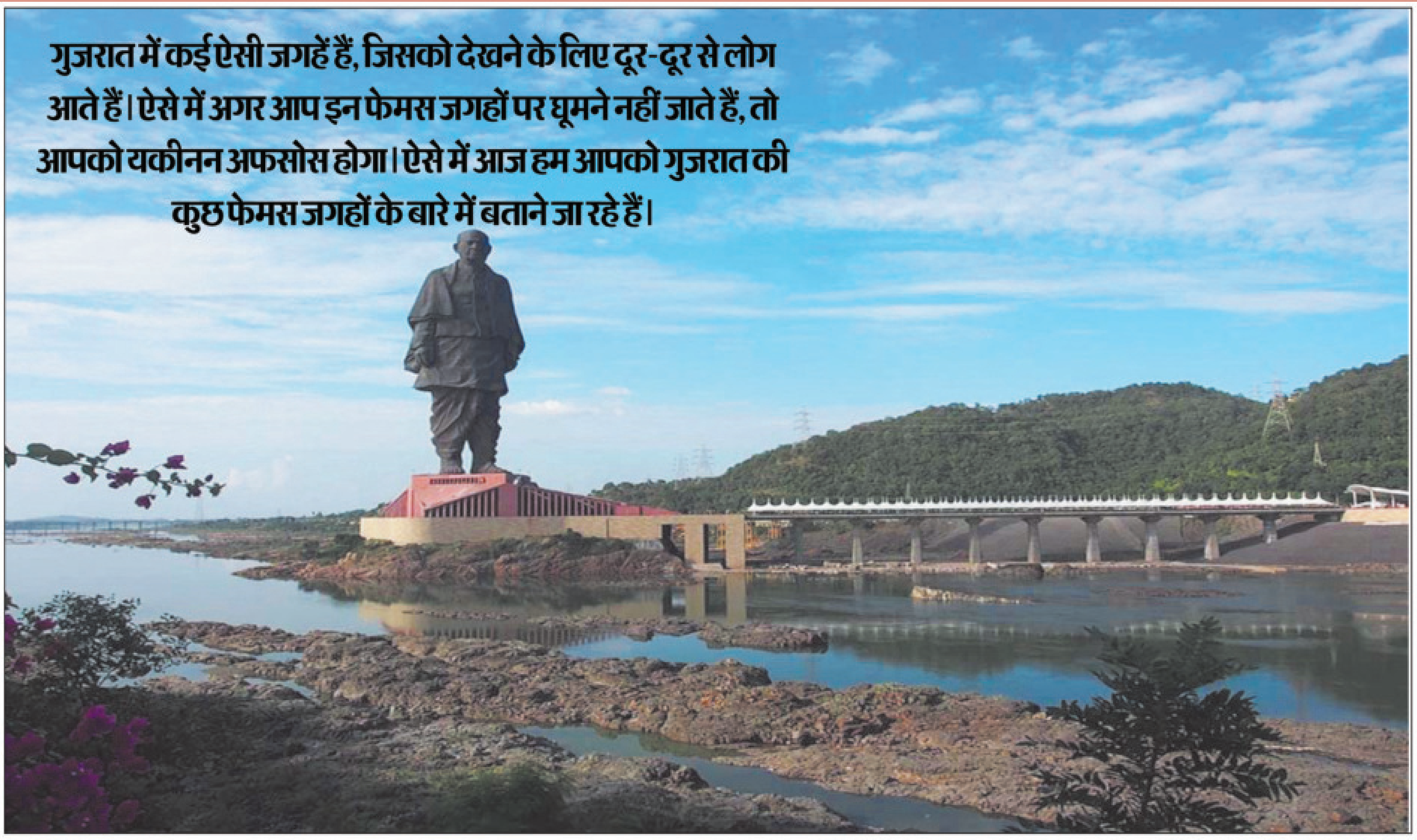

गुजरात घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, ट्रिप होगी यादगार

गुजरात घूमने जा रहे लोगों के लिए जरूरी है कि वह वहां के फेमस टूरिस्ट स्पॉट घूमने जरूर जाएं। क्योंकि जब भी आप किसी जगह पर घूमने के लिए जाते हैं। तो सबसे पहले आपके दिमाग में वही लोकेशन आती हैं। जिनके बारे में वह शहर जाना जाता है। गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नही जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आपको गुजरात की इन फेमस जगहों पर घूमने जरूर जाना चाहिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गिर राष्ट्रीय उद्यान भारत के फेमस उद्यानों में से एक है। इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान एशिया में सिंहों का एकमात्र निवास स्थान माना जाता है। यहां पर आप सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। वहीं इस उद्यान में आपको कई तरह के प्रजातियों वाले जीव देखने को मिलेंगे। ऐसे में गुजरात आने के बाद आपको यहां जरूर आना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

आपको सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लिए जाना चाहिए। यह भारत के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में से एक है। भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अरब सागर के तट पर स्थिति यह मंदिर खूबसूरत होने के साथ चमत्कारी भी माना जाता है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह परिवार के साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

बता दें कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। साल 2018 में पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। यह गुजरात का फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। यहां का सुंदर नजारा काफी आकर्षित करता है। ऐसे में आप यदि गुजरात आ रहे हैं, तो आपको यहां आना अच्छा लगेगा।

आध्यात्म की तलाश में जा रहे ऋषिकेश तो इन जगहों पर जरूर जाएं, वरना अधूरी रह जाएगी यात्रा

आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं और कही धार्मिक और आध्यात्मिक जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको ऋषिकेश जाना चाहिए। यह दिल्ली के करीबी पर्यटन स्थलों में से एक है। ऋषिकेश योग और आध्यात्म की नगरी है और यहां का एडवेंचर भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खास बात यह है कि आप यहां पर किसी भी समय घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाने के दौरान कुछ समय त्रिवेणी घाट पर जरूर बिताना चाहिए। यहां पर तीन नदियों का संगम होता है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह स्थान सबसे पवित्र माना जाता है। इस घाट पर सुबह, दोपहर और शाम के समय तीन बार गंगा आरती होती है। ऐसे में आपको शाम की गंगा आरती में जरूर शामिल होना चाहिए।

बकेश्वर मंदिर

ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर फेमस लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। यह मंदिर 13 मंजिला और यह भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 13 मंजिल मंदिर के नाम से जाना जाता है।

वशिष्ठ गुफा आश्रम

ऋषिकेश से करीब 25 किमी दूर प्राचीन आश्रम वशिष्ठ गुफा है। वशिष्ठ गुफा शांति और ध्यान के लिए अच्छा स्थान है। बताया जाता है कि इस गुफा में स्वामी पुरुषोत्तमानंद ने तप किया था। यहां पर आने वाले पर्यटकों को इस गुफा को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में मौजूद जानकी सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। दरअसल, जी 20 बैठक के दौरान इस स्थान को बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें जानकी सेतु पुल की सुंदरता में चार चांद लगाती है। वहीं यह फोटोशूट के लिए भी बेहतरीन जगह है। ऋषिकेश में योग पार्क और प्रियदर्शनी पार्क भी बना हुआ है।

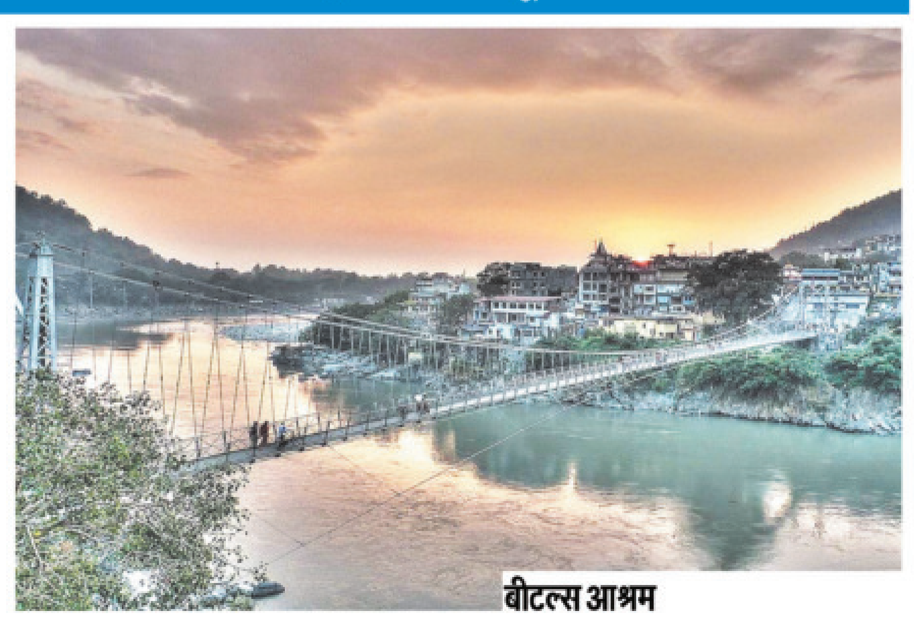

बीटल्स आश्रम

बता दें कि साल 1961 में महर्षि महेश योगी द्वारा ऋषिकेश में योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। वहीं 60 के दशक में फेमस बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम पहुंचे थे। तब से यह आश्रम बीटल्स आश्रम के नाम से जाना जाने लगा। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।

मनाली घूमने का बना रहे प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, ट्रिप में नहीं होगी कोई परेशानी

मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

गर्मियों का मौसम हो या फिर सर्दियों का, मनाली में हर सीजन में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। गर्मी में ठंडक के एहसास के लिए लोग मनाली जाते हैं। वहीं सर्दियों में स्नो का नजारा देखने के लिए मनाली जाते हैं। यही वजह है कि यहां पर किसी भी मौसम में पर्यटकों की भीड़ कम नहीं होता है। मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनाली घूमने जाने के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के मौसम में जा रहे हैं, यह सोचकर ट्रिप देर से न करें। प्रयास करें कि आस यात्रा की शुरूआत सुबह जल्दी करें। इससे आप आधा रास्ता जल्दी और सुकून से कवर कर लेंगे। वरना आप दिन में मनाली की सड़कों पर लगे जाम में घंटों तक फंसे रह सकते हैं।

यदि आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में आपको मनाली में होटल सस्ते मिल जाएंगे, तो ऐसा नहीं है। क्योंकि इस दौरान पर्यटकों की भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए आप भी पहले से होटल आदि बुक कर लें। वहीं आप मनाली घूमने के लिए ट्रैवल एजेंट या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

बता दें कि शहर में आपको पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ सकता है। इसलिए प्रयास करें कि आप ट्रैफिक से बचने के लिए सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। वहीं अगर आप अटल टनल, सोलांग वैली या रोहतांग के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। ये जगहें सनसेट व्यू प्वॉइंट के लिए जाने जाते हैं।

वहीं मनाली में आप दिन में सर्दी लगने के कारण वहीं बल्कि तेज धूप की वजह से परेशान हो सकते हैं। इसलिए छाता और टोपी साथ लेकर चलें। वहीं गर्मी और सर्दी वाले कपड़े भी लेकर जाएं। क्योंकि रात के समय तापमान यहां पर कम हो जाता है। अगर आपको ऑनलाइन पेमेंट करने में समस्या हो सकती है, इसलिए कैश साथ लेकर चलें।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अद्भुत संगम है डलहौज़ी

डलहौजी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित डलहौजी एक सुंदर और शांत पहाड़ी स्थल है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरे-भरे देवदार के जंगलों, और औपनिवेशिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से लगभग 1,970 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी द्वारा स्थापित किया गया था और आज भी अपने ब्रिटिश युग की विरासत को सहेजे हुए है।

डलहौजी की विशेषताएँ

डलहौजी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. खजियार - भारत का 'मिनी स्विट्ज़रलैंड'

डलहौजी से लगभग 22 किमी दूर स्थित खजियार एक छोटा सा पठार है, जिसे घास के मैदान, झील और देवदार के पेड़ों से घिरा हुआ माना जाता है। यहाँ की खूबसूरती और खुला मैदान बच्चों और फोटोग्राफरों को बेहद पसंद आता है।

2. कालाटोप वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी

यह जंगल क्षेत्र वन्य जीव प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए आदर्श स्थान है। यहाँ से धौलाधार पर्वतमाला के अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं।

3. पंचपुला

डलहौजी के पास स्थित यह जलप्रपात गर्मियों में बेहद लोकप्रिय होता है। यहाँ की ताजगीभरी हवा और पानी की कलकल ध्वनि मन को शांति देती है।

4. सुभाष बाओली

यह एक शांत जगह है जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कुछ समय के लिए ठहरे थे। यह स्थान घने पेड़ों और पानी के झरनों से घिरा है।

5. सेंट जॉन और सेंट फ्रांसिस चर्च

ब्रिटिश काल में बनी ये चर्चें औपनिवेशिक वास्तुकला की सुंदर मिसाल हैं और पर्यटकों को अतीत से जुड़ने का अवसर देती हैं।

डलहौजी में क्या करें?

ट्रेकिंग और नेचर वॉक

फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

लोकल हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी

हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेना (मदरा, चना मसर, सीड्डू आदि)

ध्यान और योग के लिए एकांत वातावरण का लाभ उठाना

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी और सुहावनी जलवायु के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर- हरियाली और पर्वतीय शांति के लिए आदर्श।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए स्वर्ग समान।

कैसे पहुँचे डलहौजी?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा पठानकोट (लगभग 75 किमी) है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से डलहौजी पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- डलहौजी हिमाचल और पंजाब के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा है।

डलहौजी उन यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भीड़-भाड़ और तनाव से दूर, पहाड़ों की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यहाँ का हर कोना एक अलग कहानी कहता है — कभी औपनिवेशिक इतिहास की, कभी प्रकृति की, और कभी आत्मिक शांति की।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज 37 रन से हराया, दूसरी बार किया क्लीन स्वीप

साउथैम्पटन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने मंगलवार को साउथैम्पटन के यूटिलिटा बाउल मैदान पर खेले गए तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 37 रनों से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। यह इंग्लैंड की 2021 के बाद पहली टी20आई सीरीज में क्लीन स्वीप है। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीमित ओवरों के नए कप्तान हैरी ब्रुक के नेतृत्व में लगातार दूसरी सीरीज में क्लीन स्वीप किया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 248 रन बनाए, जो घरेलू सरजमीं पर उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है।

ओपनर बेन डकेट ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना तीसरा टी20 अर्धशतक जड़ते हुए 84 रनों की धमाकेदार पारी खेली। उनके साथ जेमी स्मिथ ने भी 60 रनों की पारी खेलते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। दोनों ने मिलकर सिर्फ 9 ओवर में 120 रन जोड़े। जैकब बेथेल ने अंत में 36 रन की नाबाद तेज पारी खेली जिससे इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 249 रनों का विशाल लक्ष्य रखा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 14 छक्के जरूर लगाए, लेकिन 8 विकेट पर 211 रन ही बना सकी। रोवमैन पॉवेल ने 45 गेंदों में नाबाद 79 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन बाकी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में पहली बार 19-18 की बढ़त बना ली है।

बेन डकेट ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से एक बार फिर साबित कर दिया कि वे इंग्लैंड के सबसे भरोसेमंद मल्टी-फॉर्मेट ओपनर हैं। उनकी पारी में शानदार रिवर्स स्वीप, कवर्स के ऊपर से शॉट्स और स्क्वायर लेग के पीछे छक्का शामिल था, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। डकेट की बल्लेबाजी ने युवा ओपनर स्मिथ को भी आत्मविश्वास दिया, जिन्होंने दोनों फॉर्मेट में इस सप्ताह पहला अर्धशतक जमाया है।

पिछले 48 घंटे वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए सबसे निराशाजनक साबित हुए हैं। पहले रविवार को सीरीज हार और फिर मंगलवार को एकतरफा हार। इसके बीच सोमवार को स्टार बल्लेबाज़ निकोलस पूरन ने

सिर्फ 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। एक समय टी20 क्रिकेट की बादशाह रही वेस्टइंडीज टीम अब संघर्ष करती नजर आ रही है। हाल ही में समाप्त हुई इस सीरीज ने यह साफ कर दिया कि यह टीम अब उतनी प्रभावशाली नहीं रही, भले ही उसने इंग्लैंड से ज्यादा (35) छक्के लगाए हों।

इंग्लैंड के आदिल राशिद टी20आई रैंकिंग में टॉप से सिर्फ एक स्थान दूर

साउथैम्पटन (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद आईसीसी पुरुष टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान से सिर्फ एक कदम दूर हैं। आईसीसी के अनुसार राशिद ने वेस्टइंडीज पर इंग्लैंड की 3-0 की श्रृंखला की जीत में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उनके प्रयासों (4 विकेट) का मतलब है कि वह टी20आई बॉलिंग रैंकिंग में वानिंदु हसरंगा और वरुण चक्रवर्ती को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 710 है, जो कि कीवी तेज गेंदबाज जैकब डफी के 723 के करीब है।

इंग्लैंड अपने घरेलू मैदान पर मजबूत दिखा। राशिद के साथी ब्रायडन कार्से ने भी बॉलिंग रैंकिंग में उछाल का आनंद लिया, उन्होंने अंतिम दो मैचों में 2 विकेट लिए जिससे वे 16 पायदान की छलांग लगाकर 52वें (493) स्थान पर पहुंच गए। तीन मैचों की श्रृंखला में रन बने टी20आई बल्लेबाज रैंकिंग में महत्वपूर्ण अपडेट देखने को मिला।

तीसरे टी20आई में बेन डकेट की 84 (46) रन की धमाकेदार पारी ने उन्हें 48 पायदान की छलांग लगाकर 16वें स्थान पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जबकि उनके साथी हैरी ब्रूक के 35 (22) और 34 (20) रन की बदौलत वे 6 पायदान की छलांग लगाकर 38वें स्थान पर पहुंचे।

दूसरी तरफ शाई होप की 40 के आसपास की दो पारियों की बदौलत वेस्टइंडीज के कप्तान 14 पायदान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंच गए जबकि रोवमैन पॉवेल ने अंतिम टी20आई में 45 गेंदों पर नाबाद 79 रन की पारी की बदौलत शीर्ष 20 में जगह बनाई। इस बीच जेसन होल्डर की 70 रन की पारी और एक विकेट की बदौलत वेस्टइंडीज के इस खिलाड़ी को ऑलराउंडर रैंकिंग में 16 पायदान की छलांग लगाकर 26वें स्थान पर पहुंचने में मदद मिली।

जब आईपीएल में विराट को आउट कर बुमराह ने बनायी थी पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह आज भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं। वहीं विराट कोहली ने टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है। 2013 में जसप्रीत बुमराह ने केवल 19 साल की उम्र में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए विराट को गेंदबाजी की थी। तब विराट विश्व के शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल थे जबकि बुमराह एक उभरते हुए तेज गेंदबाज। तब किसी को अंदाजा नहीं था कि एक दिन बुमराह भारतीय टीम के डेथ ओवरों के विशेषज्ञ गेंदबाज बन जाएंगे। बुमराह को जब इस मैच में डेब्यू करने का मौका मिला। तो उन्होंने अपने पहले ही ओवर में शानदार गेंदबाजी की। इससे सबसे बड़ी उनकी उपलब्धि विराट का विकेट लेना रहा।.विराट आउट होने से पहले विराट कोहली उस समय अच्छी लय में दिख रहे थे और बुमराह की पहला 4 गेंदो पर 3 चौके लगा चुके थे पर बुमराह की एक अंदर आती गेंद को वह समझ नहीं पाए और एलबीडब्ल्यू हो गए। यह पल आईपीएल इतिहास में इसलिए खास बन गया क्योंकि एक युवा गेंदबाज़ ने सबसे बड़े बल्लेबाज़ को पहली ही टक्कर में आउट कर दिया।

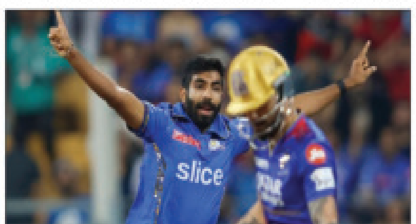

इस पहले ही मैच में बुमराह ने तीन विकेट लेकर सभी का ध्यान खींचा। इस मैच ने बुमराह को काफी लाभ हुआ क्योंकि विराट कोहली को आउट करना एक बड़ी उपलब्धि थी और इससे उनका मनोबल भी बढ़ा जिससे बाद बुमराह लगातार आगे बढ़ते गये। आईपीएल में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद वह भारतीय टीम में पहुंचे और उसके बाद लगातार ऊंचाईयों पर जाते रहे। साल 2013 की उस टक्कर ने न केवल ने भारतीय क्रिकेट को बुमराह जैसा शानदार गेंदबाज दिया । बुमराह आज भी उस मैच को नहीं भूल पाये हैं।

अय्यर की कप्तानी वाली मुंबई फाल्कन्स टी20 मुंबई लीग के फाइनल में, 12 जून को खिताबी मुकाबला

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की एसओबीओ मुंबई फाल्कन्स ने आकाश पारकर के शानदार खेल और ईशान मुलचंदानी के शानदार अर्धशतक की बदौलत बांद्रा ब्लास्टर्स पर 5 विकेट से जीत दर्ज कर टी20 मुंबई लीग 2025 के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। फाइनल में उनका सामना गुरुवार को मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स से होगा जो 12 जून को मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

दूसरे सेमीफाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांद्रा ब्लास्टर्स ने 130 रन बनाए जिसमें ध्रुमिल मटकर (34) और आकाश आनंद (31) ने सबसे ज्यादा रन बनाए जबकि एसओबीओ मुंबई फाल्कन्स के लिए आकाश पारकर ने तीन विकेट चटकाए। इसके बाद फाल्कंस ने सलामी बल्लेबाज ईशान मूलचंदानी के नाबाद 52 रन के बाद आकाश पारकर (32) और अंगकृष रघुवंशी (27) की तेज पारी की बदौलत पांच ओवर शेष रहते आराम से लक्ष्य हासिल कर लिया और फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली।

इससे पहले पहले सेमीफाइनल में कप्तान सिद्धेश लाड के नाबाद अर्धशतक और तेज गेंदबाज रोहन राजे के 5 विकेट की बदौलत मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने मंगलवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में ईगल थाने स्ट्राइकर्स पर 8 विकेट से व्यापक जीत के साथ टी20 मुंबई लीग 2025 के फाइनल में प्रवेश किया। काफी मूवमेंट और उछाल वाली पिच पर राजे ने परिस्थितियों का शानदार फायदा उठाया और 5/40 के आंकड़े हासिल किए टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्ट्राइकर्स को लय हासिल करने में संघर्ष करना पड़ा।

बाएं हाथ के स्पिनर आदित्य धूमल के समर्थन से राजे ने शीर्ष और मध्य क्रम को तहस-नहस कर दिया जिससे 10 ओवर में ही उनका स्कोर 57/4 हो गया। साईराज पाटिल (41) और कप्तान अथर्व अंकोलेकर (नाबाद 34) ने 43 रनों की साझेदारी कर कुछ समय के लिए पारी को संभाला, लेकिन राजे की एक और पारी ने पलड़ा भारी कर दिया। तेज गेंदबाज ने पाटिल, विनय कुंवर और शशांक अत्तारदे को जल्दी-जल्दी आउट कर यादगार 5 विकेट चटकाए। 132 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स ने सतर्क शुरुआत की। शुरुआती सफलता तब मिली जब साहिल जाधव साईराज पाटिल की इनस्विंगर को गलत समझ बैठे और बोल्ड हो गए। लेकिन लाड ने अपनी खास संयमता के साथ पारी को संभाला। उन्होंने चिन्मय सुतार (19) के साथ 48 रनों की साझेदारी की, जो अत्तारदे की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में समाप्त हो गई। लाड ने हार नहीं मानी और सचिन यादव (नाबाद 19) के साथ मिलकर दोनों ने 55 रनों की अटूट साझेदारी की और 13 गेंदें शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

कप्तान 52 गेंदों पर 74 रन बनाकर नाबाद रहे जिसमें 9 चौके और एक छक्का शामिल था और ऑफ-साइड में शानदार ड्राइव के साथ विजयी शॉट लगाया। इस जीत के साथ मराठा रॉयल्स अपने कप्तान और स्टार पेसर के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन की बदौलत फाइनल में पहुंच गई।

कुलदीप यादव होगें टीम इंडिया के एक्स फैक्टर : हेडन

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम अभी अभी इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यासास कर रही है। वहीं इस दौरे को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने कहा है कि कुलदीप यादव इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया के लिए एक्स फैक्टर साबित होंगे। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा है कि इस सीरीज में विराट कोहली , रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के नहीं होने से भारतीय टीम की कड़ी परीक्षा भी होगी। हेडन ने कहा कि कुलदीप जैसा कोई गेंदबाज भारत के लिए काफी विकेट ले सकता है। कुलदीप ने अभी तक 13 टेस्ट मैच खेले हैं। जिनमें 24 पारियों में 56 विकेट अपने नाम किए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ वह इससे पहले 6 टेस्ट खेल चुके हैं जिनमें 11 पारियों में उन्हें 21 विकेट मिले थे। हेडन के अनुसार युवा कप्तान शुभमन गिल के होने से टीम के उभरते हुए खिलाड़ी भी निडर होकर अपना खेल खेलेंगे। मैडन ने कहा कि विराट, रोहित जैसे खिलाड़ी लंबे समय से टीम के साथ रहे हैं। ऐस में उनकी कमी खलना स्वभाविक है पर टीम के पास कई प्रतिभाएं हैं जो उनकी जगह भरने का प्रयास करेंगी। साथ ही कहा कि उपकप्तान ऋषभ पंत भी इस दौर में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा टीम के पास करुण नायर जैस बल्लेबाज भी है जिसके ना एक तिहरा शतक भी है। टीम की गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह , मो सिराह ओर अर्शदीप सिंह जैसे तेज गेंदबाज होने से संतुलित है।

काउंटी चैंपियनशिप में हैंपशर के लिए खेलेंगे तिलक वर्मा

हैदराबाद । हैदराबाद क्रिकेट संघ (HCA) ने बुधवार को कहा कि बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा काउंटी चैंपियनशिप में हैंपशर का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। हैदराबाद के रहने वाले और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करने वाले 22 वर्षीय तिलक ने भारत के लिए 25 टी20 और चार एकदिवसीय मैच में क्रमशः 749 और 68 रन बनाए हैं। HCA ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'हैदराबाद क्रिकेट संघ को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हैदराबाद के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एन ठाकुर तिलक वर्मा से ब्रिटेन काउंटी चैंपियनशिप लीग में खेलने के लिए हैंपशर काउंटी टीम ने संपर्क किया है।' विज्ञप्ति के अनुसार, 'हैदराबाद क्रिकेट संघ उन्हें हैंपशर काउंटी के साथ शानदार जुड़ाव के लिए शुभकामनाएं देता है।' तिलक ने 18 प्रथम श्रेणी मैच में 50.16 की औसत से 121 के उच्चतम स्कोर के साथ 1,204 रन बनाए हैं। उनके नाम पांच शतक और चार अर्द्धशतक दर्ज हैं।

पहले टेस्ट के लिए करुण और सुदर्शन की दावेदारी मजबूत

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अभी पांच मैच की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर है। इस दौरे में भारतीय टीम को 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के कारण टीम को दो अच्छे बल्लेबाजों की जरुरत है। इसके लिए करुण नायर और साई सुदर्शन ने दावेदारी की है। भारतीय टीम 20 जून से पहला टेस्ट खेलेगी। ऐसे में अंतिम ग्यारह को लेकर चर्चाएं जारी हैं। इंडिया ए की ओर इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ दोहरा शतक लगाकर करुण ने अपनी दावेदारी और मजबूत की है। करुण वीरेन्द्र सहवाग के बाद टेस्ट में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरी भारतीय बल्लेबाज है। वहीं सुदर्शन ने घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी जमकर रन बनाकर अपनी दावेदारी पेश की है। उन्हें काउंट क्रिकेट का भी अनुभव है।

भारतीय टीम में 8 साल के बाद वापसी कर रहे करुण ने भी घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये हैं। इसी कारण उन्हें भी टीम में अवसर मिला है। इंडिया ए की ओर से अभ्यास मैच में करुण ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की उससे साफ है कि वह यहां के हालातों में ढल गये हैं। उनके अनुभव और इंग्लैंड की परिस्थितियों से परिचित होने की वजह से उन्हें मध्य क्रम में अवसर दिया जा सकता है। कोच गौतम गंभीर ने भी करुण को लेकर सकारात्मक संकेत दिये हैं। वहीं इंडिया ए के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन अब तक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पाए हैं। अभिमन्यू ने इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ दो टेस्ट में दूसरी पारी के दौरान 68 और 80 रन की पारी खेली।. पहली पारी में दोनों मुकाबले में 8 और 11 रन बनाए थे। इस प्रदर्शन के आधार पर तो उनका अंतिम ग्यारह में जगह मिलना कठिन है।

वहीं सुदर्शन को टेस्ट खेलने का अनुभव नहीं है पर वह काफी प्रतिभाशाली और तकनीकी रुप से अच्छे बल्लेबाज हैं। घरेलू क्रिकेट में लगातार अपनी बेहतर तकनीक से चयनकर्ताओं को इस युवा ने प्रभावित किया है। आईपीएल के दौरान भी उन्होंने संयम और तकनीक की वजह से सभी का ध्यान खींचा। काउंटी क्रिकेट में भी खेलने का अनुभव उनके लिए यहां लाभप्रद रहेगा।

भारत टीम की संभावित अंतिम ग्यारहः केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन/अभिमन्यु ईश्वरन/करुण नायर, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान/विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा

16वां डोलोमिटी इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट : मार्टिन नें बनाई एकल बढ़त , हिमल ठीक पीछे

फोरनी दी सोपरा , इटली । इटली के विश्व धरोहर स्थल के रूप में प्रसिद्ध डोलोमाइट्स पर्वतमाला में स्थित फोर्नी दी सोपरा में 16वें डोलोमिटी इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट का आधा पड़ाव अब पार हो गया है टूर्नामेंट के पांचवें राउंड के बाद बुल्गारिया के टॉप सीड ग्रांड मास्टर मार्टिन पेट्रोव चार जीत और एक ड्रॉ के साथ 4.5 अंक बनाकर एकल बढ़त पर पहुँच गए है । जबकि भारत के इंटरनेशनल मास्टर हिमल गुसेन भारत के अगले ग्रांड मास्टर बनने की राह मे कदम बढ़ाते हुए 3 जीत और 2 ड्रॉ के साथ 4 अंक बनाते हुए सयुंक्त दूसरे स्थान पर है , हिमल जिनकी वर्तमान रेटिंग 2490 है फिलहाल अपनी रेटिंग मे 2 अंक और जोड़ चुके है और जबकि वह टूर्नामेंट में खेल रहे दोनों ग्रांड मास्टर्स से खेल चुके है उम्मीद है वह अपनी रेटिंग में बचे हुए चार राउंड में और अंक जोड़ेंगे और ग्रांड मास्टर बनने के लिए महत्वपूर्ण औपचारिकता 2500 अंक के आंकड़े को छू सकते है ।

पांचवें राउंड के प्रमुख परिणाम कुछ इस प्रकार रहे – पहले बोर्ड पर इंटरनेशनल मास्टर हिमल गुसेन नें ग्रीस के ग्रांड मास्टर वासीलोस कोटरोनियस से ड्रॉ खेला , जबकि दूसरे बोर्ड पर टॉप सीड ग्रांड मास्टर बुल्गारिया के मार्टिन पेट्रोव नें ग्रीस की महिला फीडे मास्टर ग्रापासा जोर्जिया को पराजित करते हुए अपनी चौथी जीत दर्ज की । तीसरे बोर्ड पर रोमानिया के माडलीन अंडरोनेसकू नें इटली के लोरेंजों टेल्लारिणी को मात दी । महिला खिलाड़ियों में पांचवें बोर्ड पर रोमानिया की महिला फीडे मास्टर एकेटरीना पिरवुलेसकू नें इटली के मार्को लोजजा को पराजित किया तो छटे बोर्ड पर कोलंबिया की महिला इंटरनेशनल मास्टर एंजेला फ्रांकों नें इटली के लियोनार्डो बुड़ाई को मात देते हुए जीत दर्ज की ।

ऑस्ट्रेलिया ने डब्लयूटीसी फाइनल के लिए अंतिम ग्यारह घोषित की

लंदन । ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लॉर्ड्स में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए अपनी अंतिम ग्याह घोषित कर दी है । किया । वहीं इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने भी कप्तान टेम्बा बावुमा और अन्य खिलाड़ियों के नाम घोषित कर दिये थे । कमिंस ने कहा कि वैसी ही टीम उतारी जा रही है जैसी ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भविष्यवाणी की थी । बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे जबकि जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे । हेजलवुड स्कॉट बोलैंड की जगह शामिल किये गये हैं । वहीं ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पीठ की वापसी हुई है । वह सर्जरी के बाद अपना पहला टेस्ट खेलेंगे, इसके अलाव ब्यू वेबस्टर को भी टीम में बनाये रखा गया है ।

ऑस्ट्रेलियाई अंतिम 11: पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरून ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड।

'आपके साथ मैदान साझा करने पर गर्व है', निकोलस पूरन के संन्यास पर भावुक हुए ऋषभ पंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टेस्ट उप-कप्तान ऋषभ पंत ने अपने लखनऊ सुपर जायंट्स टीम के साथी और दोस्त निकोलस पूरन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद एक भावपूर्ण नोट लिखा। वेस्टइंडीज के पूर्व टी20 कप्तान ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। वेस्टइंडीज के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले और टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 29 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने फैसले को 'कठिन' बताया।

पूरन आईपीएल में पंत के साथ एक ही ड्रेसिंग रूम साझा करते हैं और मैदान के बाहर भी भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाज के साथ उनका करीबी रिश्ता है। पंत ने पूरन की आगे की राह के लिए सफलता की कामना की और कैरेबियाई टीम के साथ उन्होंने जो कुछ भी हासिल किया, उसके लिए उन्हें बधाई दी।

पंत ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आपने अपनी छाप छोड़ी है भाई - एक सच्चे साथी, दोस्त और एक बेहतरीन खिलाड़ी। आपके साथ मैदान साझा करने पर गर्व है, वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए आपने जो कुछ भी किया है, उसके लिए बधाई। आगे की राह के लिए आपको सफलता की शुभकामनाएं। हमेशा सम्मान।'

वेस्टइंडीज के लिए कभी टेस्ट मैच नहीं खेलने वाले पूरन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज्यादा 106 मैच खेलने वाले वेस्टइंडीज के खिलाड़ी हैं और 2,275 रन के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2024 में वेस्टइंडीज के लिए खेला था।

पूरन ने इंस्टाग्राम पर संन्यास की जानकारी देते हुए लिखा, 'बहुत सोच-विचार और चिंतन के बाद मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। जिस खेल से हम प्यार करते हैं, उसने बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा - खुशी, उद्देश्य, अविस्मरणीय यादें और वेस्टइंडीज के लोगों का प्रतिनिधित्व करने का मौका। मैरून रंग पहनना, राष्ट्रगान के लिए खड़ा होना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना सबकुछ देना... शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि यह मेरे लिए वास्तव में क्या मायने रखता है। कप्तान के रूप में टीम का नेतृत्व करना एक विशेषाधिकार है जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगा।' उन्होंने आगे लिखा, 'हालांकि मेरे करियर का यह अंतरराष्ट्रीय अध्याय खत्म हो गया है, लेकिन वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए मेरा प्यार कभी कम नहीं होगा। मैं टीम और क्षेत्र को आगे की राह के

लिए सफलता और ताकत के अलावा कुछ नहीं चाहता।'

संन्यास के दूसरे ही दिन पूरन को मिली एमआई न्यूयॉर्क की कप्तानी

जमैका । वेस्टइंडीज के आक्रमक विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के एक दिन बाद ही नई भूमिका मिल गयी है। 29 साल की उम्र में संन्यास लेने वाले पूरन को अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट के आगामी सीजन के लिए एमआई न्यूयॉर्क टीम का कप्तान बनाया गया है। पूरन ने इस लीग में 2023 में शानदार प्रदर्शन किया था। तब उन्होंने 388 रन बनाए थे और .वह सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। एमआई न्यूयॉर्क ने पूरन की योग्यता को देखकर टीम की कप्तानी दी है। पूरन इससे बेहद खुश हैं। पूरन की गिनती विश्व के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक में होती है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब वह अपने करियर के शीर्ष पर हैं। मेजर लीग क्रिकेट में पूरन का पिछला प्रदर्शन शानदार रहा था, विशेष रूप से खिताब जीतने वाले 2023 एमएलसी फाइनल में उनकी नाबाद 137 रनों की पारी खेली थी। इस फेंचाइज़ी ने पूरन को कप्तान बनाने पर कहा, 'हमारे हीरो, हमारे कप्तान निकोलस पूरन। पूरन ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास की घोषणा कर सबको हैरान कर दिया था। वह वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड की जगह पर कप्तानी करेंगे। पोलार्ड पिछले सत्र में एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान थे। टीम की ओ से कहा गया कि ये बाएं हाथ का विकेटकीपर बल्लेबाज दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक है।

नोएडा के मेट्रो हॉस्पिटल में लगी आग, सभी मरीज सुरक्षित

नोएडा (एजेंसी)। सेक्टर-11 स्थित मेट्रो हॉस्पिटल में बुधवार सुबह आग लगने की एक घटना से अफरा-तफरी मच गई। सुबह करीब 8 बजे हॉस्पिटल के बेसमेंट में बने फिजियोथेरेपी सेंटर में आग लग गई, जिसकी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन यूनिट मौके पर पहुंची और आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और सभी मरीज सुरक्षित हैं। गौतमबुद्धनगर के मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) प्रदीप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आग हॉस्पिटल के मुख्य भवन से अलग बने फिजियोथेरेपी यूनिट में लगी थी, जिससे मुख्य इमारत और मरीजों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। न तो किसी मरीज को शिफ्ट करने की आवश्यकता पड़ी, न ही धुआं अस्पताल के अंदर फैला। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। आग की खबर मिलते ही थाना सेक्टर-24 पुलिस और मेट्रो हॉस्पिटल के कर्मचारी भी तुरंत सक्रिय हुए और आग को फैलने से रोकने में अहम भूमिका निभाई। फायर सर्विस यूनिट ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग को पूरी तरह बुझा दिया और स्मोक एक्स्ट्रेक्शन सिस्टम के जरिए धुएं को भी पूरी तरह बाहर निकाल दिया गया है। हॉस्पिटल प्रबंधन और दमकल विभाग की समय रहते की गई कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल, घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है और फिजियोथेरेपी सेंटर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

पटना में फायरिंग से हड़कंप, 2 लोगों को मारी गोली, 1 की मौत

पटना (एजेंसी)। राजधानी पटना के पाटलिपुत्र इलाके के मैनपुरा इलाके में एक बार फिर से खूनी खेल देखने को मिला है। अति व्यस्त माने जाने वाले मैनपुरा इलाके में ताबड़तोड़ फायरिंग की गई, जिसमें दो लोगों को गोली मारी गई। इस घटना में एक व्यक्ति जितेंद्र की मौत हो गई है, जबकि दूसरा शख्स राजा गंभीर रूप से घायल है। पटना पुलिस आशंका जाहिर कर रही है कि यह गोलीबारी आपसी विवाद में हुई है। अपराधियों की पहचान के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और घटनास्थल के आसपास के लोगों से भी जानकारी इकट्ठा कर रही है। पटना में लगातार बढ़ रही अपराध की घटनाओं ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा दिए हैं। सोमवार को आलमगंज थाना क्षेत्र के आरफाबाद में मां-बेटी की हत्या और फिर 24 घंटे के अंदर ही पालीगंज जिले में दो लोगों की हत्या के बाद पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के मैनपुरा में दो और लोगों की गोली मार दी गई। यह घटना पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के मैनपुरा इलाके की है। राजधानी पटना में आपराधिक वारदातें रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। पटना में गोलीबारी की घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की गहन छानबीन शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि यह घटना आपसी विवाद का परिणाम है। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे प्रेम प्रसंग से जोड़कर देख रही है। गोलीबारी में मारे गए युवक का नाम जितेंद्र बताया जा रहा है, जबकि राजा का इलाज पीएमसीएच में चल रहा है।

सांबा में सेना की वर्दी पहने दिखे दो संदिग्ध, सेना ने चलाया सर्च ऑपरेशन

जम्मू (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारतीय सेना हाई अलर्ट पर है। इस बीच बुधवार को सांबा जिले के कुछ गांववालों ने सुरक्षा बलों को दो संदिग्ध आतंकवादियों की सूचना दी है। सूचना मिलते ही इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सर्च ऑपरेशन जारी है, लेकिन अभी तक संदिग्ध व्यक्तियों का कोई पता नहीं चला है। जानकारी के मुताबिक आतंकियों ने सेना की वर्दी पहन रखी है। अधिकारियों ने बताया कि कुछ ग्रामीणों ने कथित तौर पर रात के समय नुड गांव के करीब के एक स्कूल के पास संदिग्ध लोगों को देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। अधिकारियों ने बताया कि पूरे इलाके को पुलिस और सेना के संयुक्त दलों ने घेर लिया है। बुधवार तड़के सुबह तलाशी अभियान शुरू किया गया। वहीं जम्मू-कश्मीर सरकार ने एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल में केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न विभागों और जिलों में 135 जेकेएएस अधिकारियों के स्थानांतरण और नियुक्ति का आदेश दिए हैं। प्रशासन के हित में, निम्नलिखित स्थानांतरण और नियुक्ति तत्काल प्रभाव से आदेशित की जाती है, एक सरकारी आदेश में कहा गया है। श्री बशीर अहमद डार, जेकेएएस, प्रबंध निदेशक, जेकेपीसीसी को उपलब्ध रिक्ति के विरुद्ध सचिव, जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग के रूप में स्थानांतरित और तैनात किया जाता है।

यूपी का एक नवविवाहित जोड़ा, सिक्किम से लापता..13 दिन से खोज रही पुलिस

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। प्रतापगढ़ जिले के एक नवविवाहित जोड़े की गाड़ी सिक्किम में करीब 1000 फीट गहरी खाई में जा गिरी है। यह हादसा 29 मई को तब हुआ जब वे भारी बारिश के बीच लाचेन से लाचुंग लौट रहे थे। गाड़ी में कुल 9 लोग सवार थे, जिसमें दंपति के अलावा 7 अन्य पर्यटक भी थे। पिछले 13 दिन से पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम उनकी खोज कर रही है, लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक, नवविवाहित दूल्हा कौशलेंद्र प्रताप सिंह (29) प्रतापगढ़ का निवासी है और भाजपा नेता उमेद सिंह का भतीजा है। उसकी शादी 5 मई को अंकिता सिंह (26) से हुई थी, जो चिवलाहा गांव की निवासी है। कौशलेंद्र और अंकिता 25 मई को ट्रेन से सिक्किम की यात्रा पर निकले थे और 26 मई को मंगन जिले पहुंचे थे। 29 मई को जब वे लाचेन से लाचुंग वापस जा रहे थे, तब अचानक भारी बारिश हुई और उनकी गाड़ी तीस्ता नदी के पास खाई में गिर गई। उनके साथ वाहन में सवार सात अन्य पर्यटक भी लापता हैं। इसमें 2 यूपी, 2 त्रिपुरा और 4 ओडिशा निवासी हैं। एक स्थानीय चालक भी गाड़ी में था। बताया जा रहा है कि एसडीआरएफ और एनडीआरएफ टीम लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है, लेकिन अभी तक किसी भी लापता व्यक्ति का पता नहीं चला है।

वंचित छात्रों की समस्याओं को लेकर राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

-दरभंगा छात्रावास दौरे के बाद उठाई आवाज, पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप में देरी पर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देशभर के वंचित समुदायों के छात्रों की शिक्षा में आ रही गंभीर चुनौतियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में राहुल गांधी ने दो प्रमुख समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है, पहली, वंचित वर्गों के लिए छात्रावासों की बदहाल स्थिति और दूसरी, मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति में देरी और गिरावट।

राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा है कि हाल ही में बिहार के दरभंगा स्थित अंबेडकर छात्रावास का दौरा करने पर उन्होंने छात्रों की दयनीय स्थिति देखी। उन्होंने बताया कि एक ही कमरे में 6-7 छात्रों को रहने पर मजबूर किया जा रहा है, शौचालय गंदे हैं, पीने का पानी अशुद्ध है, मेस की कोई व्यवस्था नहीं है और पुस्तकालय व इंटरनेट जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। इस पत्र में उन्होंने आगे कहा है, कि देशभर में दलित, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी, ईबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के लाखों छात्र ऐसे ही

हालात में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। इन हालातों में न केवल उनकी शिक्षा प्रभावित होती है, बल्कि आत्मसम्मान और भविष्य की संभावनाएं भी धूमिल हो जाती हैं।

राहुल गांधी ने दूसरे बड़े मुद्दे के रूप में पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप की खराब स्थिति का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि बिहार में तीन साल तक छात्रवृत्ति पोर्टल काम नहीं कर रहा था और 2021-22 में एक भी छात्र को छात्रवृत्ति नहीं मिली। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023 में जहां 1.36 लाख दलित छात्रों को छात्रवृत्ति मिली थी, वहीं वित्त वर्ष 2024 में यह संख्या घटकर मात्र 0.69 लाख रह गई, जो चिंताजनक है।

राहुल की केंद्र से प्रमुख दो मांगें

देशभर के वंचित छात्रों के छात्रावासों का ऑडिट किया जाए, और बुनियादी सुविधाओं जैसे साफ-सफाई, भोजन, शैक्षणिक संसाधनों को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त फंड उपलब्ध कराया जाए।

मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति का समय पर वितरण सुनिश्चित किया जाए, छात्रवृत्ति राशि में वृद्धि की जाए, और राज्य सरकारों के साथ समन्वय कर क्रियान्वयन में सुधार किया जाए।

राहुल गांधी ने पत्र के अंत में लिखा है, कि जब तक हाशिए पर खड़े समुदायों के युवा आगे नहीं बढ़ेंगे, तब तक भारत भी आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने प्रधानमंत्री से इन मुद्दों पर सकारात्मक और त्वरित कदम उठाने की आशा जताई है। राहुल गांधी का यह पत्र सामाजिक न्याय और समान शिक्षा अवसरों की दिशा में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

तीन तलाक पर फिर बवाल : लखनऊ में एनआरआई पति ने वॉट्सएप पर भेजा तलाक, पीड़िता ने दर्ज कराया मुकदमा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में तीन तलाक का एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली शबाना नामक महिला को उसके एनआरआई पति मोहम्मद तौहीद ने वॉट्सएप पर तलाक का मैसेज भेजकर रिश्ता खत्म करने का ऐलान कर दिया। इस घटना ने न सिर्फ पीड़िता को स्तब्ध किया, बल्कि एक बार फिर तीन तलाक की संवेदनशीलता को सामने ला दिया है। शबाना का निकाह 2009 में मोहम्मद तौहीद से हुआ था, जो इस समय विदेश में नौकरी कर रहा है। पीड़िता का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल वाले दहेज के लिए लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना देने लगे। शबाना ने बताया कि उसकी सास खातून निशा, ननद हसीन बानो और

ननदोई अब्दुल खालिद समेत अन्य परिजन उस पर दहेज लाने का दबाव बनाते थे। शबाना ने कहा कि जब उसने प्रताड़ना का विरोध किया तो उसका पति भी गाली-गलौज और मानसिक यातना देने लगा। इसी बीच एक दिन तौहीद ने अचानक वॉट्सएप पर तलाक का मैसेज भेजकर रिश्ता तोड़ दिया। इस पर जब शबाना ने अपने मायके में जानकारी दी तो परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। ठाकुरगंज थाना पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पति, सास, ननद, ननदोई और अन्य ससुराल वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच की जा रही है। डीसीपी वेस्ट जोन विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है और जल्द ही सभी आरोपियों से पूछताछ की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि महिला को न्याय दिलाने के लिए कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गृहमंत्री के खिलाफ टिप्पणी करने के मामले में व्यक्तिगत रूप से पेश हों राहुल: हाईकोर्ट

रांची (एजेंसी)। झारखंड हाईकोर्ट ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के सिलसिले में 6 अगस्त को चाईबासा में सांसद-विधायक कोर्ट के सामने व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 2 जून को विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का रुख किया था, जिसमें उन्हें 26 जून को कोर्ट के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया था। राहुल गांधी के वकील ने कोर्ट को बताया कि उनके मुवक्किल 26 जून को पेश नहीं हो सकेंगे और उन्होंने इसके स्थान पर 6 अगस्त की तारीख मांगी। कोर्ट ने यह अनुरोध स्वीकार कर लिया। बीजेपी नेताओं के खिलाफ कथित आपत्तिजनक बयान देने के मामले में एक व्यक्ति प्रताप कुमार ने राहुल गांधी के खिलाफ 2018 में चाईबासा में एक जनसभा के दौरान दिए गए भाषण को

लेकर मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। राहुल गांधी की याचिका में कहा गया था कि उन्होंने चाईबासा कोर्ट में व्यक्तिगत पेशी से छूट की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी, जो फिलहाल हाईकोर्ट में लंबित है। निचली अदालत को यह जानकारी भी दी गई थी कि पेशी से छूट की याचिका हाईकोर्ट में लंबित है, इसके बावजूद अदालत ने राहुल गांधी को कोई राहत नहीं दी और उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया। राहुल गांधी को इस मामले में आपराधिक अभियोजन का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें आरोप है कि उन्होंने जानबूझकर अमित शाह की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से मानहानि पूर्ण बयान दिए थे।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने ट्रेडिशनल पॉलिसीज पर वित्त वर्ष 2024-25 में दिए 900 करोड़ रुपये से ज्यादा के लोन

- 98% से अधिक लोन 24 घंटे के भीतर जारी
- कंपनी की वेबसाइट या मोबाइल ऐप से आवेदन की सुविधा

एजेंसी

पटना : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपने ग्राहकों को ट्रेडिशनल पॉलिसीज के जरिए 900 करोड़ रुपए से ज्यादा के लोन दिए। यह 'लोन अगेंस्ट पॉलिसी' की सुविधा ग्राहकों के लिए बहुत फायदेमंद रही, क्योंकि इससे उनकी लॉन्ग-टर्म सेविंग प्लान पर असर डाले बिना तत्काल फंड मिल सका।

इस दौरान, कंपनी ने 42,700 से ज्यादा ग्राहकों को इस लोन की सुविधा दी। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑपरेशंस ऑफिसर, अमीश बैंकर ने कहा, "लाइफ इंश्योरेंस एक लॉन्ग-टर्म प्रोडक्ट है, और इस दौरान ग्राहकों को कभी-कभी फंड की जरूरत पड़ सकती है।

ऐसी स्थिति में 'लोन अगेंस्ट पॉलिसी' सुविधा से उनका सेविंग प्लान प्रभावित नहीं होता। खास बात यह है कि ग्राहक अपनी पॉलिसी की सरेंडर वैल्यू का 80% तक लोन ले सकते हैं। पॉलिसी पर लोन लेने की प्रक्रिया पूरी तरह पेपरलेस और तेज है। वित्त वर्ष 2024-25 में 98% से ज्यादा लोन 24 घंटे के भीतर जारी किए गए। ग्राहक कंपनी की वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए आसानी से आवेदन कर सकते हैं।

हमने देखा है कि 'लोन अगेंस्ट पॉलिसी' सुविधा को ग्राहकों द्वारा लगातार अपनाया जा रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में लोन वितरण में सालाना 60% की बढ़ोतरी हुई है। यह दर्शाता है कि ग्राहक अपने लॉन्ग-टर्म फाइनेंशियल गोल्स को लेकर प्रतिबद्ध हैं और पॉलिसी में निवेश बनाए रखना चाहते हैं। खास बात यह है कि इस लोन का इस्तेमाल प्रीमियम भरने के लिए भी किया जा सकता है, जिससे पॉलिसी और उसके फायदे बरकरार रहते हैं।

अखिलेश ने कागज में एक्स-रे की रिपोर्ट दिखाकर योगी और स्वास्थ्य मंत्री को घेरा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने एक एक्स-रे का वीडियो जारी कर स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े किए है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के विकास और निवेश की तरह इनकी जांच और इलाज भी कागजी ही है। उन्होंने कहा, यह भाजपा के कुशासन का एक्स-रे है। यह गंभीर जांच का विषय है कि कहीं ये असंभव कागजी एक्स-रे किसी और के मूल एक्स-रे की फोटोकॉपी तब नहीं, इस किसी और का बताकर केवल कागजी खानापूर्ति की जा रही हो और गलत चिकित्सा-उपचार भी किया जा रहा हो। वीडियो के नीचे कैप्शन दिया गया कि योगी जी के शासन में कमाल की एक्स-रे रिपोर्ट कागज में दी जा रही है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को हिदायत देकर कहा कि इधर-उधर की राजनीति छोड़कर अपने मंत्रालय पर ध्यान दें। कागज में एक्स-रे की रिपोर्ट सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज की है, जो कि सोशल मीडिया में वायरल हो रही है।

कुंभ मेले में भगदड़ के बाद यूपी के सीएम से इस्तीफा क्यों नहीं मांगा? बीजेपी पर सिद्धारमैया का पलटवार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को बेंगलुरू भगदड़ को लेकर भाजपा द्वारा उनके इस्तीफे की मांग को खारिज करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा हर चीज में राजनीति करती है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सवाल उठाया कि इस साल की शुरुआत में प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान भगदड़ मचने पर भाजपा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस्तीफे की मांग क्यों नहीं की। सिद्धारमैया ने संवाददाताओं से बात करते हुए पूछा कि कुंभ मेले में भगदड़ में 40-50 लोग मारे गए। क्या तब उन्होंने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की थी? उद्घाटन के दिन एक पुल ढह गया था और 140 लोग मारे गए थे। क्या तब उन्होंने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग की थी?

सिद्धारमैया ने कहा, 'बीजेपी को झूठ बोलकर और इस्तीफ़े की मांग करके लोगों को गुमराह करने की आदत है। बीजेपी हर चीज़ में राजनीति करती है।' इससे पहले, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल जीत के जश्न के दौरान बेंगलुरु में मची भगदड़ को लेकर कर्नाटक सरकार की

आलोचना की थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी। जोशी ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की, क्योंकि उन्होंने भीड़ को 'गैर-जिम्मेदाराना और असंवेदनशील' तरीके से संभाला।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ की घटना से पहले 4 जून को विधान सौधा (राज्य विधानसभा) की भव्य सीढ़ियों पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) टीम को कर्नाटक सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से सम्मानित किया गया था। बेंगलुरु में हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए, जिसके बाद कर्नाटक सरकार ने 5 जून को कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन के शीर्ष पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया और घटना की जांच के लिए एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया।

'आप' का बड़ा ऐलान, बिहार में सभी सीटों पर लड़ेगी चुनाव, आरजेडी और कांग्रेस को भी दिया बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने बड़ा ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी ने सभी सीटों पर पार्टी चुनाव लड़ने का फैसला किया है। आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पार्टी ने फैसला किया है कि वह बिहार में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। गुजरात उपचुनाव के दौरान यह तय हुआ था कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी निर्धारित सीटों पर चुनाव लड़ेंगी, लेकिन आखिरी सीट पर कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ उम्मीदवार घोषित कर दिया। हम बिहार चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ रहे हैं।

आम आदमी पार्टी राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठित करने और मतदाताओं तक दिल्ली विकास मॉडल पहुँचाने के लिए बिहार में भी केजरीवाल अभियान चला रही है। आप के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राकेश

यादव सात चरणों वाली इस यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत अप्रैल में हुई थी और यह राज्य के अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र को कवर कर चुकी है। आप के बिहार प्रभारी अजेश यादव ने कहा कि बिहार के हर गांव के लोग दिल्ली में हैं और उन्होंने देखा है कि आप सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य से लेकर बुनियादी ढांचे तक के क्षेत्रों में कितना विकास किया है। पूर्वांचल में आप की अच्छी पकड़ है। पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा बिहार की आम जनता भी चाहती है कि हम चुनाव लड़ें। इसलिए हम चुनाव की तैयारी कर रहे हैं और राज्य में संगठन को मजबूत कर रहे हैं।

यादव ने कहा कि गठबंधन के लिए आरजेडी और कांग्रेस से संपर्क करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा, 'आप के पास अपनी संगठनात्मक ताकत और जनता का समर्थन है। स्थानीय पार्टी इकाई अकेले विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती है। इसलिए, हम बिहार की सभी 243 सीटों के लिए तैयारी कर रहे हैं।' यादव ने दावा किया कि आप की राज्य के हर जिले और विधानसभा क्षेत्र में पहले से ही एक संगठनात्मक इकाई है और बूथ स्तर की इकाइयां भी जल्द ही काम करना शुरू कर देंगी।

पाकिस्तान को औकात दिखाकर विश्व पटल पर छाए ओवैसी, पीएम के न्यौते में नहीं हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी पूरी दुनिया में छाए हुए हैं। उन्होंने पाकिस्तान को उसकी औकात दिखा दी। दुनिया को बता दिया कि भारत का मुसलमान अपने वतन के लिए मिटना भी जानता है और दुश्मन देश को मिटाना भी। दुनिया के कई देशों में जब ओवैसी के अंदाज की चर्चा हुई तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गदगद हो गए। इसी खुशी में उन्होंने अपने आधिकारिक आवास पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल को भोज पर आमंत्रित किया। इस मौके पर जब ओवैसी दिखाई नहीं दिए तो कानाफूसी शुरु हो गई। सभी के जुबान पर एक ही सवाल था ओवैसी साहब दिखाई नहीं दे रहे। मीडिया से लेकर सियासी गलियों तक में चर्चा गर्मा गई।

पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के डेलिगेशन से मंगलवार शाम को मुलाकात की। इस मुलाकात में ऑपरेशन सिंदूर वाले डेलिगेशन के सभी प्रमुख चेहरे मौजूद थे। मसलन शशि थरूर, सुप्रिया सुले और कनिमोझी। मगर इस मुलाकात में वह शख्स नहीं दिखा, जिसकी हुंकार से पाकिस्तान को सबसे अधिक मिर्ची लगी। जी हां, हम बात कर रहे हैं असदुद्दीन ओवैसी की। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी मंगलवार शाम पीएम नरेंद्र मोदी के आधिकारिक निवास पर हुई सर्वदलीय बैठक से गायब थे। इस बैठक में अलग-अलग राजनीतिक दलों के वे सभी नेता शामिल हुए थे, जो हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की वैश्विक पहल के हिस्से के रूप में विदेश दौरे से लौटे थे।

अब सवाल है कि आखिर ओवैसी ऑपरेशन सिंदूर के डेलिगेशन के लिए आयोजित पीएम मोदी की सर्वदलीय बैठक में क्यों नहीं गए? इसका कारण खुद ओवैसी ने बता दिया है। असदुद्दीन ओवैसी ने बताया कि आखिर किस कारण से उन्हें बैठक से दूर रहना पड़ा। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने एक करीबी रिश्तेदार और बचपन के दोस्त की मेडिकल इमरजेंसी के कारण दुबई जाना पड़ा। उन्होंने अपनी स्थिति के बारे में अपने ऑपरेशन सिंदूर वाले डेलिगेशन के नेता बीजेपी सांसद बैजयंत पांडा को पहले ही सूचित कर दिया था।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विभिन्न देशों का दौरा कर वापस लौटे प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। इस मुलाकात में सांसदों, पूर्व सांसदों और प्रतिष्ठित राजनयिकों ने भाग लिया, जिन्होंने हाल ही में कई देशों का दौरा कर भारत का प्रतिनिधित्व किया था। ये मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी के आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर हुई। इन 7 प्रतिनिधिमंडलों में सभी दलों के सांसदों के साथ-साथ पूर्व सांसद और अनुभवी राजनयिक शामिल थे। इन सभी ने अपने-अपने दौरे के अनुभव साझा किए और बताया कि किस प्रकार उन्होंने विभिन्न राष्ट्रों में भारत के दृष्टिकोण और मूल्यों को मजबूती से प्रस्तुत किया। प्रतिनिधियों ने बताया कि उन्होंने अपने विदेशी दौरों में आतंकवाद के खिलाफ भारत के कठोर रुख और वैश्विक शांति के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता को प्रमुखता से उजागर किया। उन्होंने यह भी बताया कि इन मुलाकातों के दौरान भारत की साख और विश्व में उसका प्रभाव और मजबूत हुआ।

बता दें कि अलग-अलग दलों के सांसदों के प्रतिनिधिमंडलों के कुल 7 समूह ने अलग-अलग देशों का दौरा कर आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति को सामने रखा। भारत की सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार ने प्रतिनिधिमंडल को विदेश दौरे पर भेजने का फैसला किया था। ऑपरेशन सिंदूर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए 26 पर्यटकों पर हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया थी। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने 33 से अधिक देशों का दौरा किया। इन दलों ने 33 देशों की राजधानियों और यूरोपीय संघ के मुख्यालय का दौरा किया।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह***, **प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**